29 अक्टूबर, 2025
कार्तिक, शुक्ल पक्ष, सप्तमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 11, अंक 10

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

भक्ति भाव से दिया गया उदीयमान सूर्य को अर्घ्य, संपन्न हुआ छठ महापर्व

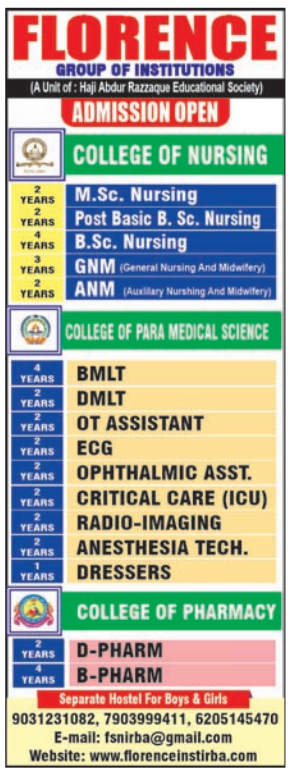

मोदी सरकार ने झारखंड को दी बड़ी सौगात

जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह और खूंटी में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

- पीपीपी मॉडल पर खुलेंगे चार मेडिकल कॉलेज
- खूंटी में 50 और अन्य तीन में 100-100 सीटें होंगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने झारखंड को बड़ी सौगात दी है। केंद्र सरकार ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर राज्य में चार नये मेडिकल कॉलेज खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी मंगलवार को वित्तीय मामलों के विभाग (डीइए) की बैठक में दी गयी, जिसमें झारखंड सरकार की ओर से स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने प्रस्तुति दी। ये नये मेडिकल कॉलेज खूंटी, जामताड़ा, धनबाद और गिरिडीह जिलों में स्थापित किये जायेंगे। खूंटी में 50, जबकि अन्य तीन जिलों में 100-100 एमबीबीएस सीटें होंगी। यह परियोजना केंद्र की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) योजना के तहत लागू होगी। धनबाद परियोजना स्कीम-1 और शेष तीन स्कीम-2 के अंतर्गत स्वीकृत की गयी हैं। पीपीपी मॉडल के तहत केंद्र सरकार पूंजीगत व्यय में 40% और परिचालन व्यय में 25% सहायता देगी, जबकि राज्य सरकार 25% से 40% तक पूंजीगत तथा 15% से 25% तक परिचालन व्यय वहन करेगी। इन कॉलेजों की स्थापना से राज्य में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार होगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आयेगा। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे।

झारखंड ने जुलाई में भेजा था छह मेडिकल कॉलेजों का प्रस्ताव : बता दें कि झारखंड सरकार ने जुलाई महीने में छह नये मेडिकल कॉलेज खोलने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने नयी दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर इसकी अनुमति देने का का आग्रह किया था। इसके बाद केंद्र की ओर से तीन सितंबर को सहमति पत्र भेजा गया।

झारखंड के लिए ऐतिहासिक कदम: अपर मुख्य सचिव

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि यह झारखंड के लिए ऐतिहासिक कदम है। पीपीपी मॉडल पर नये मेडिकल कॉलेज खुलने से ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ेगी और स्वास्थ्य व्यवस्था को नयी मजबूती मिलेगी।

वर्तमान में राज्य में केवल नौ मेडिकल कॉलेज

झारखंड में लगभग 3.92 करोड़ की आबादी के लिए केवल नौ मेडिकल कॉलेज (सात सरकारी और दो निजी) उपलब्ध हैं। राज्य राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएचसी) के प्रति 10 लाख की आबादी पर एक मेडिकल कॉलेज के मानक से काफी पीछे है। इसका अर्थ है कि राज्य में 39 मेडिकल कॉलेजों की आवश्यकता है। कई जिलों में बेड जनसंख्या अनुपात के हिसाब से कम हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत के अनुसार 1.5 बेड प्रति 1000 की आबादी पर होना चाहिए।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग को मंजूरी

- केंद्रीय कैबिनेट ने कार्य प्रारूप को दी हरी झंडी
- 18 महीने में अपनी रिपोर्ट देगा आयोग
- जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई होंगी अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। कैबिनेट ने मंगलवार को आठवें वेतन आयोग के कार्य प्रारूप (टर्म ऑफ रिफरेंस) को मंजूरी दी है। आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई करेंगी। आइआइएम बंगलुरु के प्रोफेसर पुलक घोष और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन सदस्य होंगे। आयोग अपनी सिफारिशें 18 माह के भीतर प्रस्तुत करेगा, जिससे लगभग 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को लाभ होगा। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इससे रक्षा सेवा और करीब 69 लाख पेंशनभोगियों को भी फायदा होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने जनवरी में ही आठवें वेतन आयोग को सैद्धांतिक तौर पर मंजूरी दी थी। इतने कम समय में आठवें वेतन आयोग का गठन भी कर दिया गया है। इसके लिए काफी सलाह मशविरा किया जाता है। रक्षा, गृह, रेल समेत कई महत्वपूर्ण विभागों से सलाह ली जाती है। वैष्णव ने कहा कि कई राज्य सरकारों से भी सलाह ली गयी है। दिवाली और छठ पूजा के त्योहारों के बाद केंद्र सरकार की ये घोषणा सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा तोहफा है। बिहार चुनाव के पहले भी केंद्र सरकार ने ये फैसला लिया है। हालांकि वेतन आयोग की सिफारिशें आने में अभी समय लगेगा।

खाद पर 38 हजार करोड़ की सब्सिडी को मंजूरी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने चालू रबी सत्र के लिए नाइट्रोजन (एन) के लिए 43.02 रुपये प्रति किलोग्राम, फॉस्फोरस (पी) के लिए 47.96 रुपये प्रति किलोग्राम, पोटाश (के) के लिए 2.38 रुपये प्रति किलोग्राम और सल्फर (एस) के लिए 2.87 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी दर को मंजूरी दी। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2025 रबी के लिए स्वीकृत सब्सिडी पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 14 हजार करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने बताया कि पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना के तहत सब्सिडी दर आयात मूल्य और पोषक तत्वों की आवश्यकता, सब्सिडी का बोझ और एमआरपी आदि जैसे अन्य कारकों को ध्यान में रख कर तय की गयी है। सब्सिडी दरें एक अक्टूबर से लागू होंगी। देश के कई हिस्सों में रबी (सर्दियों) की बुवाई शुरू हो गयी है। इस मौसम में गेहूं, सरसों और चना मुख्य फसलें हैं।

जुबीन गर्ग मौत मामले में पांच आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ी

गुवाहाटी। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत मामले की जांच चल रही है। मंगलवार को एक स्थानीय अदालत ने इस मामले में पांच आरोपियों की न्यायाकि हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी। एक अधिकारी ने कहा बक्सा जेल में बंद इन पांचों आरोपियों को कामरूप सीजेएम के सामने वर्चुअली पेश किया गया। अधिकारी ने कहा, पांचों आरोपियों की मौजूदा न्यायिक हिरासत कल खत्म होने वाली है। उन्हें सीजेएम के सामने पेश किया गया और हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गयी है।

चाइबासा में बवाल, लाठीचार्ज, आंसू गैस चले

- पुलिस और ग्रामीणों में हुई भिड़ंत
- बाइपास में भारी वाहनों की नो-एंट्री की है मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। कोल्हान के प्रमंडलीय मुख्यालय में सोमवार देर रात नो-एंट्री के लिए चल रहा आंदोलन हिंसक हो गया। तांबो चौक पर पुलिस और ग्रामीणों के बीच जबरदस्त झड़प हुई। प्रदर्शनकारी ग्रामीण लंबे समय से एनएच-220 और चाइबासा बाइपास पर दिन के समय भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इन वाहनों की तेज रफ्तार से आये दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, जिनमें अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है।

मंत्री का आवास घेरने निकले थे ग्रामीण : सोमवार को सैकड़ों ग्रामीण परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा के आवास का घेराव करने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें तांबो चौक पर ही रोक दिया। इसके बाद भीड़ ने वहीं धरना शुरू कर दिया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी करने लगी।

भाजपा का आज कोल्हान बंद का आह्वान : इस बीच झारखंड भाजपा ने चाइबासा की घटना के विरोध में बुधवार को कोल्हान बंद का आह्वान किया है। राज्यसभा सांसद आदित्य साहू और विधायक चंपाई सोरेन ने अलग-अलग यह घोषणा की।

स्थिति नियंत्रण में, पर तनाव बरकरार

झड़प के कारण कुछ घंटों तक मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप रही। देर रात पुलिस ने हालात पर काबू पाया और सड़क खाली करायी। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है, लेकिन किसी अप्रिय घटना से बचाव के लिए अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है।
उधर, ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक दिन के समय भारी वाहनों की एंट्री पूरी तरह बंद नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सड़क सुरक्षा और आम लोगों की जान बचाने के लिए है।

अंधेरा होने पर शुरू हुआ हंगामा

ग्रामीणों ने तांबो चौक पर ही शाम तक धरना जारी रखा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने वहीं खाना बनाया, नृत्य-गान किया और प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। जैसे-जैसे रात बढ़ती गयी, भीड़ का जोश और बढ़ता गया। देर रात पुलिस ने जब आंदोलनकारियों को हटाने की कोशिश की, तो स्थिति अचानक बिगड़ गयी। नाराज ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। इस बीच सदर एसडीपीओ की स्कॉर्पियो गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गयी। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन कई लोगों को हल्की चोटें आयीं।

हजारीबाग वन भूमि घोटाला मामला: सदर विधायक भी अभियुक्त

- एसीबी की जांच के बाद 70 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हजारीबाग में वन भूमि की अवैध खरीद-बिक्री से जुड़ा चर्चित भूमि घोटाला मामला लगातार सुर्खियों में है। अब यह मामला और बड़ा हो गया है, क्योंकि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की चल रही जांच में अब हजारीबाग के सदर विधायक प्रदीप प्रसाद का नाम भी अभियुक्तों की सूची में शामिल हो गया है। एसीबी ने इस मामले में कांड संख्या 11/2025 दर्ज की है, जिसमें अब तक 70 से अधिक लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इनमें कई चर्चित नाम शामिल हैं, जिनमें आइएएस अधिकारी विनय चौबे, कारोबारी विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह भी शामिल हैं। एसीबी ने अब तक इस मामले में कई गिरफ्तारियां की हैं और दर्जनों संपत्तियों की जांच जारी है। विधायक प्रदीप प्रसाद का नाम शामिल होने से जांच का दायरा और बढ़ने की संभावना है।

2010 में हुई थी वन भूमि की खरीद, विधायक बने थे गवाह : प्राथमिकी के अनुसार विधायक प्रदीप प्रसाद उस निबंधित दस्तावेज (डीड) के गवाह हैं, जिसके जरिये वर्ष 2010 में विनय सिंह और स्निग्धा सिंह ने हजारीबाग सदर अंचल क्षेत्र की वन भूमि को अपने नाम पर खरीदा था। यह रजिस्ट्री 10 फरवरी 2010 को की गयी थी, जिसकी डीड संख्या 1763/1710 दर्ज है। एसीबी को मिले साक्ष्यों में यह भी पाया गया है कि इस जमीन की खरीद के दौरान कई नियमों और सरकारी अधिसूचनाओं का उल्लंघन किया गया था।

राजनीति में आने से पहले थे बड़े जमीन कारोबारी

जानकारी के अनुसार विधायक प्रदीप प्रसाद राजनीति में आने से पहले हजारीबाग के बड़े जमीन कारोबारियों में गिने जाते थे। उन्होंने भी कई संपत्तियां खरीदी हैं, जिनमें से कुछ अब जांच के दायरे में हैं। एसीबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि विवादित भूमि सदर अंचल के बभनवे मौजा में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग एक एकड़ है। इस भूमि पर बाद में एक शोरूम का निर्माण भी किया गया था।

क्या है हजारीबाग भूमि घोटाला

इस मामले की शुरुआत तब हुई, जब एसीबी को सूचना मिली कि हजारीबाग में वन भूमि और सरकारी जमीन की अवैध खरीद-बिक्री हो रही है। जांच में खुलासा हुआ कि कई राजनीतिक नेताओं, अधिकारियों और जमीन कारोबारियों की मिलीभगत से यह धांधली की गयी। जमीन को पहले फर्जी दस्तावेजों और गलत वर्गीकरण के जरिये रजिस्ट्री किया गया, बाद में उन्हें व्यावसायिक उपयोग में लाया गया। इससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ।

बिहार में महागठबंधन का साझा घोषणा पत्र जारी

हर घर को एक सरकारी नौकरी का वादा

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन ने मंगलवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया। महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरा घोषित हुए तेजस्वी यादव ने सभी घटक दलों के प्रमुख नेताओं के साथ इसे जारी किया। इसे 'तेजस्वी का प्रण पत्र' भी कहा गया है। इसमें जनता से 25 वादे किये गये हैं, जिनमें प्रमुख है हरेक घर से कम से कम एक सदस्य को सरकारी नौकरी देना शामिल है। मौके पर तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन को बिहार को बनाने का काम करना है। बिहार को नंबर वन बनाना है। यह दलों और दिलों का प्रण पत्र है। अगर हमें अपने प्राण देकर भी इसे पूरा करना पड़े, तो इसे पूरा करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि कुछ बाहरी शक्तियां बिहार को उपनिवेश बनाना चाहते हैं। लेकिन ऐसा किसी भी हाल में नहीं होने दिया जायेगा। मैं सीएम नीतीश कुमार के प्रति सहानभूति रखता हूं। भाजपा और भ्रष्ट अधिकारियों ने नीतीश कुमार को पुतला बनाकर रखा है। भाजपा वाले केवल उनके चेहरे का इस्तेमाल कर रहे है। अमित शाह ने तो पहले ही स्पष्ट कर दिया कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनने जा रहे हैं। विधायक दल तय करेगा कि एनडीए का मुख्यमंत्री कौन होगा। महागठबंधन ने तो अपना सीएम फेस घोषित कर दिया, लेकिन आज तक एनडीए ने घोषणा नहीं की कि उनका मुख्यमंत्री कौन होगा।

बजट की चिंता मत कीजिए, हर परिवार में नौकरी देंगे : तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता भ्रष्टाचारी सरकार को हटाकर रहेगी। आप सरकारी दफ्तर जाइए, वहां बिना पैसा का कोई काम नहीं होता है। अब विभाग मंत्री नहीं, सचिव चला रहे हैं। आज के घोषणा पत्र में जितनी बातें कहीं गयी हैं, वे सब लागू की जायेंगी। रोजगार के लिए बजट के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि हम झूठे वादे नहीं करेंगे। एक-एक बात पर विशेषज्ञों से चर्चा की गयी है।

घोषणा पत्र के 25 बड़े वादे

- हर परिवार से एक को सरकारी नौकरी।
- जीविका दीदियों को सरकारी दर्जा।
- सभी संविदा और आउटसोर्स कर्मियों को स्थायी किया जायेगा।
- आइटी, कृषि, डेयरी, और टूरिज्म सेक्टर में नये रोजगार सृजन की योजना।
- पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लागू किया जायेगा।
- महिलाओं के लिए 'माई-बहिन मान योजना'।
- वृद्धों, विधवाओं और दिव्यांगों के लिए पेंशन 1500 रुपये से तीन हजार रुपये प्रति माह।
- हर परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली।
- माइक्रोफाइनेंस कंपनियों पर नियंत्रण और महिलाओं की सुरक्षा के लिए नया कानून।
- प्रतियोगी परीक्षाओं के फॉर्म और शुल्क खत्म, परीक्षा केंद्र तक फ्री यात्रा सुविधा।
- हर अनुमंडल में महिला कॉलेज और सभी 136 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज की स्थापना।
- शिक्षकों और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती गृह जिले से 70 किमी दायरे में सुनिश्चित की जायेगी।
- किसानों को सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडी व्यवस्था बहाल।
- हर परिवार को 25 लाख रुपये तक मुफ्त स्वास्थ्य बीमा।
- मनरेगा में मजदूरी 300 रुपये और कार्य अवधि 200 दिन की जायेगी।
- 'अति पिछड़ा अत्याचार निवारण अधिनियम' पारित किया जायेगा।
- आरक्षण की सीमा 50% से बढ़ाने के लिए प्रस्ताव संविधान की नौवीं अनुसूची में भेजा जायेगा।
- पंचायतों में अति पिछड़ों का आरक्षण 20% से बढ़ाकर 30% किया जायेगा।
- अपराध पर जीरो टॉलरेंस नीति और पुलिस अधिकारियों के लिए निश्चित कार्यकाल।
- अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा, वक्फ संशोधन विधेयक पर रोक।
- प्रवासी मजदूरों के लिए विशेष विभाग और 'बिहार मित्र केंद्र' बड़े शहरों में खोले जायेंगे।
- पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेय दोगुना, 50 लाख रुपये का बीमा और पेंशन योजना शुरू।
- पीडीएस डीलरों को मानदेय और अनुकंपा नियुक्ति की उम्र सीमा खत्म।
- नाई, कुम्हार, लोहार जैसी परंपरागत जातियों को पांच लाख रुपये ब्याज-मुक्त आर्थिक सहायता।
- 'दिव्यांग विकास कार्यक्रम' लागू होगा, हर पंचायत में दिव्यांग मित्र की नियुक्ति और विशेष नौकरी-आरक्षण।

मुख्यमंत्री आवास पहुंचे राज्यपाल, पुत्र के आशीर्वाद समारोह में आने का दिया न्योता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। उन्होंने वहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल गंगवार ने अपने पुत्र के विवाह उपरांत आयोजित आशीर्वाद समारोह में शामिल होने के लिए सीएम को सपरिवार आमंत्रित किया। मौके पर सीएम ने राज्यपाल का आत्मीय स्वागत किया और उनके द्वारा मिले आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया। सीएम ने राज्यपाल को अपनी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दी।

चक्रवात मोंथा का असर: रांची में जोरदार बारिश शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चक्रवाती तूफान मोंथा का असर झारखंड में भी दिखने लगा है। मंगलवार को शाम होते ही राजधानी रांची में जोरदार बारिश का दौर शुरू हो गया। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात के प्रभाव के कारण 31 अक्टूबर तक झारखंड के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। आइएमडी ने एक बुलेटिन में बताया कि चक्रवाती तूफान मोंथा मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे तक एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने झारखंड के लिए चेतावनी जारी करते हुए कहा कि सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी और गुमला के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा चतरा, गढ़वा, लातेहार और पलामू के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश हो सकती है।

बिहार की जनता का मन मोह रहे हैं तेजप्रताप यादव

- ‘तेजू भैया’ ने कम समय में ही बना ली है अलग पहचान
- छोटे भाई तेजस्वी के मुकाबले अधिक समझदारी का परिचय दे रहे हैं
- साफ-सुथरी और बेदाग छवि के कारण तेजी से हो रहे लोकप्रिय
- धर्म के प्रति आस्था और ज्ञान भी उन्हें दूसरों से अलग करती है

राजनीति का एक अजीब फंडा है। इसके दरवाजे पर हमेशा ‘नो वेकैंसी’ के साथ ‘सीट वैकेंट’ का साइनबोर्ड लटकता रहता है, यानी इसमें किसी नये खिलाड़ी के लिए जगह खाली भी नहीं होती और खाली भी रहती है। राजनीति के इस फंडे को उसकी असीमित संभावनाओं से तौला जाता है। बिहार की सियासत में अभी कुछ-कुछ ऐसी ही स्थिति है। अभी बिहार में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं और पार्टियां इसे जीतने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगायी हुई हैं। इन पार्टियों को लगता है कि बिहार में अब किसी नयी राजनीतिक ताकत के लिए ‘नो वेकैंसी’ है, लेकिन राज्य के सबसे प्रमुख राजनीतिक परिवार के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ‘सीट वैकेंट’ का दांव चल रहे हैं। छह महीने पहले परिवार और पार्टी से निष्कासित तेजप्रताप यादव अपनी नयी राजनीतिक पार्टी ‘जनशक्ति जनता दल’ से अब चुनाव मैदान में उतर गये हैं। तेजप्रताप यादव खुद महुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। बिहार के सियासी मैदान में उन्होंने जितनी तेजी से पहचान बनायी है और लोग उनके साथ जुड़ रहे हैं, उसने बड़े खिलाड़ियों की नींद उड़ा दी है। अपने प्रेम संबंध को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के कारण परिवार और पार्टी से बाहर निकाल दिये गये तेजप्रताप यादव ने अपनी राजनीतिक समझदारी और लोक संवाद की अपनी क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। बिहार के राजनीतिक मैदान में वह लगातार फ्रंट फुट पर बैटिंग कर रहे हैं, तो लोकप्रियता भी हासिल कर रहे हैं। क्या है तेजप्रताप की लोकप्रियता का कारण और क्या हैं उनकी संभावनाएं, बता रहे हैं आजाद सिपाही के संपादक राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह
संपादक

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री, वर्तमान में विधायक, लालू के लाल और तेजस्वी के बड़े भैया तेज प्रताप यादव का परिचय सिर्फ यही नहीं है। वह अब बिहार में बने नये राजनीतिक दल जनशक्ति जनता दल के संस्थापक भी हैं। तेज प्रताप यादव ने बिहार चुनाव में अकेले अपने दम पर एंट्री मारी है। तेज प्रताप यादव इन दिनों अपनी राजनीतिक सूझबूझ और अपने बयानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। सोशल मीडिया के वह नये ट्रेंडिंग स्टार हो गये हैं। जिस तरीके से वह मीडिया के सवालों का जवाब देते नजर आ रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि तेज प्रताप की राजनीति को जनता खूब पसंद कर रही है। वह बिना लाग-लपेट के जवाब नहीं देते। जो दिल में है, वही जुबान पर होता है। तेज प्रताप यादव का मानना है कि वही घिसी-पीटी राजनीती करने के लिए पॉलिटिक्स में नहीं आये हैं। उन्हें नये तरीके, नयी सोच वाली राजनीती करनी है। वह 25 मई 2025 की तारीख थी, जब राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और बिहार के सबसे प्रमुख राजनीतिक परिवार के मुखिया लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी और परिवार से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। उनका यह फैसला तेजप्रताप द्वारा सोशल मीडिया में उनकी कथित प्रेमिका के साथ तस्वीर साझा करने और 12 साल के रिश्ते का खुलासा करने के बाद लिया गया। लालू यादव के इस फैसले ने न केवल लालू परिवार और राजद, बल्कि बिहार की सियासत में तूफान खड़ा कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद से ही तेजप्रताप यादव की राजनीतिक राह को लेकर अटकलें तेज हो गयी थीं। इस घटना के बाद तेजप्रताप यादव ने तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए अलग राजनीतिक राह पकड़ ली और जनशक्ति जनता दल के नाम से अपनी पार्टी बना कर विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। उनकी पार्टी को ब्लैक बोर्ड चुनाव चिह्न मिला, जिसे लेकर वह अब चुनाव मैदान में हैं। तेजप्रताप यादव खुद वैशाली जिले की महुआ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं तेज प्रताप

तेजप्रताप यादव, जिन्हें लोग तेजू भइया कह कर पुकारते हैं, इन दिनों बिहार की सियासत में तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके साथ युवाओं का एक वर्ग जुड़ गया है और यह वर्ग अपने इलाके में राजनीतिक बदलाव करने की कोशिश कर रहा है। तेजप्रताप यादव की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके फॉलोअरों की संख्या 17 लाख तक पहुंच गयी है। जिस महुआ सीट से वह चुनाव लड़ रहे हैं, वहां के लोग कहते हैं कि राजद को नहीं, लालू के बेटे को वोट देंगे।

महुआ में हैं तेज प्रताप का जादू

तेज प्रताप यादव इस विधानसभा चुनाव में अकेले चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र में शुरू की गयी बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का सपना बेचना इस बार निर्णायक साबित हो सकता है। इसमें प्रमुख है मेडिकल कॉलेज का निर्माण। महुआ कस्बे के मुख्य बाजार से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर एक भव्य, ईंट-रंग का परिसर खड़ा है, जिस पर हिंदी और अंग्रेजी में सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल लिखा है। सार्वजनिक रिर्पोटों के अनुसार 462 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 20 एकड़ में फैला यह अस्पताल, शैक्षणिक ब्लॉक और आवासीय सुविधाओं से युक्त है, ठीक वैसी ही सुविधा, जिसका सपना भारत के लोग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए देखते हैं। तेज प्रताप का कहना है कि उन्होंने महुआ के लोगों से वादा किया था कि वह मेडिकल कॉलेज बनायेंगे और उन्होंने अपना वादा पूरा किया। उनका कहना है कि मुझे नाली-गली की राजनीति नहीं करनी। मैं मेडिकल कॉलेज बनाऊंगा, इंजीनियरिंग कॉलेज बनाऊंगा। महुआ के लोग कहते हैं कि तेज प्रताप ने महुआ का खूब विकास किया है। सड़क से लेकर स्वास्थ तक पर बहुत काम किया है। महुआ वालों के लिए मेडिकल कॉलेज वरदान है। जनता से कैसे कनेक्ट करना है, तेज प्रताप को पता है। वह लोगों के बीच में रहना पसंद करते हैं। लोगों की मदद के लिए वह दिन-रात एक्टिव रहते हैं।

मर जायेंगे, पर राजद में नहीं लौटेंगे

तेज प्रताप यादव का कहना है कि साल 2022 में ही उन्हें शंका होने लगी थी कि भविष्य में उनके खिलाफ साजिश हो सकती है। उन्हें लगने लगा था कि उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्हें आभास था कि जयचंदों ने उन्हें टारगेट पर लिया हुआ है, तो उन्होंने उसी दौरान अपनी पार्टी जन शक्ति जनता दल को रेजिस्टर्ड करवा लिया था। उनका कहना है कि उस दौरान उन्हें बार-बार अपमान किया गया था। उन्हें तोड़ने की कोशिश की गयी थी, लेकिन वह टूटे नहीं। उनका कहना है कि जब वह हताश होते हैं, तो वह अपने मालिकों के बीच चले जाते हैं। उनकी मालिक उनकी जनता है। खुद तेजप्रताप अब अपनी राजनीतिक लाइन साफ कर चुके हैं। वह अपने माता-पिता के प्रति सम्मान तो रखते हैं, लेकिन कहते हैं कि वह राजद में लौटने की अपेक्षा मर जाना पसंद करेंगे। छोटे भाई तेजस्वी यादव को सीएम का चेहरा घोषित किये जाने के बाद उन्होंने शुभकामनाएं तो दी, लेकिन साफ कर दिया कि दोनों के रास्ते अलग-अलग हैं।

तेजप्रताप की उपलब्धि और साख

तेज प्रताप यादव ने 2015 में महुआ विधानसभा सीट से 43 प्रतिशत वोट पाकर जीत हासिल की थी और 2015 से 2017 तक वह बिहार के स्वास्थ्य मंत्री थे। अपने निर्वाचन क्षेत्र में इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक था। स्थानीय लोगों ने परियोजना को आगे बढ़ाने और काम पूरा करने का श्रेय उन्हीं को दिया। लोग कहते हैं कि वह जो बोलते हैं, वह करते हैं। तेजप्रताप यादव का युवा, खासकर निम्न वर्ग के पुरुषों के बीच एक मजबूत प्रशंसक वर्ग है, जिनके साथ उन्होंने एक विशेष रिश्ता बनाया है। महुआ में तेज प्रताप यादव का मुकाबला राजद के 37 वर्षीय डेंटल सर्जन मुकेश कुमार रौशन से है, जिन्होंने 2020 में जदयू की आशमा परवीन को हराया था। इस कड़ी टक्कर वाली सीट पर एक अन्य मजबूत चुनौती चिराग पासवान की लोजपा (आर) के 45 वर्षीय व्यवसायी संजय कुमार सिंह पेश कर रहे हैं, जो एनडीए का हिस्सा हैं। तेज प्रताप के लिए अपनी साख बचाना इस बार एक बड़ी चुनौती है।

साफ-सुथरी और बेदाग छवि

तेजप्रताप यादव के साथ सबसे बड़ी बात उनकी साफ-सुथरी छवि है। स्वास्थ्य मंत्री और फिर विधायक रहते हुए भी उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगा है। इसलिए लोग उन्हें पसंद करते हैं। तेजप्रताप यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई आरोप भी नहीं है, इसलिए लोग कहते हैं कि वह एक अच्छे प्रतिनिधि हैं।

राजनीतिक रूप से अधिक समझदार

तेजप्रताप ने अब तक जो कुछ भी किया है या जो राजनीतिक फैसले लिये हैं, उनमें वह अपने छोटे भाई तेजस्वी के मुकाबले अधिक समझदार और परिपक्व नजर आ रहे हैं। चाहे अलग पार्टी बनाने का मुद्दा हो या फिर चुनाव लड़ने की घोषणा का, तेजप्रताप यादव ने हर फैसला ठंडे दिमाग से लिया है। वह न किसी के प्रति द्वेष का भाव रखते हैं और न ही अत्यधिक महत्वाकांक्षा पालते हैं। उनका अंदाज कुछ ऐसा है कि जनता से लेकर समर्थक और यहां तक कि राजनीतिक विश्लेषक भी समझ नहीं पा रहे कि तेजप्रताप वास्तव में किस दिशा में जाना चाहते हैं। कभी वे क्रांति की बात करते हैं, तो उनके एक्शन से भ्रांति भी पैदा हो जाती है, क्योंकि कभी-कभी वह विरोधियों के सुर में सुर मिलाते दिखते हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं, जो उनकी राजनीति को सवालों के घेरे में खड़ा कर रहे हैं। इसके बावजूद तेजप्रताप यादव एक नयी राजनीतिक ताकत तो बन ही रहे हैं, जिसने विरोधियों की नींद उड़ा दी है।

जनता की हर समस्या झामुमो की प्राथमिकता : समीर मोहंती

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। बहरागोड़ा विधायक समीर कुमार मोहंती ने मऊभंडार और गोपालपुर पंचायतों में झामुमो की महिला नेत्रियों के साथ जनसंपर्क अभियान चलाया। ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष अपनी समस्याओं और क्षेत्रीय जरूरतों को साझा किया।

समीर मोहंती ने कहा कि जनता की हर समस्या हमारी प्राथमिकता है, चुनाव के बाद उन्हें शीघ्र समाधान मिलेगा। ग्रामीणों में झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन के समर्थन को लेकर भारी उत्साह देखा गया।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क अभियान किया तेज

घाटशिला। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का जनसंपर्क अभियान लगातार गति पकड़ता जा रहा है। मंगलवार को दामपाड़ा क्षेत्र के बंकी पंचायत अंतर्गत देवली, लुपुंगडीह, बंकीडीह, चाकदोहा और चिरुगोड़ा गांवों में जबरदस्त उत्साह और जोश के साथ ग्रामीणों के बीच व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं ने आगामी 11 नवंबर को क्रम संख्या 2 पर तीर-धनुष छाप पर मतदान करने की अपील की। ग्रामीणों ने झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके समर्थन में जोशीले नारे लगाये।

विपक्षी दल भारत को धर्मशाला बनाना चाहते हैं : गिरिराज सिंह

पटना (आजाद सिपाही)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआइआर) की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और अब चुनाव आयोग यह प्रक्रिया देश के 12 अन्य राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में भी चलाने वाला है। विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन एसआइआर के इस दूसरे चरण का भी विरोध कर रहा है। इस पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधा है। उनका आरोप है कि यह विरोध केवल मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि विपक्षी दल भारत को धर्मशाला बनाना चाहते हैं। दूसरी तरफ शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने हर चुनाव क्षेत्र में वोट घोटाला होने और चुनाव आयोग पर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि कर्नाटक एसआइटी जांच ने भी कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में फर्जी मतदाता जोड़े जाने की पुष्टि की है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कहा कि मैं एसआइआर के लिए चुनाव आयोग को धन्यवाद देना चाहता हूं। कुछ राज्य एसआइआर का विरोध कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन इसका विरोध कर रहा है। ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल की सरकार बांग्लादेश की सरकार बन गयी है। ये लोग केवल मुस्लिम वोट पाने के लिए इसका विरोध करते हैं। वे भारत को धर्मशाला बनाना चाहते हैं।

सरकार की जनविरोधी नीतियों पर अंकुश लगाने के लिए भाजपा को जितायें : डॉ दिनेशानंद गोस्वामी

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्थायें पूरी तरह बदहाल है। घाटशिला के लोगों को इलाज के लिए ओड़िसा एवं पश्चिम बंगाल के अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की कमी के कारण ग्रामीणों के छोटी-मोटी बिमारियों इलाज भी नहीं हो पाता। रोगियों को अस्पताल जाने के लिए भी सरकार एंबुलेंस उपलब्ध कराने में भी विफल है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से चाइबासा के थैलसेमिया पीड़ित बच्चों को एचआइवी संक्रमित रक्त दिया गया जिससे उनका भविष्य असुरक्षित हो गया है। एनएच पर आये दिन दुर्घटनायें होती हैं परंतु घाटशिला और आसपास में दुर्घटनाग्रस्त लोगों के त्वरित इलाज की कोई व्यवस्था नहीं है। घाटशिला अनुमंडल अस्पताल को अपग्रेड करने तथा घाटशिला में ब्लड बैंक खोलने की जनता की पूरानी मांगों पर भी सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। डॉ गोस्वामी ने लोगों से झामुमो गठबंधन सरकार की जनविरोधी नीतियों पर अंकुश लगाने के लिए आगामी घाटशिला उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन को विजयी बनाने का आह्वान किया। डॉ गोस्वामी मंगलवार को घाटशिला के डाहिगोड़ा क्षेत्र में भाजपा के पक्ष में जन संपर्क अभियान चला रहे थे। जन संपर्क अभियान में डॉ गोस्वामी के साथ घाटशिला के जिला मंत्री गीता मुर्मू, मंडल अध्यक्ष कौशिक कुमार, महामंत्री सुखेन दास, हरप्रीत सिंह, भास्कर नायक, संध्या मंडल, अजय चक्रवर्ती, शंकर कालिंदी, गोविंदा बेहरा, दुखीराम बिसोई, लखीकांत बड़ी, आलोक दे, विश्वनाथ भट्टाचार्य सहित कई नेता सम्मिलित थे।

घाटशिला में परिवर्तन की लहर है : रामकुमार पाहन

घाटशिला (आजाद सिपाही)। अबकी बार विकास और जनसेवा के प्रति संकल्पित भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन को काफी आशीर्वाद और समर्थन मिल रहा है। बाबूलाल सोरेन के पक्ष में मंडल प्रवासी खिजरी के पूर्व विधायक राम कुमार पाहन, जिला उपाध्यक्ष सह मंडल खंड प्रभारी हेमंत नाराण देव और जिला मंत्री गौर चंद्र पात्र ने कार्यकर्ता संग जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने गुड़ाबांदा मंडल के सिंहपूरा पंचायत के भालकी और सूंडगी में बूथ समिति और ग्रामीणों के साथ बैठक की। बाबूलाल सोरेन के पक्ष मे कमल फूल के निशान पर मतदान करने करने का आग्रह किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष रबिंद्र नाथ गांतात, मिश्र धीबर, जतिन पातर, जगदीश चंद्र सोरेन, लाल मोहन सोरेन, सुभाष हेम्ब्रम, सूनाराम सोरेन, विनोद टुडू, बिहारी किस्कू, बीरबल माहली, काजू धीबर, सुरेंद्र नाथ सोरेन, बारियर सोरेन, कार्तिक धीबर, सलमा सोरेन, माधा मुर्मू, जादूनाथ मुर्मू सहित ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाबूलाल सोरेन ने जनसंपर्क किया

घाटशिला (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी घाटशिला विधानसभा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन ने धालभूमगढ़ प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायत के कई गांवों में जनसंपर्क चलाया। जूनबनी पंचायत के हरिनधुकडी गांव से जनसंपर्क प्रारंभ किया। पंचायत के उप मुखिया सुजन कुमार मन्ना ने माला एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया। ग्रामीणों को एक नंबर कमल छाप पर बटन दबाकर भारी से भारी मतों से विजय दिलाने का आग्रह किया। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित उपमुखिया सुजन मान्ना, सीता राम मुर्मू, काजल धल समित्र साब, साहब पूर्ति धनंजय मदीना, अमल मान्ना, निर्मल नामाता, दीपू अधिकारी, रतन प्रधान, मंटू प्रजापति, गौरांग मान्ना, भरत मान्ना समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.3 °C	20.6 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.13 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.52 बजे

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in

चाइबासा में ग्रामीणों पर लाठी चार्ज के विरोध में भाजपा का कोल्हान बंद आज

आजाद सिपाही संवाददाता

- प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने घटना की निंदा की, सभी जिलों में भाजपा ने सरकार का पुतला फूंका
- हर लोकतांत्रिक आंदोलन को गोली, बंदूक, लाठी, डंडे से दबाने का काम किया जा रहा
- ग्रामीणों पर बल प्रयोग से पुलिस का बर्बर चेहरा उजागर हुआ

रांची। चाइबासा में बीती रात एनएच 220 पर बड़े वाहनों की नो इंट्री को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से किये जा रहे धरना-प्रदर्शन, मंत्री आवास घेराव में शामिल सैकड़ों आदिवासी मूलवासी लोगों पर पुलिस द्वारा हुई बर्बर कार्रवाई, आंसू गैस के गोले को भाजपा ने बर्बर, जनविरोधी और हिंसक बताया है। भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने घटना की निंदा करते हुए पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी द्वारा राज्य सरकार का पुतला दहन और 29 अक्टूबर बुधवार को पश्चिम सिंहभूम चाइबासा, सरायकेला खरसावां जिलों में 12 घंटे के बंद का आह्वान किया है। बंद 6 बजे सुबह से शाम 6 बजे तक होगा जिसमें आवश्यक सेवाओं को बंद मुक्त रखा गया है। आदित्य साहू ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन जनता का अधिकार है। लेकिन सरकार हर लोकतांत्रिक आंदोलन को गोली, बंदूक लाठी डंडे से दबाने का काम कर रही है।

एक वर्ष में लगभग 154 लोगों की जान गयी : आदित्य साहू

आदित्य साहू ने कहा कि चाइबासा बायपास में पिछले दो वर्षों से एनएच 220 पर दिन रात भारी वाहन चलते हैं। जिस कारण वाहन की चपेट में आने से एक वर्ष में लगभग 154 लोगों की जान जा चुकी है।

पिछले 10 दिनों के भीतर ही 4 लोग वाहन की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनता आये दिन हो रही मौत से परेशान और दुखी है। आक्रोशित होकर जनता जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के भाई-बहन शामिल हैं ने राज्य के परिवहन मंत्री और स्थानीय विधायक दीपक बिरुवा के आवास के घेराव का कार्यक्रम रखा। दिनभर लोग धरना पर बैठे रहे, लेकिन सरकार का कोई प्रतिनिधि जनता से बात करने, उनकी मांगों को सुनने नहीं आया। उल्टे रात होते ही पुलिस का बर्बर चेहरा उजागर हुआ। पुलिस ने पकड़कर धरना दे रहे लोगों को गिरफ्तार किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। भगदड़ में दर्जनों लोग घायल हुए। डर से लोग इलाज भी नहीं करा रहे।

अवैध खनन सिंडिकेट के दबाव में नो इंट्री लागू नहीं कर रही सरकार: बाबूलाल मरांडी

निर्दोष ग्रामीणों पर लाठीचार्ज करना लोकतंत्र पर हमला है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने चाइबासा में शांतिपूर्ण धरना दे रहे आदिवासी ग्रामीणों पर की गयी पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार अवैध खनन सिंडिकेट के दबाव में काम कर रही है और इसलिए चाइबासा में नो इंट्री नियम लागू नहीं किया जा रहा। मरांडी ने कहा कि बीती रात तांबो चौक पर नो इंट्री की मांग को लेकर शांतिपूर्वक धरना दे रहे ग्रामीणों पर पुलिस ने बर्बर लाठीचार्ज किया, जिसमें कई लोग घायल हो गया। उन्होंने कहा कि यह हमला कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की हिफाजत करने वाला राज्य-प्रायोजित आतंक है।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण लंबे समय से एनएच-220 पर अवैध खनन ट्रकों की आवाजाही रोकने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि ये ट्रक अब तक सौ से अधिक निर्दोष लोगों की जान ले चुके हैं। बावजूद इसके सरकार नो इंट्री लागू करने से बच रही है। मरांडी ने आरोप लगाया कि यह पूरा मार्ग अवैध खनन सिंडिकेट की जीवनरेखा है, जिससे मंत्री से लेकर अधिकारी तक सभी को कमीशन मिलता है।

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 14 अक्टूबर को कोड़ा ने नोवामुंडी में छह अवैध ट्रकों की सूचना पुलिस को दी थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह साबित करता है कि पुलिस और खनन माफिया में मिलीभगत है। मरांडी ने कहा कि जब ग्रामीण शांतिपूर्वक धरना दे रहे थे, तब रात में अचानक पुलिस ने उन पर लाठियां बरसाईं, आंसू गैस के गोले छोड़े यह लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच करायी जाये, दोषी अधिकारियों को निलंबित कर उनके खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया जाये। साथ ही नो इंट्री नियम तत्काल लागू किया जाये और पीड़ितों को मुआवजा दिया जाये।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष रोजी-रोजगार की स्थिति में सुधार,भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक समस्याओं का समाधान।

वृष आपको नियमित रूप से अपना खान-पान पर ध्यान देना चाहिए। संकल्पित काम पूरे होंगे।

मिथुन परिश्रम-प्रयत्न से रुके हुए काम पूरे होंगे, आर्थिक स्थिति सुदृढ़, निर्माण कार्य में प्रगति।

कर्क काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।

सिंह आज का दिन काफी अच्छा तथा प्रगतिवर्धक रहेगा। विपरीत स्थितियों में सुधार, सामयिक-सामाजिक विकास।

कन्या बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

तुला कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृश्चिक चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

धनु आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

मकर नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

कुंभ रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

झामुमो प्रत्याशी के समर्थन में संजीव सरदार का जनसंपर्क

सोमेश सोरेन की जीत से घाटशिला के विकास का नया अध्याय शुरू होगा : संजीव सरदार

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। मंगलवार को भारी बारिश के बावजूद झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्टार प्रचारक और पोटका के विधायक संजीव सरदार ने घाटशिला उपचुनाव में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाया और झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में मतदान की अपील की।

विधायक श्री सरदार ने मैदाशोल पंचायत के चिरुगोड़ा, जगन्नाथपुर गांव पावड़ा नरसिंहगढ़ पंचायत के पुनसा गांव और चूकरीपड़ा पंचायत के ऊपरशोली गांव सहित दर्जनों स्थानों पर पदयात्रा की और ग्रामीणों, बुद्धिजीवियों, ग्राम प्रधानों, मांझी बाबा, नायके बाबा एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि झामुमो की अबुआ सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग तक विकास पहुंचाया है।

उन्होंने क्षेत्र में घर-घर जा कर कहा कि झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन न सिर्फ अपने स्वर्गीय पिता, पूर्व मंत्री रामदास सोरेन के अधूरे कार्यों को पूरा करेंगे, बल्कि उनके सपनों को भी साकार करेंगे। विधायक सरदार ने कहा कि घाटशिला का जैसा मान रामदास दा ने बढ़ाया, सोमेश उसी मान-सम्मान और विकास की राह को आगे बढ़ायेंगे, सोमेश सोरेन की जीत से घाटशिला के विकास का नया अध्याय शुरू होगा।

झामुमो नेत्रियों ने सोमेश सोरेन के लिए मांगा समर्थन

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। मंगलवार को घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के कशीदा पंचायत के विभिन्न गांवों और टोलों में झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेत्रियों ने पैदल जनसंपर्क अभियान चलाया। अभियान के दौरान उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से संवाद करते हुए झामुमो के प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में समर्थन और आशीर्वाद मांगा। जनसंपर्क के दौरान महिला मोर्चा की नेत्रियों ने राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं – मंईयां सम्मान योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाइ फुले किशोरी सम्मान योजना, 200 यूनिट मुफ्त बिजली योजना और कृषि ऋण माफी योजना की जानकारी विस्तार से दी और बताया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार हमेशा गरीब, किसान, महिला और युवाओं के हित में कार्य करती रही है।

महिला मोर्चा की वरिष्ठ नेत्री छाया रानी साहू ने कहा कि सोमेश चंद्र सोरेन एक पढ़े-लिखे, सरल और विनम्र स्वभाव के युवा हैं। वे अपने पिता स्व. रामदास सोरेन के अधूरे कार्यों को पूरा करेंगे। जैसे किसी नौकरी में पढ़े-लिखे को प्राथमिकता दी जाती है, वैसे ही अब हमारे क्षेत्र को एक शिक्षित जनसेवक की जरूरत है और वह हैं सोमेश चंद्र सोरेन। वहीं लक्ष्मी सिंह ने कहा कि स्व. रामदास सोरेन के निधन के बाद से सोमेश सोरेन ने पूरे क्षेत्र को अपने स्नेह और कर्म से जोड़ लिया है। गांव-गांव में उन्हें अपार सम्मान और प्यार मिल रहा है। यह स्पष्ट संकेत है कि आने वाले 11 नवंबर के उपचुनाव में सोमेश सोरेन अपने पिता से भी अधिक मतों से ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे।

आंदोलनकारी निर्दोष, प्रशासन की कार्रवाई निंदनीय : चंपाई सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। चाइबासा में ग्रामीणों पर हुए लाठीचार्ज की घटना के विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री सह विधायक चंपाई सोरेन ने बुधवार को कोल्हान बंद का एलान किया है। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी पूरी तरह से निर्दोष हैं। उन पर की गयी कार्रवाई निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सोमवार देर रात, चाइबासा में नो एंट्री की मांग को लेकर आदिवासियों के आंदोलन को प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से कुचलने की कोशिश की गयी, उसकी जितनी भी निंदा की जाये कम है। उस क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर ग्रामीण दिन में भारी वाहनों के लिए नो एंट्री की मांग कर रहे थे। क्या उनकी यह मांग गलत है। क्या इस राज्य में लोगों को लोकतांत्रिक तरीके से धरना प्रदर्शन का अधिकार नहीं है। चंपाई सोरेन ने मांग की कि लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाये और गिरफ्तार किये गये सभी लोगों को तुरंत रिहा किया जाये। चंपाई सोरेन ने लोगों के बीच पैदल मार्च किया और चार से पांच किलोमीटर तक चलकर कुजू बॉर्डर पहुंचे। वहां तैनात अधिकारियों से बातचीत की और स्थिति को समझाया। सोरेन ने कहा कि सरकार को आदिवासियों की आवाज दबाने की बजाय सुननी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जायेगा।

पाषाण काल की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं कोरकोट पाठ के ग्रामीण

नियम तोड़ने के बावजूद लीज धारकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते अधिकारी

अंजुम/संतोष/विकास

गुमला। बिशनपुर प्रखंड के कोरकोट पाठ में पिछले तीस सालों से आज तक कुछ नहीं बदला। वही मिट्टी के खस्ता हाल मकान, ग्रामीणों के तन पर फटे-पुराने कपड़े और लाल मिट्टी से अटा हुआ सारा शरीर।

आज भी ऐसा प्रतीत होता है कि कोरकोट पाठ की जनता पाषाण काल में जी रही है।

इन्ही आदिवासी और आदिम जनजाति के लोगों की जमीन से बॉक्साइट निकाल कर लीज धारक मालामाल हो रहे हैं।

सरकारी पदाधिकारियों के दम पर लीज धारक कंपनियां कर रहीं रैयतों का शोषण

कोरकोट पाठ मूलतः अवधेश सिंह का लीज क्षेत्र है। इस लीज क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर बॉक्साइट खुदाई का काम चल रहा है। बॉक्साइट खुदाई करने के लिए बड़ी-बड़ी मशीनों का उपयोग भी किया जा रहा है। स्थानीय लोगों को नाम मात्र के लिए काम पर रखा जाता है। बावजूद इसके सरकार से बड़े-बड़े वादे करके लीज लेने वाली ये कंपनियां, सरकारी पदाधिकारियों की मिलीभगत से सरकार की आंख में धूल झोंक कर रैयतों के अधिकारों का हनन कर रही हैं और बदहाल जीवन जीने को छोड़ देती हैं।

आखिर नियम तोड़ने वाले लीज धारकों के खिलाफ पदाधिकारी क्यों नहीं करते कार्रवाई

खनन विभाग की निगरानी में चलने वाली लीज, ग्रामीणों को सुविधा मुहैया नहीं करा रही है। लीज धारकों की इस मनमानी पर खनन विभाग मौन रहता है। आखिर खनन विभाग ग्रामीणों को सुविधा नहीं देने पर लीज धारकों के विरुद्ध कोई सख्ती क्यों नहीं दिखता। यह अपने आप में सबसे बड़ा प्रश्न है। आखिर खनन विभाग को ऐसी क्या मजबूरी है, जिसके कारण लीज धारकों के विरुद्ध कार्रवाई पर उनकी कलम चलना ही भूल जाती है। रैयत सीधे तौर पर आरोप लगाते हैं कि आज हमारी बदहाली के सबसे बड़े जिम्मेदार खनन से संबंधित पदाधिकारी हैं, क्योंकि जब वही कार्रवाई नहीं करते, तो हमारी कौन सुनेगा।

पीने का पानी भी दो किमी से लाते हैं कोरकोट पाठ के लोग

कोरकोट पाठ में रह रहे आदिवासी और आदिम जनजातियों के लिए पीने का पानी तक मयस्सर नहीं है। उन्हें पीने का पानी लेने के लिए डेढ़ से दो किलोमीटर तक जाना पड़ता है। शुद्ध पानी नहीं मिलने के कारण इन लोगों का स्वास्थ्य अत्यंत प्रभावित रहता है।

उपलब्ध नहीं है स्वास्थ्य सुविधा

पाठ क्षेत्र में रह रहे लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं। बड़े-बड़े लीजधारक लीज से पैसा कमा कर बड़े-बड़े शहरों में हवेलियां बनकर रह रहे हैं। वहीं जिनकी जमीन से खजाने निकल रहे हैं, वे लोग एक मामूली दवा और स्वास्थ्य चेकअप के लिए भी मोहताज हैं, जबकि लीज के नियमों में उन बस्तियों में मूलभूत सुविधा देने की जिम्मेदारी लीजधारकों की है।

भाकृअनुप केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक-753006 (ओडिशा), भारत
ICAR-CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
Cuttack (Odisha) 753 006, India
Ph.: +91-671-2367757/67, EPBX: +91-671-2367768-783,
Fax : +91-671-2367663, e-mail: director.nrri@icar.gov.in,
crrictc@nic.in, URL : http//www.nrri.icar.in

विज्ञापन संख्या/ADVERTISEMENT No.33/SRF/OA/CM 2025-26 दिनांक/Date : 27.10.2025

प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु सुचना /Notice for Walk-in-Interview

प्रधान अन्वेषक, ईएपी-359 योजना के तहत सभी योग्य उम्मीदवारों को दो (02) **सीनियर रिसर्च फैलो, एक** (01) **ऑफिस असिस्टेंट और तीन** (03) **कम्युनिटी मोबीलाईजर का** चयन दिनांक क्रमशः 06.11.2025 (10.30पूर्वाहन), 07.11.2025 (10.30 पूर्वाहन) और 10.11.2025 (10.30 पूर्वाहन) को भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं, कटक, ओडीशा में प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु आमंत्रित करते हैं । अधिक जानकारी के लिए कृपया भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं की वेबसाइट **https//icar-nrri.in/walk-in-interview-3/** पर जाएं ।

P.I. of the project EAP-359, invites all the eligible candidates for walk-in-interviews for the post of **Two(02) Senior Research Fellow (SRF), One(01) Office Assistant (OA) and Three(03) Community Mobilizer** on 06.11.2025 (10.30AM), 07.11.2025 (10.30AM) and 10.11.2025 (10.30AM) respectively at ICAR-CRRI, Cuttack, Odisha. For further details please visit to ICAR-CRRI website: https://icar-crri.in/walk-in-interview-3/.

प्रधान अन्वेषक/ PRINCIPAL INVESTIGATOR

TPWODL
TP WESTERN ODISHA DISTRIBUTION LIMITED
(A Joint Venture of Tata Power and Government of Odisha)
Corporate Office : Burla, Dist.-Sambalpur (Odisha)-768017

NOTICE INVITING TENDER

T.No.TPWODL/TP/O/SITC/2600002118 Date. 29.10.2025

TP Western Odisha Distribution Limited, invites tender quotations (in 2part bidding) from eligible vendors/suppliers for the following package :

SITC of 40 kVA UPS Along with Other Accessories.

Interested bidders are to submit Tender Participation Fee and Authorization Letter through email on or before **9th November 2025, 17:00Hrs,** after which the link from e-Tender system shall be shared with them.

For detailed tender documents of the above-mentioned tender, please visit Tender section of **www.tpwesternodisha.com.** All details for participating in the tender is given in the tender document.

All future correspondence regarding the tender, bid submission, date extension etc. will take place with the participating bidders only through E-Tender system.

Sd/- **Head-Contracts & Procurement**

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in
04

भक्ति के बहल बयार, श्रद्धा होइल अपार

उदीयमान सूर्य के अर्घ्य अर्पण के साथ चार दिनी महापर्व छठ संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सूर्योपासना का महापावन छठ व्रत उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पण के साथ संपन्न हो गया। इसी के साथ चार दिनों तक छठी मइया की आराधना में लीन व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला उपवास भी तोड़ा। सोमवार को जहां अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया गया, वहीं व्रति और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंगलवार को उदय होते भुवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर मनोवांक्षित फल की कामना की। कई व्रतियों ने घाटों पर ही सत्यनारायण पूजन भी किया गया। प्रसाद पाने को लोगों के बीच होड़ लगी रही। सभी छठ घाटों पर विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों के साथ पूजा समितियों की ओर से समुचित व्यवस्था की गयी। व्रतियों और श्रद्धालुओं के सेवा-सहयोग को हजारों हाथ उठे। किसी ने फल-फूल, दूध आदि का वितरण कर स्वयं को धन्य किया तो किसी ने विधि-व्यवस्था संभाल सेवा दी। परोपकार बटोरे। घाटों पर रंग-बिरंगे लाइटों के बीच विराजमान भुवन भास्कर की प्रतिमा आकर्षण बनी रही।

चहुंओर छायी रही छठ की छटा : राजधानी के छठ घाटों पर दोनों अर्घ्य के दौरान भक्ति का मेला लगा रहा। छठ की छटा चहुंओर छायी रही। क्या बच्चे, बूढ़ों और जवानों सभी भक्ति के समुंदर में श्रद्धा की डूबकी लगाने को आतुर दिखे। दउरी में फल-पकवान। महिलाओं के माथे पर दमकता सिंदूर, सिर पर ईख-दउरा लेकर छठ घाट आते लोग। समर्पण की सोच। कमर तक जल में सूप लिये और पूजन सामग्री लेकर खड़े व्रती। छठ माता के गीतों से गुंजायमान वातावरण। सूर्य के क्षितिज में समाने और निकलने का आभास होते ही दूध से अर्घ्य देने का सिलसिला। कुछ इसी तरह का नजारा 27 अक्तुबर की शाम और 28 अक्तुबर की सुबह देखने को मिला।

न ऐश्वर्य का बोध न रही तन की चिंता : छठी माता की पूजा में न ऐश्वर्य का बोध, न तन की चिंता। चेहरे पर कोई अहं, न ही किसी तरह का ताव। बस एक ही ललक की छठी मइया सबका कल्याण करें। जिनके घरों में रोजमर्रा का काम करने के लिए नौकर चाकर होते हैं, वे भी छठी मइया के पूजन के लिए सिर पर दउरा लिए नंगे पाव चले जा रहे थे। जिनके पांव कालीनों पर नहीं टिकते, उनके वही पैर आज उबड़-खाबड़ सड़कों को नाप रहे थे। घाट पर एक तरफ करोड़पति तो दूसरी ओर मजदूर का परिवार। घाट पर सनातनी विरासत यह बता रही थी कि मान्यताएं, परंपरा, श्रद्धा, निष्ठा, भौतिकता की चकाचौंध में भी अपना राग नहीं तोड़ती, साथ नहीं छोड़ती।

कृत्रिम छठ घाट भी रहे गुलजार : सामाजिक, धार्मिक और आवासिय परिसर में बने अस्थायी कृत्रिम छठ घाट भी महापर्व छठ के मौके पर गुलजार रहे। अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य देव को अर्घ्य अर्पण के लिए व्रतियों के परिवार और इष्ट-मित्रों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी जुटे। गुबारे और फूलों के साथ रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाते पूजा स्थल पर श्रद्धालुओं की भक्ति देखते ही बन रही थी। हाल के दिनों में सुविधा को ध्यान में रख बड़ी संख्या में लोग घरों में ही घाट का निर्माण कर रहे हैं। इस बार भी शहर के विभिन्न इलाकों में अस्थायी घाटों के चलन की बानगी देखने को मिली, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने भुवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर स्वयं को धन्य किया।

छठ महापर्व मनाने रांची आये विदेशी

रांची (आजाद सिपाही)। बिहार-झारखंड का पारंपरिक पर्व छठ सिर्फ भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए आकर्षण का केंद्र होता जा रहा है। छठ महापर्व की आडंबर रहित पूजन पद्धति, व्रतियों का निष्ठा-संयम, समस्त परिवार व समाज की एकजुटता व समभाव, सूर्य के उदय-अस्त का पूजन, घाट पूजा, समस्त सृष्टि व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव, इन सभी की सम्मोहन शक्ति अब सोशल मीडिया के युग में विश्व भर के लोगों को अपनी तरफ खींच रही है। गौरीशंकर नगर के निवासी शुभेंदु शेखर के घर तीन विदेशी पर्यटक इस वर्ष दीपावली व छठ पूजा में सम्मिलित हुए जर्मनी, नीदरलैंड्स, और बेल्जियम से। दिवाली की मिठाइयां से लेकर, नहाय खाय का प्रसाद, खरना एवं अस्तलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर आनंदित हुए और इस अनूठे पर्व को देख कर विस्मय और आनंद से भर उठे ये विदेशी। इन त्योहारों के अवसर पर वे भविष्य में भी भारत आना चाहते हैं और भारत की अनूठी संस्कृति से रूबरू होना चाहते हैं।

स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति ने की मनोहारी सजावट

व्रतियों और श्रद्धालुओं के सेवा-सत्कार को मुस्तैद रहे कार्यकर्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। महापर्व छठ के मौके पर स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति ने महत्ती भूमिका निभायी। घाटों और तालाब के संपर्क मार्गों पर दूर तक मनोहारी साज-सज्जा की गयी। विद्युत और पुष्प सज्जा से इलाका गुलजार रहा। साथ ही श्रद्धालुओं के सेवा-सत्कार को समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता दोनो अर्घ्य के दौरान मुस्तैद रहे। व्रतियों के बीच फल-फूल, गंगा जल आदि का वितरण किया गया। मुख्य संरक्षक राजीव रंजन मिश्रा ने बताया कि समिति 75 वर्षों से योगदान दे रही है। इस बार भी महापर्व पर समुचित व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि किसी अनहोनी की आशंका से गोताखोर भी तालाब में तैनात किये गये। उन्होंने प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग करने वालों के प्रति अभार जताया है। अध्यक्ष रमेश केडिया, कार्यकारी अध्यक्ष राहुल सिन्हा चंकी, मंत्री विशाल मिश्रा, रवि कुमार पिंकू, गोपाल पारीक, राजेश सिन्हा सनी, लंकेश सिंह , मो रॉकी ,इंदर सिंह , राजीव सिंह, मो परवेज आदि ने इसमें मुख्य योगदान दिया।

नानियों ने भी दर्ज करायी उपस्थिति : स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के सेवा और स्वागत शिविर में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्य सभा सांसद महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, कुणाल अजमानी ,अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम, सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के अकीलउर रहमान, मो इस्लाम, मो तौहीद, प्रदीप तुलस्यान, विनय सरावगी, अशोक पुरोहित, गोपाल पारीक ने भी मुख्य रूप से उपस्थिति दर्ज करायी। समिति की ओर से चुनड़ी ओढ़ाकर सभी का स्वागत किया गया।

डोरंडा में अर्घ्य अर्पण को पहुंची मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, कहा

जीवन बदलता है, आस्था अमर रहती है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। महापर्व छठ पर भुवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के लिए रांची महानगर छठ पूजा समिति के मुख्य संरक्षक सह ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी हजारों श्रद्धालुओं संग भक्ति की डोर से बंध खींची चली आयी। डोरंडा के छठ घाट पर भुवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर छठी मइया से राज्य की खुशहाली वर मांगा। साथ ही महापर्व की बधाई दे, सभी के लिए मंगल कामना भी की। कहा कि हर दीपक, हर गीत, हर अर्घ्य एक ही संदेश देता है कि जीवन बदलता है, लेकिन आस्था अमर रहती है। छठ व्रत केवल पूजा नहीं, मां और माटी से जुड़ा व्रत है। व्रति अपनी पीड़ा, प्रेम और प्रार्थना को एक साथ समर्पित करती है। उषा अर्घ्य के उस क्षण में, जब सूरज उग रहा होता है, व्रती महिलाएं उगते हुए सूर्य को नमन करती हैं। यह पर्व सिखाता है कि भक्ति में कितनी शक्ति होती है। समिति के अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने कहा कि उषा अर्घ्य हमें यह संदेश देता है कि हर अंधकार के बाद प्रकाश अवश्य आता है। छठ पर्व न सिर्फ सूर्य उपासना का प्रतीक है, बल्कि यह जीवन में शुद्धता, अनुशासन और पर्यावरण संतुलन की प्रेरणा भी देता है। डोरंडा में निर्मित कृत्रिम तालाब अब रांची शहर के लिए एक नई परंपरा का प्रतीक बन चुका है, जहां वे माताएं-बहनें भी श्रद्धा के साथ पूजा कर सकती हैं, जिन्हें नदी या तालाब तक जाने में कठिनइ होती है। आलोक कुमार दूबे ने राज्यवासियों को महापर्व की शुभकामनाएं दी। मुख्य संरक्षक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि छठ महापर्व हमारे सांस्कृतिक जीवन की आत्मा है। यह पर्व हमें प्रकृति, जल और सूर्य के प्रति कृतज्ञता का संदेश देता है। समिति की ओर से हम राज्य सरकार, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद देते हैं, जिनके सहयोग से यह आयोजन सफल रहा। संयोजक डॉ. राजेश गुप्ता ने कहा कि रांची में छठ का आयोजन हर वर्ष और भी भव्य होता जा रहा है। इस बार भी श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति और अनुशासित व्यवस्था ने इसे यादगार बना दिया। यह सामूहिक प्रयास ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। महासचिव विशाल कुमार सिंह, गौतम दूबे, रितेश सिंह, विजय गुप्ता, मेंहुल दूबे, अश्विन कुमार, विशाल सिंह, हर्ष तिवारी, सचिन कुमार, विवेक सिंह, रोहित कुमार, दीपक ठाकुर, नितेश छेत्री, संजय सिंह, अभय सिंह, मनोज सिंह, गोपाल छेत्री, शशिकांत, सुशील कुमार, मनोज तिवारी, अजित कुमार, मदन छेत्री, सुमित सिंह और रिशु कुमार आदि ने छठ पूजा के सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया।

सूर्य मंदिर, धुर्वा में उमड़ी आस्था

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। महापर्व छठ के मौके पर सूर्य मंदिर, धुर्वा में आस्था उमड़ी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भुवन भास्कर का दर्शन-पूजन कर श्रद्धा अर्पित की। मंदिर ट्रस्ट की ओर से यहां व्यापक व्यवस्था की गयी। विकास पांडेय और आचार्य मंडल ने इसमें मुख्य योगदान दिया। मौके पर हवन, आरती और भंडारा का क्रमवार सिलसिला चला। बड़ी संख्या में भक्तों ने पूजन-हवन और भगवान की आरती उतारी। प्रसाद ग्रहण किया। प्रो परमाल सिंह तोमर, अनिल यादव, विनोद कुमार सिंह,अजय प्रसाद, राणा सुरेश, बंशी, अभिषेक सिंह, यश यादव, यश कुमार, जिगीसा, दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष अतुल कुमार, अखिलेश सिंह, श्याम सुंदर शर्मा, मुकेश पंडित, प्रणेश मुंडा, विभूति नंदन प्रसाद, धर्मेंद्र मिश्रा, बृजेश पांडेय, अकबर अली, रश्मि सिंह, डॉ ज्योत्स्ना, सोमी, मधु ठाकुर, संगीता सिंह, अर्चना आदि मुख्य रूप से पूजन-अनुष्ठान में भागीदारी निभायी। सूर्य मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुधीर कुमार समीर ने छठ महापर्व की शुभकामना देने के साथ प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग देने वालों के प्रति आभार जताया है।

श्री अयोध्या धाम में मनाया छठ का महापर्व

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. उमेश गुप्ता ने परिवार संग छठ पूजा श्री राम जन्मभूमि अयोध्या धाम में मनाया। सरयू घाट पर सूर्य देव को जल अर्पित कर आशीर्वाद लिया, बड़े धूमधाम से इस महापर्व को परिवार के साथ मनाया गया। इनके साथ परिवार के अन्य सदस्य पत्नी मीतू गुप्ता, पुत्र शोभित गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, राज, सविता, मुकेश, अर्चना, शशि, विजय, दीपाली आदि भी मौजूद।

श्री कृष्ण गोपाष्टमी महोत्सव कल धूमधाम के साथ मनाया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची गौशाला न्यास द्वारा गोकुलधाम हरमू रोड स्थित आगामी 30 अक्टूबर को 121 वां श्री कृष्ण गोपाष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। इसकी तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गयी है। रांची गौशाला न्यास के मंत्री प्रदीप राजगढ़िया और गोपाष्टमी महोत्सव संयोजक राजेश चौधरी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि 30 अक्टूबर को दिन भर रांची गौशाला न्यास हरमू रोड में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम गणेश पूजन के साथ प्रातः 7:30 बजे शुरू होगी। दानदाताओं का सम्मान, संध्या 6:30 बजे से भजन और श्री कृष्ण रासलीला की जायेगी। गौ भक्तों की मांग और सुविधा को देखते हुये शहर में 11 विभिन्न स्थानों पर गौ पूजन की व्यवस्था की गयी है। उपरोक्त स्थानो में गौशाला की तरफ से गाय बछड़ा सहित गौ पूजन की सारी व्यवस्था रहेगी। इन स्थानों पर गौ पूजन प्रातः 7 से 10 बजे तक की जायेगी। गोपाष्टमी महोत्सव को सफल बनाने के लिए न्यासी अध्यक्ष और ट्रस्टी रतन जालान, सज्जन सर्राफ, सतीश तुलस्यान, राजेंद्र कुमार चौधरी, अध्यक्ष पुनीत कुमार पोद्दार, मंत्री प्रदीप राजगढ़िया, उपाध्यक्ष एसएन राजगढ़िया, काशी कनोई, सुरेश जैन, राजेंद्र बंसल, कोषाध्यक्ष दीपक कुमार पोद्दार, महोत्सव संयोजक राजेश चौधरी, अरुण बुधिया, मनीष लोधा, भरत बगड़िया, घनश्याम शर्मा, अमित चौधरी, कमल खेतावत, प्रकाश काबरा, आनंद पंसारी, हेमेंद्र सिंह, ओम प्रकाश लाल, सुशील केडिया, कुनाल जालान, विशाल सिंहानिया, विशांत तोदी, अनिल, प्रतीक मोर सहित समस्त सदस्य लगे हुए हैं। उक्त जानकारी प्रवक्ता मनीष लोधा ने दी।

श्रीगुरु नानक देवजी के प्रकाश पर्व पर पांचवें दिन निकली प्रभातफेरी

चलो चल रल मिल दर्शन करिए सतगुरु नानक आये ने...

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्रीगुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर मंगलवार को भी शहर के विभिन्न गुरुद्वारा साहिब से प्रभातफेरी निकाली गयी। इसमें बड़ी संख्या में सिख धर्मावलंबियों ने हिस्सा लिया। शबर गायन कर गुरु भक्ति में रमे रहे। चलो चल रल मिल दर्शन करिए सतगुरु नानक आये ने... जैसे शबद की मधुर स्वरलहरियों से प्रभातबेला गुंजायमान रहा। गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा की ओर से पांचवे दिन तड़के साढ़े पांच बजे प्रभातफेरी निकाली गयी। गुरुद्वारा साहिब के दर्शन दिउड़ी गेट से श्रद्धालु शबद गायन करते हुए झुम कर निकले। कृष्णा नगर कॉलोनी का भ्रमण कर सुबह आठ बजे वापस गुरुद्वारा साहिब लौटे। अरदास के साथ फेरी संपन्न हुई। सत्संग सभा की ओर से सभी के लिए चाय और नाश्ते का लंगर चलाया गया। फेरी के दौरान कीर्तन मंडली के सुंदर दास मिढ्ढा, जसपाल मुंजाल, इंदर मिढ्ढा, रमेश पपनेजा,बबली दुआ,गीता कटारिया, शीतल मुंजाल, इंदु पपनेजा, नीता मिढ्ढा, रेशमा गिरधर, मनजीत कौर,बबीता पपनेजा ने चलो चल रल मिल दर्शन करिये सतगुरु नानक आये ने ... जैसे शबद गायन कर साध संगत को गुरवाणी से जोड़ा। सरदार छोटू सिंह निशान साहब उठाकर अगुवाई कर रहे थे। मनीष मिढ़ा ने फेरी के दौरान घरों के सामने वाहेगुरु से अरदास कर सब के मंगल की कामनाएं की। जगह-जगह आतिशबाजी और पुष्प वर्षा कर प्रभातफेरी में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया।

प्रभातफेरी में थे शामिल

अर्जुन दास मिढ्ढा, नरेश पपनेजा, अशोक गेरा, मोहन काठपाल,जीवन मिढ्ढा,महेंद्र अरोड़ा, आशु मिढ्ढा,नवीन मिढ्ढा, रमेश तेहरी, रमेश गिरधर, राजेंद्र मक्कड़, हरीश तेहरी, भरत गाबा, पंकज मिढ़ा,बसंत काठपाल, हरविंदर सिंह, मनीष मल्होत्रा, गौरव मिढ्ढा,अमन डावरा,पियूष मिढ्ढा, उमेश मुंजाल,गुलशन मिढ्ढा, कमल मुंजाल, मनीष गिरधर,सूरज झंडई, रौनक ग्रोवर, जितेश बेदी, प्रकाश नागपाल,कशिश नागपाल, मोहित झंडई, घनश्याम मुंजाल, ज्ञान मादन पोतरा, हैप्पी अरोड़ा, वंश डावरा, रिकी मिढ्ढा, पीयूष थरेजा, राकेश गिरधर,जगदीश मिढ्ढा, दिलीप सिंह, राजन ,जसवंत चूचरा, कमलेश मिढ्ढा,चांद नागपाल, रवि नागपाल,खुशबू मिढ्ढा, हरजिंदर कौर,उषा पपनेजा, ममता थरेजा, बिमला मिढ्ढा,प्रेमी काठपाल, नीतू किंगर, उषा झंडई, निशा किंगर, रजनी कौर,गूंज काठपाल, सुषमा गिरधर, दुर्गा देवी मिढ्ढा ,राज काठपाल, रानी तलेजा, स्वीटी सिडाना, अमर मुंजाल, सुषमा गिरधर, रजनी तेहरी आदि ने इसमें मुख्य रूप से शामिल थे।

छठी मइया से देश और राज्य की खुशहाली का आशीर्वाद मांगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार को उदयाचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही संपन्न हो गया। छठ व्रतियों ने 36 घंटे का उपवास सूर्य को अर्घ्य देकर समाप्त किया। इस मौके पर समाजसेवी दयानंद प्रसाद सिंह ने छठी मइया से देश और राज्य की खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने राज्य वासियों और देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठ महापर्व सनातन धर्मावलंबियों के लिए आस्था का प्रतीक है। दयानंद प्रसाद सिंह ने कहा कि छठ पूजा की मान्यता ऐसी है कि दूसरे धर्म के लोग भी इस व्रत के तप को देखकर यह कहने पर मजबूर हो जाते हैं कि इससे बड़ा तप किसी धर्म में नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अगर साक्षात कोई देव धरती पर विराजमान है तो वह सूर्य देव हैं, जिनकी उपासना मात्र से सभी रोगों से मुक्ति मिल जाती है और जो भी मनोकामनाएं होती हैं, वह छठ माता के प्रभाव से पूर्ण हो जाती हैं। इस मौके पर उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे और सभी ने छठी मैया से अपनी मनोकामना पूर्ण होने का आशीर्वाद मांगा।

पूर्व तट रेलवे में विजिलेंस अवेयरनेस वीक 2025 पर सेमिनार 'सतर्कता-हमारी साझी जिम्मेदारी'

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। विजिलेंस अवेयरनेस वीक 2025 मनाने के हिस्से के तौर पर, पूर्व तट रेलवे के विजिलेंस विभाग ने पूर्व तट रेलवे मुख्यालय भुवनेश्वर में 'सतर्कताः हमारी साझी ज़िम्मेदारी' थीम पर एक सेमिनार आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल के साथ-साथ एडिशनल जनरल मैनेजर, सीनियर डिप्ट प्रिंसिपल हेड ऑफ डिपार्टमेंट्स और दूसरे सीनियर अधिकारी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, विभागों के प्रधान प्रमुख और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मुख्य भाषण जुगल किशोर महापात्र आइएएस (सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य सचिव, ओड़िशा सरकार और पूर्व सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिया गया। उन्होंने लोक सेवा में निरंतर सतर्कता, पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और एक नैतिक कार्य संस्कृति के निर्माण में व्यक्तियों की सामूहिक भूमिका पर जोर दिया। इस सेमिनार का लक्ष्य निवारक सतर्कता और नैतिक शासन पर जागरूकता फैलाना था, इस बात पर जोर देते हुए कि सतर्कता केवल नियंत्रण के बारे में नहीं है, बल्कि संगठन के भीतर एक साझा मूल्य के रूप में ईमानदारी विकसित करना है। यह कार्यक्रम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में ईमानदारी, पारदर्शिता और सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए पूर्व तट रेलवे में आयोजित सप्ताह भर चलने वाली गतिविधियों का एक प्रमुख हिस्सा है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चक्रवात 'मोंथा' के लिए रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को आसन्न चक्रवात 'मोंथा' के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस समीक्षा बैठक में पूर्व तटीय के किनारे रेलवे नेटवर्क की तैयारियों का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। केंद्रीय मंत्री ने यात्री सुरक्षा, रेल विनियमन, बहाली योजना और स्थानीय प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन एजेंसियों के साथ समन्वय हेतु किये जा रहे उपायों की समीक्षा की। उन्होंने रेलवे अधिकारियों को चक्रवात के प्रभाव, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओड़िशा और तेलंगाना में पूर्वी तट के किनारे, की आशंका में सभी आवश्यक सावधानियां बरतने का निर्देश दिया। निर्बाध संचार और आपदा प्रतिक्रिया टीमों की समय पर तैनाती की आवश्यकता पर बल देते हुए केंद्रीय मंत्री ने सभी रेलवे जोनों को हाई अलर्ट पर रहने और चक्रवात के बाद रेल सेवाओं की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। भारतीय रेलवे ने आसन्न चक्रवात 'मोंथा' की वास्तविक समय में समन्वय और प्रतिक्रिया के लिए मंडलीय 'वार रूम' सक्रिय कर दिये हैं। आवश्यक सामग्री, मशीनरी और मानव संसाधन को तैयार रखा गया है विशेष रूप से विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और गुंटूर मंडलों में तैयार रखा गया है। यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए रेल परिचालन की निरंतर निगरानी की जा रही है। पूर्व तटीय रेलवे, दक्षिण तटीय रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे जोनों को आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए संसाधन जुटाने और सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरतने का निर्देश दिया गया है। पूर्व तटीय रेलवे के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल ने प्रधान विभागाध्यक्षों और मंडलीय रेल प्रबंधकों के साथ माननीय मंत्री महोदय को संवेदनशील क्षेत्रों, विशेषकर वाल्टेयर और खुर्दा रोड मंडलों में पहले से ही शुरू किये गये एहतियाती उपायों के बारे में जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री ने निर्बाध संचार और आपदा प्रतिक्रिया टीमों की समय पर तैनाती पर जोर दिया

सभी रेलवे जोनों को हाइअलर्ट पर रहने और शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने का निर्देश

जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले में संतोष मस्ताना को सीआइडी ने किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय (जेएसएससी-सीजीएल) परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआइडी) ने एक और बड़ी गिरफ्तारी की है। सूत्रों के अनुसार, वित्त विभाग के प्रशाखा पदाधिकारी संतोष मस्ताना को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में कथित तौर पर प्रश्न पत्र लीक होने और अभ्यर्थियों से धोखाधड़ी कर पैसे वसूलने का मामला सामने आया था। इस संबंध में सीआइडी ने जांच शुरू की थी और एक के बाद एक कई गिरफ्तारियां हुई हैं, जिनमें पुलिसकर्मी और गिरोह के सरगना भी शामिल हैं। गिरफ्तार प्रशाखा पदाधिकारी संतोष मस्ताना पर इस पेपर लीक/धोखाधड़ी के रैकेट में शामिल होने के आरोप लगे हैं। हालांकि, उनकी गिरफ्तारी की विस्तृत जानकारी और उन पर लगे सटीक आरोप अभी सीआइडी द्वारा औपचारिक रूप से साझा नहीं किये गये हैं।

जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले में सीआइडी की कार्रवाई पर साधा निशाना

किंगपिन को बचा रही सरकार: बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले में सीआइडी की कार्रवाई पर बड़ा निशाना साधा। मरांडी ने कहा कि सूचना मिली है कि जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक प्रकरण में संतोष कुमार मस्ताना (प्रशाखा पदाधिकारी सचिवालय सेवा) जिन्होंने मुखरता से आवाज उठाया साथ ही साथ पेपर लीक का सबूत भी दिया, उन्हें सीआइडी ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही साथ इस केस में जो शिक्षक इस पेपर लीक की लड़ाई को सड़क से लेकर कोर्ट तक लड़ रहे हैं उन्हें

भी सीआइडी द्वारा बार-बार नोटिस दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें ज्ञात हुआ है कि सीआइडी इस पेपर लीक केस में सारे तथ्यों और सबूतों को मिटा रही है। साथ ही साथ गवाहों को डरा धमका के उनके बयान को बदला जा रहा है। उन्होंने कहा कि आखिर ऐसी कौन सी बात है जो सीआइडी सारे तथ्यों को सरकार के इशारे पर तोड़ मरोड़ के पेश कर रही है और गवाहों के बयान को डरा धमका के सीआइडी द्वारा बदला जा रहा है। मरांडी ने कहा कि बुधवार को केस की हाइकोर्ट में सुनवाई है और मंगलवार को गिरफ्तार करना ये समझ से परे है। शुरूआत में आयोग ने कहा कि सारे सबूत से छेड़ छाड़ किया है उसके बाद एफएसएल रिपोर्ट से स्पष्ट है कि किसी भी मोबाइल में किसी प्रकार की कोई छेड़छाड़ नहीं है। छात्रों ने नेपाल में पेपर लीक का कनेक्शन बताया बाद में सीआइडी ने स्वयं स्वीकार किया कि नेपाल 28 लोग गये थे और उसमें से बहुत सारे छात्र पास भी किये। उन्होंने कहा कि सबूत के तौर पर दिये गये मोबाइल में मिले अधिकतर प्रश्नों के उत्तर का मिलान भी सही पाया गया पर अब सीआइडी कोर्ट में इसे महज गेस क्वेश्चन साबित करने कर तुली है। हर तथ्य को शुरू से तोड़ मरोड़कर पेश किया जा रहा है। शुरूआत से ही इस से स्पष्ट है कि इस पेपर लीक प्रकरण में किंगपिन को बचाकर सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को गिरफ्तार कर उनकी आवाज को दबाना चाहती है।

बाबूलाल मरांडी का बयान पुलिस/सीआइडी की कार्रवाई पर अनुचित दबाव का प्रयासः तनुज खत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बाबूलाल मरांडी द्वारा सीआइडी की जांच प्रक्रिया में बयान को दबाव बनाने की कोशिश बताया। झामुमो के केंद्रीय सदस्य डॉ तनुज खत्री ने कहा कि राज्य की पुलिस और प्रशासन साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर कार्यवाही करते हैं, यदि तथाकथित रूप से किसी ने सबूत प्रस्तुत किये हैं, तो पुलिस का

दायित्व है कि वह उससे पूछताछ करे। इसमें बाबूलाल मरांडी का हस्तक्षेप यह स्पष्ट संकेत देता है कि पेपर लीक का पूरा प्रकरण भाजपा द्वारा प्रायोजित था, जिसका उद्देश्य हेमंत सोरेन सरकार को बदनाम करना और झारखंड के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करना है। भाजपा और बाबूलाल मरांडी नहीं चाहते कि झारखंड के युवाओं को रोजगार मिले। झारखंड की युवा शक्ति को गुमराह कर, वे राजनीतिक रोटियां सेंकने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही यह याद दिलाना आवश्यक है कि बाबूलाल मरांडी अपने कार्यकाल के जेपीएससी घोटालों को भूल चुके हैं जब भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा हुई थी। उस समय जेपीएससी के अध्यक्ष से लेकर कई अधिकारी जेल भेजे गये थे और आज भी कई मामलों की सीबीआइ जांच लंबित है। झारखंड मुक्ति मोर्चा मौजूदा सरकार पारदर्शिता और न्याय के साथ युवाओं के हित में काम कर रही है, और किसी भी तरह की राजनीतिक साजिश या दबाव झारखंड की न्याय प्रणाली को प्रभावित नहीं कर सकता।

राज हॉस्पिटल में चला ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस कार्यक्रम

रांची (आजाद सिपाही)। राज हॉस्पिटल्स की ओर से ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसका नेतृत्य कर रही कंसल्टेंट ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ आनामिका कुमारी ने कहा कि स्तन कैंसर के प्रारंभिक पहचान, समय

पर निदान और प्रभावी उपचार के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। मौके पर जागरूकता व्याख्यान, शैक्षणिक प्रस्तुति और निःशुल्क परामर्श सत्र भी चला। इसमें लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने अनुभव साझा करते हुए समाज में ब्रेस्ट कैंसर को लेकर जागरूकता फैलाने का संकल्प दुहराया। डॉ आनामिका कुमारी ने बताया कि समय पर पहचान ही जीवन बचाने की कुंजी है। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अस्पताल ने महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। कहा कि वह भविष्य में भी ऐसे जागरूकता अभियानों, स्क्रीनिंग और उन्नत ऑन्कोलॉजी सेवाओं के माध्यम से समाज की सेवा अस्पताल करता रहेगा। राज हॉस्पिटल्स झारखंड का एक प्रमुख मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल है, जो करुणा और समर्पण के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए जाना जाता है। अस्पताल का ऑन्कोलॉजी विभाग अनुभवी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अत्याधुनिक निदान और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

रांची रेल मंडल में चला सतर्कता जागरूकता सप्ताह

रांची (आजाद सिपाही)। संपूर्ण भारतीय रेल में दिनांक 27 अक्टूबर से विशेष सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम चल रहा है। इसके तहत मंगलवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय प्रांगण में खास

कार्यक्रम हुए। साथ ही सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर संगोष्ठी भी हुई, जिसमें भ्रष्टाचार के प्रतिकूल प्रभावों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। मंडल रेल प्रबंधक करुणा निधि सिंह ने मौके पर अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ भी दिलायी। कहा कि देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है। भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार, नागरिक और निजी क्षेत्र को एक साथ मिलकर कार्य करने की जरुरत है। भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की सूचना उचित एजेंसी को दूंगा। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी है। अपर मंडल रेल प्रबंधक हेमराज मीना, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ राजू तिर्की, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शुचि सिंह, वरिष्ठ मंडल सामाग्री प्रबंधक सुधीर कुमार आदि मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित थे। मंडल रेल प्रबंधक करुणा निधि सिंह ने बताया कि दो नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह चलेगा। इसके आलोक में रांची रेल मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों का आयोजन जायेगा।

तालचेर, तालचेर रोड, अंगुल और मेरामंडली रेलवे स्टेशनों पर अमृत संवाद का आयोजन

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। 'स्वच्छता विशेष अभियान 5.0' के अंतर्गत चल रहे अमृत संवाद पहल के अंतर्गत, पूर्वी तट रेलवे के खुर्दा रोड मंडल ने तालचेर, तालचेर रोड, अंगुल और मेरामंडली रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के साथ संवाद सत्र आयोजित किये। इस संवाद के दौरान, रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से स्टेशन की सुविधाओं, स्वच्छता, समय की पाबंदी, खानपान, सुरक्षा और अन्य यात्री-केंद्रित सेवाओं पर प्रतिक्रिया प्राप्त की। यात्रियों को आधुनिक और कुशल रेल नेटवर्क के निर्माण की दिशा में भारतीय रेलवे द्वारा किये जा रहे विभिन्न विकास परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार के बारे में भी अवगत कराया गया। वाणिज्यिक विभागों के अधिकारियों ने इन सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया और समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए यात्रियों द्वारा दिये गये बहुमूल्य सुझावों पर ध्यान दिया। इस पहल का उद्देश्य निरंतर संचार और जवाबदेही के माध्यम से रेलवे और यात्रियों के बीच संबंधों को मजबूत करना है। सहभागी शासन को बढ़ावा देने और रेल उपयोगकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के लिए खुर्दा रोड मंडल के अंतर्गत सभी प्रमुख स्टेशनों पर अमृत संवाद आयोजित किया जा रहा है।

खुर्दा रोड में मंडल सांस्कृतिक महोत्सव-2025 का आयोजन

खुर्दा रोड (आजाद सिपाही)। पूर्वी तट रेलवे के खुर्दा रोड मंडल ने हाल ही में खुर्दा रोड स्थित रेलवे कल्याण मंडप में मंडल सांस्कृतिक महोत्सव-2025 का आयोजन किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गयी और रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों की जीवंत सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ। मंडल क्षेत्राधिकार के विभिन्न भागों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिनमें गायन शास्त्रीय (एकल), गायन प्रकाश (एकल), वाद्य शास्त्रीय (एकल), वाद्य प्रकाश (एकल), नृत्य (एकल), समूह नृत्य, नाटक और फैंसी ड्रेस शामिल थीं। इसके अलावा, रंगोली, मेहंदी, सलाद सजावट और पाक कला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों की रचनात्मकता और कलात्मकता को उजागर किया गया। इस अवसर पर, अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं मंडल सांस्कृतिक संघ, खुर्दा रोड के अध्यक्ष, शुभ्रज्योति मंडल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों और युवाओं, विशेषकर रेलवे परिवार के बच्चों की अंतर्निहित प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए एक अद्भुत मंच प्रदान करते हैं। श्री मंडल ने विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार भी वितरित किये। कार्यक्रम का संचालन खुर्दा रोड मंडल के वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी एवं सांस्कृतिक संघ के महासचिव आरएनए परिदा ने किया।

लखोरिया गांव में नाट्य मंचन का शुभारंभ

रांची (आजाद सिपाही)। जरमुंडी विधानसभा के विधायक देवेंद्र कुंवर की पुत्री मीनू व विधायक प्रतिनिधि मिथलेश कुमार ने लखोरिया गांव में छठ पूजा के अवसर पर आयोजित नाट्य मंचन कफन की कसम का शुभारंभ फीता काटकर किया। साथ ही मीनू ने कहा कि आज के इस आधुनिक युग में गांव में इस तरह के आयोजन से काफी अच्छा लगा। इस तरह की विलुप्त होती परंपरा को जीवंत करना बहुत ही सराहनीय कार्य है, वहीं विधायक प्रतिनिधि मिथलेश कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन से गांव समाज के युवा को आगे बढ़ने में सहयोग मिलता है और आपसी प्रेम भी बढ़ता है, दोनों ने इस तरह के आयोजन की काफी सराहना की। मौके पर आयोजन कर्ता संजय प्रसाद, बिपिन चंद्र राय, मिथलेश राय, शिक्षक राजेश नारायण राय, चंद्रकांन झा, नंदन राय, राजा साह, रमन पांडे, धनंजय झा, त्रिलोकी नाथ देव, नवीन राय, प्रवीण कुमार, सपन पांडेय, कपिल राय, जगदीश साह, ललित झा, कौशल झा, राजेश साह, अनिल राय, समेत कई लोगों ने मीनू देवी व मिथलेश कुमार को स्वागत किया।

वेदांता एल्युमीनियम मार्शल आर्ट्स कलर बेल्ट प्रमोशन परीक्षा से युवाओं को सशक्त बनाता है

आजाद सिपाही संवाददाता

झारसुगुड़ा, ओडिशा । भारत के सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादक, वेदांता एल्युमीनियम ने हाल ही में झारसुगुड़ा स्थित वेदांता मार्शल आर्ट्स सेंटर में मार्शल आर्ट्स कलर बेल्ट प्रमोशन परीक्षा का आयोजन किया, जो स्थानीय समुदायों के बच्चों और युवाओं को सशक्त बनाने के उनके मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। यह पहल, जो वेदांता के युवा विकास और कौशल निर्माण कार्यक्रमों का एक प्रमुख हिस्सा है, जमीनी स्तर पर खेलों और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इस परीक्षा में 130 युवा मार्शल आर्टिस्ट शामिल हुए, जिन्होंने शारीरिक फिटनेस, तकनीक, एकाग्रता और उत्साह का

आकलन करने वाले कठोर प्रदर्शन परीक्षणों की एक श्रृंखला के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन किया। परिणामस्वरूप, 108 छात्रों को अगले रंग की बेल्ट में पदोन्नति मिली, जो उनकी मार्शल आर्ट यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया, जिनमें राष्ट्रीय कराटे महासंघ (एनकेएफ) के सचिव बिवालोचन भोई, जिला विकलांग विद्यालय के संस्थापक विवेकानंद मिश्रा, विकास टेक्नो स्कूल के प्रधानाध्यापक निबोदितो पाणि शामिल थे। यह बेल्ट प्रमोशन परीक्षा के मुख्य परीक्षक एल. नागेश्वर राव की विशेषज्ञ देखरेख में आयोजित किया गया था। इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, वेदांता झारसुगुड़ा के सीइओ सी चंद्रू ने कहा, 'वेदांता एल्युमीनियम में, हमारा मानना है कि सच्चा सशक्तिकरण युवाओं को जीवन में अपनी प्रगति के लिए आवश्यक कौशल और उपकरणों से लैस करने में निहित है। मुख्य प्रशिक्षक और परीक्षक, एल. नागेश्वर राव ने प्रतिभागियों की प्रतिबद्धता की सराहना की।

स्वारा के सर्वेक्षण से पता चलता है कि 81% स्थानीय लोग बॉक्साइट खनन को कालाहांडी की प्रगति का मार्ग मानते हैं

सर्वेक्षण के आंकड़े : कालाहांडी का विकास घाटा संसाधनों की कमी के कारण नहीं, बल्कि कार्यान्वयन की कमी के कारण है

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर । एक दिलचस्प तथ्य यह है कि 81% कालाहांडी निवासियों का कहना है कि बॉक्साइट खनन शुरू करने से रोजगार, बुनियादी ढांचा और लंबे समय से प्रतीक्षित समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। यह जानकारी गैर-सरकारी संगठन स्वारा (ग्रामीण क्षेत्रों में समाज कल्याण और महिला एवं बाल विकास - एक जमीनी सामुदायिक विकास संगठन) द्वारा किये गये एक नये सामुदायिक सर्वेक्षण से मिली है। कालाहांडी विकास और खनन पर बोलता है शीर्षक वाली यह रिपोर्ट भारत के सबसे वंचित क्षेत्रों में से

एक की तत्काल मांग को उजागर करती है, जो प्रगति को औद्योगिक विकास और बॉक्साइट खदानों के खुलने से जोड़ती है। नांगलबेड़ा, चंपादेईपुर, प्रतापपुर, गोलंगबंधा, बटेलीमा आदि 12 गांवों के 600 लोगों को शामिल करते हुए किये गये इस सर्वेक्षण में पाया गया कि 80% युवा स्थिर रोजगार के लिए खनन का समर्थन करते हैं, जबकि 60% लोग रोजगार और आजीविका के स्रोत के रूप में खनन का पुरजोर समर्थन करते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि 80% लोगों ने इस बात पर सहमति जताई कि खनन से स्थानीय स्तर पर स्थिर रोजगार पैदा होंगे, खासकर युवाओं द्वारा इसकी सराहना की जाती है और आधे से ज्यादा उत्तरदाताओं ने खनन परियोजनाओं के लिए तत्काल सरकारी मंजूरी की इच्छा जतायी। इस सर्वेक्षण से एक बात स्पष्ट होती है कि कालाहांडी के लोग बदलाव के लिए तैयार हैं और उनका मानना है कि बॉक्साइट खनन ही इसकी कुंजी है। यह सर्वेक्षण कालाहांडी की सांसद मालविका देवी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वे सर्वेक्षण के निष्कर्षों से बहुत खुश हुईं । इस सर्वेक्षण ने किसानों, छात्रों, दिहाड़ी मजदूरों, गृहिणियों, बेरोजगार युवाओं और सरकारी कर्मचारियों की आकांक्षाओं को सामने लाया। इससे यह भी पता चला कि लोगों में रोजगार के अवसरों, बेहतर बुनियादी ढांचे तक पहुंच और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से सशक्तिकरण के प्रति गहरी भावनाएं हैं। स्वारा सचिव, ज्योति दास ने सर्वेक्षण पर टिप्पणी करते हुए कहा, यह सर्वेक्षण कालाहांडी की धड़कन को दर्शाता है। लोग सहायता नहीं, बल्कि अपने भविष्य को आकार देने का अवसर मांग रहे हैं।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

मंडल रेल प्रबंधक/इंजी./ चक्रधरपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से कार्य करते हुए खुली निविदा के विरुद्ध ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **निविदा सूचना सं.: सीकेपी-ईस्ट-25-26-37; कार्य का नाम :** एसएसई (पी. वे)/टाटा के अधीन 30.09.2027 तक की अवधि के लिए ट्रैक रखरखाव कार्य का निष्पादन (दूसरी कॉल); **निविदा मूल्य:** ₹ 1,43,55,000.00; **बयाना राशि:** ₹ 2,21,800.00; **निविदा प्रपत्र की लागत:** ₹ 0.00; **खुलने की तिथि** 17.11.2025। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। निविदा वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदाकर्ता/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और आईआरईपीएस पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकर्ता/बोलीदाता ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेते समय सभी प्रासंगिक कागजात अपलोड किए जाने चाहिए। **नोटः-** ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदाकर्ताओं को निःशुल्क जारी किए जाएँगे। **(प्राधिकरण रेलवे बोर्ड का पत्र सं.2020/सीई-I/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी दिनांकित 16.07.2020)।** (PR-774)

एसआइआर की दूसरी परीक्षा

चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआइआर के दूसरे चरण का ऐलान कर दिया है। इस बार राज्य ज्यादा हैं - 12, तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी।

चुनावी राज्य : मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआइआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाये और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल असेंबली इलेक्शन है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया।

ज्यादा समय : इस बार आयोग ने रक्फ़के लिए खुद को अधिक वक्त दिया है। बिहार में सबसे बड़ा सवाल जल्दबाजी को लेकर ही उठा था। राज्य में जून के आखिर में वोटर पुनरीक्षण अभियान की घोषणा की गयी थी, जबकि पता था कि अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस हड़बड़ी का असर पूरी प्रक्रिया के दौरान दिखा, खास कर डॉक्युमेंट्स को लेकर जनता ही नहीं, चुनाव कर्मियों में भी गफलत की स्थिति रही। सरकारी कार्यालयों में भीड़ उमड़ने से जैसी अफरा-तफरी देखने को मिली, वैसा नहीं होना चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआइआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाये और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो।

आधार पर स्पष्टता : आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआइआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है।

प्रक्रिया सरल बने : एसआइआर को 21 साल बाद अंजाम दिया जा रहा है। वोटर लिस्ट में समय-समय पर सुधार जरूरी है और इस प्रक्रिया के औचित्य पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन इसे अंजाम देने के तरीके पर जरूर ध्यान देना चाहिए। एसआइआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे।

अभिमत
आजाद सिपाही

बुजुर्गों के समर्थन के दृष्टिकोण में परिवार और समुदाय द्वारा संचालित पहलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, साथ ही वित्तीय सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण, दीर्घकालिक देखभाल बीमा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, सहायक तकनीकें और जुड़ाव प्लेटफॉर्म सुनिश्चित करने चाहिए। ये तत्व भारत की उभरती 'सिल्वर इकोनॉमी' में बुजुर्गों को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। वृद्धजनों, विशेष रूप से 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन की गयी वस्तुओं और सेवाओं द्वारा संचालित अर्थव्यवस्था।

जनसंख्या, चुनौतियां और सरकारी पहल

पीआइबी

भारत तेजी से जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और अनुमान है कि वृद्ध जनसंख्या (60 वर्ष और उससे अधिक) 2011 के 10 करोड़ से बढ़ कर 2036 तक दोगुने से भी ज्यादा यानी 23 करोड़ हो जायेगी। यह परिवर्तन दर्शाता है कि 2036 तक, लगभग हर सात में से एक भारतीय 60 वर्ष या उससे अधिक आयु का होगा, जो देश की जनसंख्या में एक बुनियादी बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। इस परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, भारत ने घटती प्रजनन क्षमता और बढ़ती जीवन प्रत्याशा दरों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कई नीतियां, कार्यक्रम और कानूनी प्रावधान अपनाये हैं। बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सेवा ने भारत में लोगों को लंबी उम्र जीने में मदद की है, लेकिन इससे बिना अमीर हुए भी बुढ़ापे में नयी चुनौतियां और अवसर भी सामने आते हैं। सरकार को खास कर आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों और विधवाओं के लिए पेंशन, पर्याप्त आवास और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को प्राथमिकता देनी चाहिए।

बुजुर्गों के समर्थन के दृष्टिकोण में परिवार और समुदाय द्वारा संचालित पहलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, साथ ही वित्तीय सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण, दीर्घकालिक देखभाल बीमा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, सहायक तकनीकें और जुड़ाव प्लेटफॉर्म सुनिश्चित करने चाहिए। ये तत्व भारत की उभरती 'सिल्वर इकोनॉमी' में बुजुर्गों को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। वृद्धजनों, विशेष रूप से 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई वस्तुओं और सेवाओं द्वारा संचालित अर्थव्यवस्था। यह ऐसे कार्य अवसर भी प्रदान करती है, जो वृद्धजनों को विभिन्न क्षेत्रों में अपने अनुभव और विशेषज्ञता का योगदान करने में सक्षम बनाते हैं। यह जानने के लिए कि वृद्ध लोगों की जनसंख्या कैसे बदल रही है और भविष्य के लिए क्या अनुमान है, जुलाई 2020 में जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह द्वारा भारत और राज्यों के लिए एक जनसंख्या अनुमान रिपोर्ट तैयार की गयी थी। रिपोर्ट के अनुसार भारत की वृद्ध जनसंख्या 2036 तक 23 करोड़ तक पहुंच जायेगी, जो व्यापक प्रभावों वाले एक गहन सामाजिक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। हमारे देश में वृद्ध जनसंख्या में उल्लेखनीय क्षेत्रीय असमानताएं हैं और यह जनसांख्यिकीय परिवर्तन पूरे देश में एक समान नहीं है।

केरल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों में पहले से ही विकसित देशों के समान वृद्ध लोगों की संख्या अधिक है।

केरल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों में पहले से ही विकसित देशों के समान वृद्ध लोगों की संख्या अधिक है। केरल में वृद्ध जनसंख्या 2011 के 13% से बढ़ कर 2036 तक 23% हो जाने की उम्मीद है, जिससे यह सबसे वृद्ध आबादी वाला राज्य बन जायेगा। इसके विपरीत, कई उत्तरी और पूर्वी राज्यों में अभी वृद्ध लोगों की संख्या कम है, लेकिन उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या अपेक्षाकृत युवा है, तथा अनुमान है कि वृद्ध वर्ग 2011 के 7% से बढ़ कर 2036 तक 12% हो जाएगा। दक्षिणी राज्यों, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में वृद्ध जनसंख्या औसत से अधिक है, जो भारत के विविध जनसांख्यिकीय परिदृश्य को उजागर करता है। भारत का अनुदैर्ध्य वृद्धावस्था अध्ययन 2021 एक पूर्ण पैमाने का राष्ट्रीय सर्वेक्षण और भारत में वृद्ध जनसंख्या की स्थिति पर एक मौलिक अध्ययन है। यह अध्ययन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में किया गया है और यह दुनिया का सबसे बड़ा अध्ययन है। रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत की 12% आबादी बुजुर्गों की है, यह अनुपात 2050 तक बढ़कर 319 मिलियन होने का अनुमान है, जो लगभग 3% की वार्षिक दर से बढ़ रहा है। बुजुर्गों में लिंगानुपात प्रति 1,000 पुरुषों पर 1,065 महिलाओं का है, जिसमें महिलाएं बुजुर्ग आबादी का 58% हिस्सा हैं, जिनमें से 54% विधवाएं हैं। इसके अलावा, समग्र निर्भरता अनुपात प्रति 100 कामकाजी आयु के व्यक्तियों पर 62 आश्रितों का है!

भारत में वृद्धजनों के लिए सरकारी पहल : भारत सरकार ने वृद्धजनों के समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अनेक पहल, नीतियां और कार्य योजनाएं शुरू की हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी वाला नोडल मंत्रालय है। वित्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष सहित विभिन्न संबंधित मंत्रालयों के साथ-साथ राज्य सरकारों, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर काम करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने देश भर में वृद्धजनों की सहायता के उद्देश्य से नीतियों और कार्यक्रमों के व्यापक विकास का नेतृत्व किया है। सरकार वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, कल्याण, सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहलों को लागू कर रही है।

अटल पेंशन योजना (एपीवाइ) : अटल पेंशन योजना (एपीवाइ) भारत सरकार की एक प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका संचालन पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा किया जाता है। इसका उद्देश्य भारतीयों, विशेषकर गरीबों और वंचितों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। 9 मई, 2015 को प्रारंभ की गयी यह योजना 18-40 वर्ष की आयु के उन नागरिकों के लिए है जिनके पास बचत बैंक खाता है (1 अक्टूबर 2022 से आयकरदाताओं को छोड़ कर)। यह योजना ग्राहक के 60 वर्ष का हो जाने पर न्यूनतम 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की मासिक पेंशन की गारंटी देती है, ग्राहक की मृत्यु के बाद उतनी ही राशि उसके जीवनसाथी को देय होगी और दोनों के निधन के बाद संचित पेंशन राशि नामित व्यक्ति को दी जायेगी। 60 वर्ष की आयु तक मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक अंतराल पर ऑटो-डेबिट के माध्यम से योगदान किया जाता है और यदि गारंटीकृत पेंशन के लिए रिटर्न अपर्याप्त है, तो कमी सरकार द्वारा पूरी की जाती है। अटल पेंशन योजना में नामांकन मार्च 2019 में 1.54 करोड़ से बढ़ कर 5 अक्टूबर, 2025 तक 8.27 करोड़ हो गया। प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 49,000 करोड़ रुपये से अधिक हैं।

अटल वयो अभ्युदय योजना : सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत अटल वयो अभ्युदय योजना (अव्यय) भारत भर के वरिष्ठ नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए एक व्यापक पहल है। यह योजना समाज में वृद्धजनों के अमूल्य योगदान को मान्यता देती है और उनके समग्र कल्याण एवं सामाजिक समावेशन को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, सरकार जीवन के सभी पहलुओं में वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और समावेशन को सुगम बनाकर, उन्हें सशक्त और उन्नत बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है, जिससे राष्ट्र के प्रति उनकी आजीवन सेवा का सम्मान होता है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत कार्यक्रम (आईपीएसआरसी) योजना : वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत कार्यक्रम (आईपीएसआरसी) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जो पंजीकृत सोसायटियों, पंचायती राज संस्थानों, गैर-सरकारी/स्वैच्छिक संगठनों और नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) जैसे मान्यता प्राप्त युवा संगठनों के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों सहित कार्यान्वयन एजेंसियों को वरिष्ठ नागरिक गृहों (वृद्धाश्रमों), सतत देखभाल गृहों, मोबाइल मेडिकेयर इकाइयों, फिजियोथेरेपी क्लीनिकों और क्षेत्रीय संसाधन और प्रशिक्षण केंद्रों के संचालन और रखरखाव के लिए अनुदान सहायता प्रदान करती है। अगस्त 2025 तक, देश भर में 696 वरिष्ठ नागरिक गृह कार्य कर रहे हैं, जो 29 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कवर करते हैं, जो गरीब वरिष्ठ नागरिकों को आश्रय, पोषण, चिकित्सा देखभाल और मनोरंजन सहित मुफ्त सुविधाएं देते हैं।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना (आरवीवाइ) : 1 अप्रैल, 2017 को शुरू की गई राष्ट्रीय वयोश्री योजना, आयु-संबंधी विकलांगताओं से पीड़ित वरिष्ठ नागरिकों को सहायक जीवन-यापन उपकरण प्रदान करती है। ये उपकरण, जिनमें चलने की छड़ियां, कोहनी की बैसाखी, वॉकर, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर और डेन्चर शामिल हैं, लगभग सामान्य शारीरिक क्रियाओं को बहाल करने में मदद करते हैं। इन उपकरणों का निर्माण सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू), कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा किया जाता है। यह योजना गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों या 15,000 रुपये से कम मासिक आय वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए है। ये उपकरण शिविरों के माध्यम से वितरित किए जाते हैं और 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए, ये उपकरण उनके घर पर पहुंचाए जा सकते हैं।

कोल्हान की खबरें

सारंडा जंगल में आइइडी विस्फोट से 10 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत

मनोहरपुर (आजाद सिपाही)। नक्सल प्रभावित सारंडा जंगल में मंगलवार सुबह एक बार फिर विस्फोट से दहल उठा। जराईकेला थाना क्षेत्र के दीघा गांव के पास आइइडी विस्फोट में 10 वर्षीय बच्ची सिरिया हेरेंज की मौके पर ही मौत हो गयी। सिरिया अपने साथियों के साथ हिंदकुड़ी जंगल में साल पत्ता चुनने गयी थी, तभी जमीन में दबे आइइडी में विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था बच्ची की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर जराईकेला पुलिस और सीआरपीएफ जवान घटनास्थल पर पहुंचे और शव को बरामद कर लिया। प्रशासन ने ग्रामीणों से जंगल क्षेत्र में सतर्क रहने की अपील की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक नक्सलियों ने सुरक्षा बलों की आवाजाही रोकने के लिए क्षेत्र में कई जगह आइइडी बिछा रखे हैं, जिनकी चपेट में ग्रामीण और वन्यजीव आ रहे हैं। हाल के दिनों में आइइडी की चपेट में आने से तीन हाथियों की भी मौत हो चुकी है। सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया।

नदी में बह रहे युवक को गोताखोरों ने बचाया भाजपा नेता निरंजन मिश्रा ने अस्पताल पहुंचाया

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। छठ पूजा के दौरान बागबेड़ा छठ घाट पर सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया। नया टोला निवासी आशीष कुमार अर्घ्य के दौरान तेज बहाव में फंसकर नदी पार कुलुपटांगा घाट की ओर बहने लगा, लेकिन मौके पर मौजूद स्थानीय गोताखोर वीरेंद्र और उनकी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।घायल युवक को भाजपा नेता सह सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन मिश्रा ने अपने निजी वाहन से टीएमएच पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की तत्परता से उसकी जान बचाई जा सकी। फिलहाल युवक की स्थिति पूरी तरह स्थिर बताई जा रही है।बचाव अभियान में संतोष चौबे, आशीष झा और अशोक चौधरी की भी सराहनीय भूमिका रही।

गुवा रेलवे साइडिंग में मालगाड़ी बेपटरी मजदूर संगठन ने सीबीआइ जांच की मांग

गुवा (आजाद सिपाही)। सेल गुवा अयस्क खान के रेलवे साइडिंग में बीते रात एक मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतर गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।हालांकि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन डिब्बे को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद रेलवे कर्मी और अधिकारी मौके पर पहुंचे और देर रात तक मरम्मत कार्य जारी रहा। वही गुवा अयस्क खान सेल के अधिकारी सीबी कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस बीच झारखंड मजदूर संघर्ष संघ के केंद्रीय अध्यक्ष रामा पांडेय ने केंद्र सरकार से घटना की सीबीआई जांच कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया साइडिंग क्षेत्र में बार-बार हो रही दुर्घटनाओं के पीछे भ्रष्टाचार और लापरवाही जिम्मेदार है। रामा पांडेय ने चेतावनी दी यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गयी, तो संगठन आंदोलन करेगा।

सोमेश सोरेन ने अर्घ्य अर्पित किया

घाटशिला (आजाद सिपाही)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के चौथे दिन झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन ने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर ऊषा अर्घ्य अर्पित किया। अर्घ्य अर्पित करने के बाद सोमेश सोरेन ने श्रद्धालुओं से प्रसाद ग्रहण किया और जनआशीर्वाद लिया। मौके पर कांग्रेस नेता सनत कुमार चक्रवर्ती, गौरांग माहाली, सुखलाल हांसदा, सुशील मार्डी, सौरभ बोस, अंकुर कवाड़ी मौजूद रहे।

सूर्यधाम सिदगोड़ा में उमड़ा आस्था का सैलाब, रघुवर दास ने दिया अर्घ्य

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा पर रविवार को सिदगोड़ा स्थित सूर्यधाम छठ घाट तालाब में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह सूर्य मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास ने अपनी धर्मपत्नी रुक्मिणी देवी, पुत्र ललित दास और पुत्रवधू भाजपा विधायक पूर्णिमा साहू के साथ सपरिवार भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया और प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

रघुवर दास ने कहा कि छठ महापर्व नारी शक्ति के तप, त्याग और श्रद्धा का प्रतीक है। यह पर्व हमें अनुशासन, पवित्रता और समर्पण का संदेश देता है और समाज में एकता एवं सद्भाव का भाव जगाता है। उन्होंने सूर्य मंदिर समिति द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की।

बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन (इंटक) ने नये सीजीएम चंद्रभूषण कुमार का किया स्वागत

गुवा (आजाद सिपाही)। बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन (इंटक) की ओर से उपाध्यक्ष दिलबाग सिंह के नेतृत्व में नवपदस्थापित सीजीएम चंद्रभूषण कुमार को बधाई दी गई। यूनियन पदाधिकारियों ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया और उनके कार्यकाल में गुवा सेल के विकास की उम्मीद जताई।इंटक नेताओं ने कहा चंद्रभूषण कुमार एक कर्मठ और अनुभवी अधिकारी हैं, जिनके नेतृत्व में संगठन और प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल बनेगा। उन्होंने विश्वास जताया मजदूरों के हितों की रक्षा और औद्योगिक सौहार्द बनाए रखने में सीजीएम सकारात्मक भूमिका निभाएंगे।मौके पर दिलबाग सिंह, मुकुंद बोसा, जयसिंह नायक, विश्वजीत तांती, कमलजीत सिंह, मंगलु साहू, गुरुचरण, देवेंद्र पंडा, शेषनाथ, राजा, विकास, हरिश और करण सिंह आदि उपस्थित रहे।

छठ पूजा के दौरान चांडिल के शहरबेड़ा छठ घाट पर दर्दनाक हादसा

स्वर्णरेखा नदी में डूबे तीन श्रद्धालुओं के शव बरामद

- विधायक सविता महतो और सरयू राय ने जताया शोक
- शहरबेड़ा घाट पर स्थायी प्रतिबंध लगाने का सुझाव

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल थाना क्षेत्र स्थित शहरबेड़ा छठ घाट पर छठ पूजा के दौरान सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। स्वर्णरेखा नदी में अर्घ्य देने के दौरान रायडीह बस्ती निवासी 42 वर्षीय संजय यादव, उनके पुत्र 19 वर्षीय प्रतीक यादव और डिमना बस्ती निवासी 14 वर्षीय आर्यन यादव डूबने से मौत हो गया।

घटना के बाद मंगलवार को स्थानीय गोताखोरों और एनडीआरएफ टीम कई घंटों की मशक्कत के बाद तीनों शवों को बरामद कर लिया। हादसे के बाद पूरे इलाके शोक में है।

वहीं घटना की सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचे ईचागढ़ विधायक सविता महतो और जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने गहरा दुःख व्यक्त किया। सरयू राय ने कहा यह घटना एक अपवाद स्वरूप दुर्घटना है और इसे प्रशासनिक लापरवाही कहना उचित नहीं होगा। उन्होंने सुझाव दिया भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए शहरबेड़ा घाट पर छठ पूजा के आयोजन पर स्थायी प्रतिबंध लगाया जाये। वहीं आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह ने इस हादसे को अत्यंत हृदय विदारक बताया और कहा पूरा आदित्यपुर शोक में है। उन्होंने सरकार से प्रशिक्षित गोताखोरों की संविदा नियुक्ति और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। साथ ही पीड़ित परिवारों को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की अपील की। प्रशासन ने सभी घाटों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है और भविष्य में सख्त सुरक्षा मानक लागू करने के निर्देश जारी किये हैं।

विधायक सविता महतो ने शहरबेड़ा छठ घाट पहुंच कर हादसे पर जताया दुख

चांडिल (आजाद सिपाही)। शहरबेड़ा छठ घाट पर छठ पूजा के दौरान हुए दर्दनाक हादसे की सूचना मिलते ही ईचागढ़ विधायक सविता महतो मौके पर पहुंचीं। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। विधायक ने कहा यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है।विधायक सविता महतो ने एसडीओ विकास कुमार राय, एसडीपीओ अरविंद कुमार बिन्हा, बीडीओ तालेश्वर रविदास, सीओ प्रदीप महतो, थाना प्रभारी डिलशन बीरुआ और बजरंग महतो को निर्देश दिया भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जाए।उन्होंने कहा प्रशासन और राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जाएगी। मौके पर झामुमो केंद्रीय सदस्य ओम प्रकाश लायेक, काबलू महतो, दिलीप महतो, शंकर लायेक, मिलन तंतुवाई, और सरदीप नायेक सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भक्ति भाव से दिया गया उदीयमान सूर्य को अर्घ्य, छठ महापर्व संपन्न

उदीयमान सूर्य देव हमें निरंतर कर्तव्यपथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देते हैं : मिथिलेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ ही संपन्न हो गया। जिले भर के छठ भारतीयों ने मंगलवार को अहले सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान जिला मुख्यालय के दानरो नदी छठ घाट पर एवं सरस्वती नदी के छठ घाट पर स्टूडेंट क्लब, फ्रेंड्स क्लब, सूर्य क्लब, टी ग्रुप सहित कई पूजा संगठनों के द्वारा छठ व्रतियों के लिए विशेष सुविधा की व्यवस्था नदी घाट पर की गई थी। जहां छठव्रतियों ने एकजुट होकर भगवान सूर्य की उपासना की भगवान भास्कर को अर्घ्य देते हुए पूजा एवं प्रार्थना की। सीएसआर पर झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह झामुमो के

केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर के आवास पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया गया। जबकि सोमवार की संध्या अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया। पूर्व मंत्री श्री ठाकुर ने उदीयमान सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर सबके कल्याण और झारखण्ड की समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि उदीयमान सूर्य देव हमें निरंतर कर्तव्यपथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देते हैं। श्री ठाकुर ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, संस्कार और आत्मबल का प्रतीक है। उगते सूर्य को अर्घ्य देने का महत्व धार्मिक, ज्योतिषीय और वैज्ञानिक है। धार्मिक रूप से, यह सूर्य देव की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करने, पापों से मुक्ति पाने और आत्मिक शुद्धि के लिए किया जाता है। ज्योतिषीय रूप से, यह कुंडली में सूर्य को मजबूत करता है। जिससे सफलता और आत्मविश्वास मिलता है। वैज्ञानिक रूप से सूर्य की पहली किरणें स्वास्थ्य के लिए लाभकारी मानी जाती हैं और ऊर्जा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस महापर्व का बड़ा धार्मिक महत्व है। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता माना जाता है और उन्हें अर्घ्य देने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। ऐसा माना जाता है कि अर्घ्य देने से पापों का नाश होता है और आत्मा शुद्ध होती है। छठ पूजा में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत पूरा माना जाता है। उन्होंने कहा कि छठी मईया एवं सूर्य देव के आशीर्वाद से गढ़वा सहित पूरे देश में सुख, शांति, समृद्धि, खुशहाली हो। देश की एकता एवं अखंडता बनी रहे, ऐसी वे प्रार्थना करते हैं। मौके पर पूर्व मंत्री के परिजन सहित काफी संख्या में गढ़वा वासी मौजूद थे।

छठ भक्तिभाव और गहरी आस्था के साथ संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। मंगलवार की सुबह उदियमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ सूयोर्पासना का महान पर्व छठ पूरे प्रखंड में भक्तिभाव और गहरे आस्था के वातावरण में संपन्न हुआ। प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर सुख, समृद्धि और क्षेत्र की शांति की कामना की। प्रखंड मुख्यालय के अवधूत भगवान सर्वेश्वरी आश्रम, टाउनशिप दुर्गा मंदिर, सिंदुरिया दुलरह नदी, अरसली, सिंघीताली हनुमान मंदिर, भवनाथपुर सूर्य मंदिर, बाजार दुर्गा मंदिर, झगराखड़ा, चपरी, अरसली उत्तरी झुमरी अशोक वाटिका सहित सभी छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। घरों से माथे पर पूजा सामग्री ढोकर श्रद्धालु छठ घाटों तक पहुंचे। महिलाएं छठ गीतों की मधुर स्वर लहरियों के बीच भगवान भास्कर की आराधना करती नजर आईं। कई छठ व्रती दंडवत करते हुए घाटों तक पहुंचे। रास्ते में व्रतियों के चरण स्पर्श कर लोग आशीर्वाद प्राप्त करते देखे गये। कई घाटों पर सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय युवाओं ने व्रतियों के बीच दूध, फल और प्रसाद का वितरण किया। वहीं जनप्रतिनिधि और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी घाटों का भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लेते दिखे।

भगवान भास्कर की अद्भुत प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र

सिंदुरिया छठ घाट और यंग लायंस क्लब मेहता टोला बुका के छठ घाट पर भगवान भास्कर की अद्भुत प्रतिमा बनाई गई, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। पैथर क्लब छठ पूजा समिति सिंदुरिया और यंग लायंस बुका क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष पंकज सिंह, उपाध्यक्ष अमित वर्मा, सचिव सुबोध पाठक, कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता सहित कई सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

टाउनशिप दुर्गा मंदिर में गंगा आरती

टाउनशिप दुर्गा मंदिर परिसर में पंडित सत्येंद्र वैद्य एवं मिथलेश मिश्रा के नेतृत्व में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आलोक चौबे,ध्रुव नारायण दुबे, संजीव सिंह, दिवाकर चौधरी, जसवंत चौबे, महेश पाण्डेय उपस्थित रहे। वहीं थाना समीप सर्वेश्वरी आश्रम छठ घाट पर समाजसेवी एवं बाबू डेकोरेशन के संचालक बुचून चन्द्रवंशी ने निशुल्क टेंट और लाइट की व्यवस्था कर प्रशंसनीय योगदान दिया। सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद छठ पर्व को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। इसकी निगरानी खुद प्रभारी थाना प्रभारी रंजनी रंजन ने की। महिला पुलिस बल और जवानों ने सभी छठ घाटों पर पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी निभाई, जिससे पर्व शांतिपूर्ण और श्रद्धामय माहौल में संपन्न हुआ। मौके पर सर्वेश्वरी समूह छठ घाट समिति के गौरव सिंह, अर्पित सिंह, सुनील कुमार सिंह, बुचून राम, प्रमोद बैठा, पपन सिंह आदि ने सराहनीय भूमिका निभाई।

छठी मैया से सबके सुख-समृद्धि की कामना: अलखनाथ पाण्डेय

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता, समाजसेवी सह गढ़वा जिला के शिक्षाविद् अलखनाथ पाण्डेय ने गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न नदी, तालाबों एवं घाटों पर पहुँचकर श्रद्धालु व्रतधारिणी माताओं, बहनों एवं उपस्थित जनसमुदाय को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि छठ पूजा भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह त्योहार न केवल प्रकृति और सूर्य देव के प्रति आस्था का प्रतीक है, बल्कि इसमें मातृशक्ति की अटूट निष्ठा और

त्याग की भी गाथा निहित है। छठी मैया की आराधना से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, समृद्धि और शांति का संचार होता है। श्री पाण्डेय ने छठ घाटों पर आयोजित भक्ति जागरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तथा सभी आयोजन समितियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रमों का शुभारंभ किया और श्रद्धालु जनों से आपसी एकता, स्वच्छता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छठ मैया से मेरी यही प्रार्थना है कि हमारे समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सौभाग्य का वास हो। माँ छठी का आशीर्वाद सदा सभी पर बना रहे और हर घर में खुशहाली आये।

सगमा बौली टोला में हुआ भव्य देवी जागरण, विधायक अनंत प्रताप देव और ताहिर अंसारी ने किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा(गढ़वा)। लोक आस्था के महापर्व छठ के शुभ अवसर पर सगमा प्रखंड के बौली टोला में युवा स्टार क्लब के द्वारा भव्य देवी जागरण का आयोजन किया गया। श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति संगीत और मां की आराधना में शाम को आध्यात्मिक माहौल में बदल दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक अनंत प्रताप देव एवं केंद्रीय समिति सदस्य ताहिर अंसारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष डॉक्टर हरिदास यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर किया। मंच पर पहुंचते ही अतिथियों का भव्य स्वागत पुष्पगुच्छ और मालाओं से किया गया। इस अवसर पर संबोधित

करते हुए विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि छठ पर्व लोक आस्था का पर्व है जो समाज में एकता, श्रद्धा और शुद्धता का संदेश देता है। युवा स्टार क्लब द्वारा भक्ति जागरण का आयोजन करना समाज में भक्ति और संस्कृति के प्रति जागरूकता का प्रतीक है। वहीं केंद्रीय समिति सदस्य ताहिर अंसारी ने कहा कि छठ महापर्व हमें संयम और समर्पण की सीख देता है। इस अवसर पर देवी जागरण का आयोजन कर क्लब ने भक्ति और संस्कृति को जीवित रखा है। छठी मैया से मेरी प्रार्थना है कि सभी माताओं और बहनों की हर मनोकामना पूर्ण हो।

कार्यक्रम में सगमा पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार यादव, समाजसेवी योगेंद्र यादव, उप प्रमुख अर्जुन पावन, मुखिया तेजलाल राम, उप मुखिया मंगलेश यादव, देवचंद यादव, रमेश यादव, घूरन यादव, ताराचंद यादव,राजेश बैठा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और युवा स्टार क्लब के सभी सदस्य उपस्थित थे।

रंका में पूर्ण हुआ छठ का पर्व, पुलिस प्रशासन रही सक्रिय

रंका (आजाद सिपाही)। सूर्य उपासना व लोक आस्था का प्रकृति महापर्व छठ पूजा रंका अनुमंडल मुख्यालय सहित संपूर्ण सुदूरवर्ती क्षेत्रों में श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। बाजार नदी पुल छठ घाट पर मां काली युवा संघ रंका के तत्वावधान में अध्यक्ष रणजीत सौण्डिक की अध्यक्षता में छठ पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें टेंट पंडाल,लाईट, डेकोरेशन, साउंड आदि का संपूर्ण व्यवस्था किया गया था , जो सराहनीय रहा।छठ पूजा को शांति पूर्वक संपन्न कराने में रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रोहित रंजन सिंह एवं थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे हर जगह हर संभव सुरक्षा के लिए उपस्थित रहे। संरक्षक के रूप में उतम पांडेय, शिक्षक धीरज कुमार सिंह,छठ पूजा मिडिया प्रभारी पीएलवी अमरेन्द्र कुमार , पत्रकार अरूण यादव, भोला अग्रवाल, मां शारदा फाउंडेशन के प्रेम चौधरी, अभिनव रंजन, सुजीत चौरसिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। डीएसपी रोहित रंजन सिंह एवं थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह ने छठ पूजा समिति से जुड़े लोगों के कार्यों की सराहना की।

डंडई में 64 घाटों पर 12 हजार व्रतियों ने दिया अर्घ्य

डंडइ (आजाद सिपाही)। डंडई प्रखंड क्षेत्र में चार दिवसीय छठ महापर्व मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही श्रद्धा और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। प्रखंड के विभिन्न हिस्सों में नदी, तालाब, नहरों और अन्य जलाशयों पर बने करीब 64 घाटों पर लगभग 12 हजार व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठी मइया से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे प्रखंड में धार्मिक उत्साह और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। तड़के सुबह पंडितों के मंत्रोच्चारण के बीच व्रतियों ने घुटने तक जल में खड़े होकर दूध और जल से सूर्य देव को अर्घ्य दिया। इस दौरान छठ के पारंपरिक गीतों की गूंज से क्षेत्र का माहौल भक्तिमय बना रहा। प्रखंड मुख्यालय के दानरो नदी पीपल और बगीचा घाट, करके बड़ा तालाब शिव मंदिर घाट, लवाही पोखर घाट तथा रारो बुढ़वा शिव छठ घाट पर सबसे अधिक भीड़ देखी गयी । रात्रि में मुख्यालय स्थित फ्रेंड्स क्लब की ओर से गंगा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बाहर से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।पूजा को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण कर पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया। रारो मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार ठाकुर ने पंचायत के विभिन्न छठ घाटों पर जाकर फलाहारी वितरण किया। इसी तरह रारो, करके, सोनेहरा, पचोर, तसरार और झोतर पंचायतों के प्रतिनिधियों ने भी विभिन्न घाटों पर पहुँचकर श्रद्धालुओं से मुलाकात की और भगवान भास्कर की आराधना की।

गंगा आरती के दिव्य दृश्य ने श्रद्धालुओं को किया भावविह्वल

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय के सबसे पुराना और प्रसिद्ध वर नदी छठ घाट पर छठ पूजा के अवसर पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। यहां पहली बार वाराणसी तथा हरिद्वार के तर्ज पर भव्य गंगा आरती में सैकड़ो छठ व्रतियों तथा बड़ी संख्या में महिला पुरुष तथा बच्चे और गणमान्य लोग शामिल हुए। इस घाट को प्रसिद्धि दिलाने वाले संजय भगत और ब्रजेश मिश्र के देख रेख में आचार्य किशोर मिश्र तथा मृत्युंजय शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोचार के बीच सहयोगी अजय कुमार मिश्र और मृत्युंजय पांडे के शंखनाद के साथ मुख्य यजमान राहुल, शुभम, अर्पित और श्रेयांश मल्होत्रा द्वारा जैसे ही आरती के लिए जलता हुआ दीपक को उठाया गया पूरा घाट सूर्य भगवान और छठी मईया की जयकारा से गूंज उठा। आतिशबाजी के बीच रुजै गंगे माता रुगंगा मैया में जब तक यह पानी रहे तथा शिव तांडव स्तोत्र मंत्र से सभी श्रद्धालु मंत्र मुग्ध होकर ताली बजाते हुए भक्ति भावना के सागर में डुबकी लगाने लगे। गंगा आरती का विहंगम दृश्य देखते ही बन रहा था। गंगा आरती में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमारी, जिला परिषद सदस्य रोशन परवीन, डॉ अनिल साह, विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन, मुखिया शंकर के प्रखंड अध्यक्ष रामसागर महतो, स्थानीय मुखिया पति मुन्ना राम, सूर्य प्रकाश, दशरथ प्रसाद, विनोद प्रसाद उर्फ लाला, पूर्व मुखिया सुषमा कुशवाहा, वीरेंद्र प्रसाद, करीब अंसारी, अतहर अली, जहुर रंगसाज, महेंद्र प्रसाद, तलों सोनी, समाजसेवी अजय प्रसाद गुप्ता ने गंगा आरती की नई शुरूआत की सराहना करते हुए कहा कि यहां का विहंगम दृश्य देखकर लगा कि हम सभी काशी के गंगा घाट पर आरती में शामिल हैं। छठ पूजा महोत्सव को सफल बनाने में पूजा समिति के अध्यक्ष संजीव जायसवाल, अशोक गुप्ता, सत्यम मल्होत्रा, सतीश गुप्ता, सुधांशु कुमार, शशि कांत यादव, नवीन जायसवाल, पंकज, अशोक राम, संदीप कुमार, मुन्ना जयसवाल, अनुज कुमार, सुभाष गुप्ता, अनिल कुशवाहा, सुजीत पटवा, अशोक मेहता, अजय ठाकुर आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ चार दिवसीय छठ महापर्व

सगमा (आजाद सिपाही)। सगमा प्रखंड क्षेत्र में उगते सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ का समापन श्रद्धा और भक्ति के माहौल में हुआ। नहाय-खाय से आरंभ हुए इस पर्व के दौरान प्रखंड के पांचों पंचायतों - सगमा, कटहर कला, पूतूर, सोनडीहा, बीरबल, सारदा, लखुर्द, मकरी, चैनपुर, घघरी, दुसैया और झूंका गांवों में धार्मिक उत्साह चरम पर रहा। नदी, सरोवर और देव स्थलों पर व्रतधारियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जहाँ अमीर-गरीब, ऊंच-नीच का कोई भेद नहीं था। सभी श्रद्धालु एक साथ आस्था के रंग में रंगे नजर आये। इस अवसर पर बीरबल पंचायत के मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा ने लगातार सातवें वर्ष लगभग बारह सौ व्रतधारियों के बीच नारियल और प्रसाद का वितरण किया। वहीं, बीरबल सूर्य मंदिर पूजा समिति के आमंत्रण पर पहुँचे धुरकी थाना प्रभारी जनार्दन राऊत, मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा, प्रमुख अजय साह और पूजा समिति के वरिष्ठ सदस्यों का स्वागत समिति अध्यक्ष बालेश्वर यादव ने भगवा अंगवस्त्र देकर किया।

छठ गीतों की मधुर ध्वनि, लाइट और कार्यक्रम से पूरा क्षेत्र रहा गुलजार

बलराम शर्मा

मेराल (आजाद सिपाही)। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय महापर्व छठ पूरे प्रखंड में आस्था और श्रद्धा के वातावरण में सम्पन्न हो गया। व्रतियों के घरों से उठती सुगंध और चारों तरफ छठ गीतों की मधुर संगीत से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक बना रहा। प्रखंड मुख्यालय के सबसे पुराना वर नदी छठ घाट, नेनुआ मोड़ सरस्वती नदी छठ घाट, प्रसिद्ध मां शायर देवी धाम के समीप शिवाला

तालाब छठ घाट, स्टेशन रोड तालाब छठ घाट, मुडल टोला उरिया नदी छठ घाट को स्थानीय पूजा समिति-क्लब द्वारा आकर्षक ढंग से सजाया गया था। विभिन्न छठ घाटों पर जिप सदस्य रौशन परवीन, प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमारी, विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के अस्वस्थ रहने के कारण उनके प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी, डॉ लालमोहन, चिकित्सक व समाजसेवी डॉ अनिल साह, मुखिया रामसागर महतो, मुन्ना राम, सूर्य प्रकाश, करीब अंसारी, अतहर अली, संजय भगत, अजय प्रसाद गुप्ता, विनोद प्रसाद, नवीन जायसवाल, दशरथ प्रसाद सहित कई पंचायत प्रतिनिधि, गणमान्य लोग पहुंच कर लोगों को छठ महापर्व की शुभकामना देते हुए क्षेत्र का उत्तरोत्तर विकास की कामना की। विधि व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रही। थाना प्रभारी विष्णुकांत ने वर नदी छठ घाट पर पहुंच कर स्थानीय छठ व्रतियों को अर्घ्य दिलाकर परिवार और थाना क्षेत्र में सुख शांति की कामना किया।

कांडी में लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न

कांडी (आजाद सिपाही)। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा मंगलवार की सुबह पूरे प्रखंड क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हो गया। व्रतियों के घरों से उठती ठेकुआ की सुगंध और छठ गीतों की मधुर धुनों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। प्रखंड मुख्यालय स्थित सतबहिनी झरना तीर्थ, सोन नदी के विभिन्न घाट, कांडी तालाब के मध्य स्थित सूर्यमंदिर परिसर, श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर, तथा घटही नदी सहित सभी प्रमुख छठ घाटों को स्थानीय पूजा समितियों द्वारा आकर्षक रूप से सजाया गया था। व्रतियों ने दृढ़ संकल्प के साथ अपने पूजा स्थलों पर ही डटे रहकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।विभिन्न छठ घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। तथा कई लोगों ने प्रसाद , पूजा सामग्री सभी छठ घाटों पर वितरण किया। विधि-व्यवस्था को लेकर कांडी थाना प्रभारी अशफाक आलम तथा हरिहरपुर ओपी प्रभारी नसीम अंसारी के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा।

थाना प्रभारी ने छठ व्रतियों को बांटी पूजा सामग्री

मझिआंव (आजाद सिपाही)। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के अवसर पर मझिआंव थाना प्रभारी ओमप्रकाश टोप्पो ने एक सराहनीय पहल कर समाज में सेवा और सौहार्द की मिसाल पेश की। उन्होंने छठ व्रतियों के बीच पूजा सामग्री, फलाहार किया। थाना प्रभारी ने स्वयं अपने हाथों से छठ व्रतियों को सामग्री प्रदान की और पर्व की पवित्रता को बनाए रखने का संदेश

दिया। इस दौरान थाना परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। वहीं उन्होंने कहा कि छठ पर्व आस्था, अनुशासन और प्रकृति के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह पर्व समाज को एकजुटता और सहयोग का संदेश देता है। कार्यक्रम में कई पुलिस पदाधिकारी, कर्मी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने थाना प्रभारी की इस पहल को सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का उदाहरण बताया। इस तरह की पहल से पुलिस और समाज के बीच विश्वास और अपनत्व का रिश्ता और मजबूत होता है।

समाजसेवी की पहल पर बनी जर्जर सड़क, ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। डंडई प्रखंड के रारो पंचायत के चिनुखरा टोला में समाजसेवी पप्पू यादव ने अपने निजी खर्च से गड्ढों में तब्दील सड़क की मरम्मत कराई, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। यह सड़क डंडई व चिनिया प्रखंड को जोड़ती है और लंबे समय से खराब थी। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए समाजसेवी पप्पू यादव ने अपनी पहल पर ट्रैक्टर और जेसीबी मशीन लगवाकर सड़क की मरम्मत कराई। अब सड़क समतल और कीचड़मुक्त हो गई है, जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर है। समाजसेवी ने कहा की चिनुखरा

टोला में मनिजर सिंह के घर के पास सड़क की हालत बहुत खराब थी। कीचड़ और गड्ढों के कारण लोगों को काफी मुश्किल होती थी। इसलिए मैंने निजी स्तर पर इसकी मरम्मत कराने का निर्णय लिया। यह कार्य किसी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सुविधा के लिए किया गया है। सड़क मरम्मत कार्य में महेंद्र यादव, अवधेश यादव, सुदामा सिंह, विनोद यादव (उंदल), नौरंग सिंह आदि ने सक्रिय सहयोग किया। इधर, समाजसेवी पप्पू यादव की अगुआई में झुमरी नाहर छठ घाट और वहाँ तक जाने वाले रास्ते की भी सफाई कराई गई। अनिल यादव, मुकेश यादव, कमलेश यादव, भानु कुमार यादव, विमलेश यादव सहित कई लोगों ने साफ सफाई की।

भाजपा ने इरफान अंसारी का पुतला फूंका

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का पुतला दहन हनुमान चौक रंका मोड़ पर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ठाकुर प्रसाद महतो ने कहा कि झामुमो सरकार में जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। पिछले दिनों चाईबासा में मरीज बच्चों को एचआईवी ब्लड चढ़ा दिया गया। जिसको लेकर भाजपा कार्यकताओं ने जब विरोध किया तो मामले को दबाने के लिए आंसू गैस का गोला छोड़ा गया। इससे यह साबित होता है कि झामुमो सरकार में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पुरी तरह से स्वास्थ्य व्यवस्था संभालने में फेल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे निकम्मे

स्वास्थ्य मंत्री को तत्काल प्रभाव से हेमंत सरकार बर्खास्त करे। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार में स्वास्थ्य व्यवस्था फेल हो चुका है स्वास्थ्य मंत्री अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते है वे सिर्फ अनर्गल बातें बोलकर अपनी झुठी वाहवाही लूटने में लगे रहते हैं गरीब जनता के जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। इसको लेकर भाजपा कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेंगे मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी भाजपा नेता विनय चौबे मनीष गुप्ता ब्रजेश उपाध्याय संजय ठाकुर उदय कुशवाहा शुभम गुप्ता अशोक केशरी रितेश दुबे कंचन पाण्डेय विकास तिवारी दिनेश कुशवाहा अभिषेक कश्यप संतोष ठाकुर सहित अन्य कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in
08

भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

तोरपा-मुरहू में बनारस के पंडितों ने की गंगा आरती

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। छठ महापर्व के अवसर पर मंगलवार को खूंटी, तोरपा, मुरहू सहित जिले के अन्य छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अहले सुबह से ही महिलाएं और पुरुष व्रतधारी पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे घाटों पर पहुंचकर उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने की तैयारी में जुटे रहे। घाटों पर उगते सूरज भगवान की जयघोष और भक्ति गीतों की गूंज से पूरा वातावरण आस्था और भक्ति से सराबोर हो उठा इस बार का छठ पर्व खूंटी जिला के लिए विशेष रहा, क्योंकि तोरपा, मुरहू और खूंटी के प्रमुख घाटों पर बनारस से आए पंडितों की टीम ने

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गंगा आरती की।

गंगा आरती का दृश्य देखते ही बनता था — दीपों की कतारें, मंत्रोच्चार और शंख घंटों की ध्वनि से पूरा माहौल आध्यात्मिक और दिव्य बन गया। श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर आरती में भाग लिया और सूर्य देव से अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। तोरपा छाता नदी छठ घाट और खूंटी के चौधरी तालाब में इस बार भी भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर भक्ति भाव से पूजा अर्चना की गयी। जिले के तपकरा, तोरपा का नदी घाट, कर्रा, रनिया, गोविंदपुर, अड़की सहित सभी ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में छठ महापर्व पूरे भक्ति भाव से मनाया गया।

इसके पूर्व सोमवार की संध्या को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। महिलाओं ने नदी और तालाबों में खड़े होकर परंपरागत विधि से अर्घ्य अर्पित किया। घाटों की आकर्षक सजावट, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और स्थानीय युवाओं की स्वेच्छा सेवा से पूरे कार्यक्रम में अनुशासन और सौहार्द का अद्भुत माहौल रहा। खूंटी और आसपास के इलाकों में चारों दिनों तक चलने वाले इस लोक आस्था के महापर्व ने लोगों को एकता और समर्पण का संदेश दिया।

मोहननगर छठ घाट पर पूजा समिति ने किया भक्ति जागरण

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। मोहन नगर छठ घाट में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आस्था और श्रद्धा के साथ छठ पूजा का आयोजन किया गया। पूजा समिति द्वारा सोमवार की रात्रि में भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ एनके एरिया के मुख्य महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता, खलारी अंचल अधिकारी प्रणव अम्बष्ट एवं थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर किया। इसके उपरांत पूजा समिति के सदस्यों द्वारा मुख्य अतिथियों को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। जागरण कार्यक्रम में कलाकारों ने भक्ति गीतों की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को रातभर झूमने पर मजबूर कर दिया। साथ ही इस दौरान छठ पूजा के युवा कार्यकर्ताओं को भी अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कृष्णा चौहान, नन्दलाल चौहान, असरफी राम, रमेश चौहान, रामबली चौहान, अभिषेक चौहान, बुटन चौहान, अजय चौहान, मुन्नू शर्मा, सुरेंद्र चौहान, अरुण चौहान, आलोक चौहान, भरत चौहान, कौशल चौधरी, दीपक चौहान, सुधांशु कुमार, रवि सिंह, रौशन ठाकुर, भीष्म चौहान, अभिषेक कुमार, क्रिस, नीतिश उपस्थित थे।

सूर्य को अर्घ्य देने उमड़ा आस्था का सैलाब

सोनाहातू/राहे (आजाद सिपाही)। मंगलवार सुबह उदीयमान सूर्य के अर्घ्य प्रदान करने के साथ ही सूर्य उपासना का महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान संपन्न हुआ। छठ घाट पर हवन करके व्रती 36 घंटे के निराहार निर्जला व्रत का समापन किया। व्रतियों के साथ श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य दिया। महिलाओं ने एक दूसरे की मांग में सिंदूर भरकर परिवार समाज व देश मे सुख शांति समृद्धि कल्याण की कामना किये। राहे कोकरो नदी ,राहे बड़ा तालाब,दुलमी तालाब, पुरानानगर तालाब,जामुदाग डेहरी बांध,दानाडीह बूढ़ा बांध, बारेन्दा बांध,पंडाडीह तालाब, एडरमहातू, सीगीद तालाब, आदि जगहों पर व्रतियों के साथ श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य दिया। दुलमी गांव में प्रताप कुमार कुशवाहा ने परिवार संग अर्घ्य दिया।

बुंडू के तालाबों-नदियों में छठ व्रतियों की भीड़

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू एवं आसपास के क्षेत्र में लोक आस्था का पर छठ मंगलवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही संपन्न हो गया। जहां सोमवार को अस्थलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया। वहीं मंगलवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य दिया गया इस दौरान बुंडू के कांची नदी बुंडू बड़ा तालाब रानी चुआ खुदिया तालाब मैनेजर तालाब सूर्य मंदिर स्थित सूर्य सरोवर पलवा पोखर के अलावा कई तालाबों एवं नदियों में छठ व्रतियों के द्वारा भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर अपने परिवार की सुख शांति एवं मंगल कामना की गयी।

छठ महापर्व श्रद्धा और आस्था के साथ संपन्न

तमाड़ (आजाद सिपाही)। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा तमाड़ सहित सारजमडीह, पुंडीदीरी, सिंदरी आदि पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व के अंतिम दिन व्रतधारियों ने उदयीमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर 36 घंटे के निर्जला उपवास का समापन किया। सुबह से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। पूजा-अर्चना के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को छठ की शुभकामनाएं दीं।

अर्घ्य के साथ छठ पूजा संपन्न

मुरी (आजाद सिपाही)। नेम निष्ठा का महापर्व छठ पूजा उदयमान सूर्य के अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ। लोक आस्था का इस महापर्व पर श्रद्धालुओं ने बड़े ही श्रद्धा से स्वर्णरेखा नदी मुरी, साहेब बांध सिल्ली, देवान बांध सिल्ली में लोगों ने छठ घाट बनाकर सूर्य उपासना का महापर्व का समापन किया। मौके पर ठेकुआ प्रसाद का वितरण किया गया। कई लोगों ने चाय की व्यवस्था भी कर रखी थी।

जय माता दी ग्रुप खलारी ने एसीसी छठ घाट में किया दूध और फल का वितरण

खलारी (आजाद सिपाही)। एसीसी छठ घाट में जय माता दी ग्रुप खलारी के सदस्यों द्वारा फल, दूध, एवं पूजन सामग्री का वितरण किया गया। सोमवार को संध्या एवं मंगलवार को सुबह अर्घ्य के लिए दूध एवं संध्या पूजन के लिए फल का वितरण किया गया। इस कार्य में ग्रुप के सदस्य सिन्नी समद, मुन्ना देवी मारुति, रेणुका सिंह, संजय सिंह, सूरज प्रधान मुंडा, दीपक पात्रा, दीपक प्रसाद, अमरदीप रॉय, तुषार प्रसाद, शशि सिंह, गौरवचंद्र राय, दिलीप साव, उमेश गुप्ता, गिरिधर तिवारी, संजय विश्वकर्मा, अजय वर्मा, अजीत सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, सुशील मुंडा सहित अन्य सदस्यो का सरहानीय योगदान रहा।

लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न

भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित

आजाद सिपाही संवाददाता

डकरा। लोक आस्था व सुर्य उपासाना का चार दिवसीय महापर्व छठ मंगलवार को उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही समाप्त हो गया। इससे पूर्व खलारी कोयलांचल सहित आस-पास के क्षेत्रों में महापर्व छठ को लेकर गुरूवार को छठ व्रतियों ने अपने नजदीक के नदी, तालाबों में स्थित छठ घाटों में अस्ताचलगामी सुर्य को अर्घ्य दिया और भगवान भास्कर का पूजन किया।

वहीं क्षेत्र के खलारी के एसीसी छठ घाट, जेहलीटांड़, केडी ओल्ड साइडिंग लम्बा धौड़ा, मोहननगर, खिलान धौड़ा स्थित तलाबों में बने छठ घाटो तथा दामोदर नदी, सपही नदी एवं सोनाडुबी नदी में करकट्टा, धमधमियां, खलारी बाजारटांड़, डकरा, केडीएच, भूतनगर, मानकी, चूरी, सुभाषनगर, जामडीह सहित क्षेत्र के विभिन्न जगहों से आकर छठ व्रतियों द्वारा भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया गया। सभी छठ घाटो पर स्थानीय छठ पूजा समितियों व युवकों के द्वारा साफ-सफाई तथा घाट को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया था तथा छठ व्रतियों के रूकने के लिए टेंट की भी व्यवस्था की गई थी। वहीं एसीसी छठ घाट, मोहननगर छठ घाट तथा केडी ओल्ड साईडिंग लम्बाधौड़ा छठ घाट, धमधमियां स्थित दामोदर छठ घाट, मानकी सपही नदी छठघाट सहित अन्य जगहों के घाटों में भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित की गई थी। छठ घाटो पर अर्घ्य देने के लिए दूध तथा फल सहित अन्य पुजन सामाग्री का वितरण भी किया गया। मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात खलारी अंचलाधिकारी प्रणव अंबष्ट ने कहा कि चार दिनों तक चलने वाला छठ महापर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया।

पिपरवार कोयलांचल में अस्तचलगामी भगवान सूर्य को व्रतियों ने दिया अर्घ्य

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में लोक आस्था और नेम निष्ठा के चार दिवसीय महापर्व के तीसरे दिन सोमवार को छठ व्रतियों ने विधि विधान से पूजा कर अस्तचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। पूरे कोयलांचल में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा का रौनक और छठ गीतो के गुंजायमान से क्षेत्र भक्तिमय हो गया। राय कोलियरी स्थित छठ पूजा समिति के लोगो ने छठ घाट को रोशनी से रोशन कर दिया। और आने जाने वाले रास्ते को रंग बिरंगे लाइट से जगमगा दिया। बचरा छठ पूजा समिति के तत्वाधान में अस्तचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के पश्चात गंगा आरती का आयोजन किया गया। गंगा आरती का पूरा कार्यक्रम कांशी वाराणसी से आये पंडितों के द्वारा किया गया। वही आरती के दौरन अद्भुत नजारा देखने को मिला। वही क्षेत्र के बेंती, बिजैन, बिलारी, ठेना, बहेरा, कल्याणपुर, बुंडू, राय बमने, होशिर, बचरा बस्ती, छठ पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

सोहराई हमारी सांस्कृतिक विरासत : राम सूर्या मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। कर्रा प्रखंड की छाता पंचायत अंतर्गत केदली गांव में मंगलवार को पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक समृद्धि के साथ सोहराई जतरा का भव्य आयोजन किया गया। आदिवासी समुदाय की प्रकृति, पशुधन और कृषि के प्रति आभार व्यक्त करने वाला यह पर्व ग्रामीण संस्कृति की अमूल्य पहचान है। कार्यक्रम में खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सोहराई जैसे पारंपरिक पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं, जिन्हें सुरक्षित रखना और नई पीढ़ी तक पहुँचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी संस्कृति की पहचान को सशक्त करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। जतरा में नागपुरी लोक कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और लोकगीतों की मधुर धुनों पर ग्रामीण देर शाम तक नाचते-गाते रहे। इस अवसर पर गांव में मेले जैसा माहौल बना रहा।

कार्यक्रम में छाता पंचायत के मुखिया सुखराम धान, अनूप कुजूर, अजय खलखो, सुखराम सरूकद, विधायक प्रतिनिधि डिक्सन पूर्ति, कृष्ण उरांव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से सांस्कृतिक एकता बनाए रखने और स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन देने का संकल्प लिया।

सोनाहातू में प्रखंड स्तरीय कुड़मी सम्मेलन

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। वृहद झारखंड कुड़मी समन्वय समिति के तत्वावधान में सोमवार को सोनाहातू प्रखंड के बारेडीह मैदान में प्रखंड स्तरीय एकदिवसीय कुड़मी सम्मेलन का आयोजन किया गया। अध्यक्षता महादेव महतो व संचालन अशोक कुमार महतो ने किया।सम्मेलन में मुख्य अतिथि मुख्य संयोजक शीतल ओहदार उपस्थित थे। शीतल ओहदार ने कहा कि हमारी लड़ाई संवैधानिक है और भारत सरकार के साथ है। हम अपनी समाज की ताकत आंदोलन को तेज करने में लगते है किसी अन्य जाति विशेष के लिए नहीं। कुड़मी जाति को एसटी में शामिल करने तक संघर्ष जारी रहेगा।समाज के लोग जाति जनगणना में अपनी जाति कुड़मी और भाषा कुड़माली लिखें। हमारी रहन सहन,बोली भाषा,खान पान,रीति रिवाज वर्षों से जनजाति से मेल है।। इनके अलावे सम्मेलन को लालचन महतो , दानी सिंह महतो, ललित मोहन महतो, देवी राम महतो, धीरेंद्र महतो आदि ने संबोधित किया, पदलोचन महतो, अशोक महतो, बुद्धदेव महतो, अक्षय महतो, महेंद्र नाथ महतो, अधिवक्ता बृजेन्द्र महतो, रंजीत महतो, राधानाथ महतो उपस्थित थे।

पिपरवार के बिजैन गांव में ग्रामीणों की मूलभूत सुविधा को लेकर बैठक आयोजित

पिपरवार (आजाद सिपाही)। पिपरवार के बिजैन गांव में ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता धनेश्वर गंझू और संचालन राहुल राम ने किया। बैठक में सीसीएल की मुआवजा, पुनर्वास, नौकरी, म्यूटेशन समेत अन्य मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। 29, 31 अक्टूबर एवं 4 नवंबर को विभिन्न मांगो को लेकर धरणा प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। इस दौरान वक्ताओ ने कहा कि जमीन का म्यूटेशन कर रैयतो से हमेशा के लिए छीना जा रहा है। मुआवजा भी एक मुस्त नही दी जा रही है। पुनर्वास स्थल में मूलभूत सुविधा की कमी हे। वक्ताओ ने कहा कि प्रबंधन जमीन खनन कर समतलीकरण करके रैयत को वापस करे। बैठक में विस्थापित नेता रंथू गंझू, पचचू गंझू, बहुरा मुंडा, बालेश्वर उरांव महेन्द्र उरांव, राहुल मुंडा, किशोर मुंडा, झरी राम, रतन राम, दिनेश राम, मनोज राम, कैलाश राम, मिश्रा पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न

नामकुम (आजाद सिपाही)। चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद संपन्न हो गया। छठ व्रतियों ने नामकुम में स्वर्णरेखा और सिपाही नदी के घाटों पर उगते सूर्य की उपासना की। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास भी खत्म हुआ। इस दौरान नामकुम में छठ घाटों पर भारी भीड़ जुटी और व्रती सूप लेकर नदी में अर्घ्य के लिए उतरे उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया और अर्घ्य देकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। सभी जगह अर्घ्य अर्पित करने के दौरान मेले जैसा नजारा दिखा। वहीं छठी मइया के गीत गूंजते रहे। इधर बम-बम सेवा छठ पूजा समिति सिपाही नदी की ओर से छठ घाट को भव्य तरीके से सजाया गया था। पूरा परिसर आस्था से सराबोर दिखा। व्रतियों ने विधि-विधान से छठ पूजा को संपन्न किया। समिति के अध्यक्ष रंजीत बड़ाईक ने भगवान सूर्य एवं छठ मइया से इस लोक पर्व में सभी की सुख समृद्धि की कामना की। 17

छोटा नागपुरिया तेली उत्थान समाज की बैठक 30 को

खूंटी। छोटा नागपुरिया तेली उत्थान समाज के तत्वाधान में जिला स्तरीय विशेष बैठक 30 अक्टूबर गुरुवार को महात्मा गांधी धर्मशाला के प्रांगण में आयोजित की जायेगी। बैठक में जिला स्तरीय कमेटी का विस्तार, धर्मशाला निर्माण पर चर्चा तथा गांव-गांव में जाति जनगणना अभियान शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछड़ा वर्ग को आरक्षण में शून्य प्रतिशत किए जाने के विरोध में सर्वप्रथम जाति जनगणना कर राज्य और केंद्र सरकार को 27 फीसदी आरक्षण की मांग के लिए आवेदन सौंपा जायेगा। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शिवनारायण गंझू करेंगे, जबकि देवेंद्र महतो, किशोर गंझू, महामंत्री जितेंद्र कश्यप, विक्रम राम, प्रफुल्ल राम और कोषाध्यक्ष महादेव की अगुवाई में आयोजन होगा।

दुर्घटना में कार चालक की घटनास्थल पर ही मौत

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू थाना क्षेत्र के रांची टाटा रोड स्थित एदेलहातु पंचायत के भोला ढाबा के पास सोमवार की रात अज्ञात वाहन के चपेट में आने से कार चालक की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजा प्रजापति, ग्राम ऊपर टोला राहे निवासी अपनी कार जेएच 02 क्यू3917 से रांची से अपने आवास राहे आ रहा था जहां एदेलहातु स्थित भोला ढाबा के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से राजा प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस शव को अपने कब्जे में कर मंगलवार को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया।

मजबूत संगठन ही जीत की कुंजी है: कालीचरण मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक मंगलवार को जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से सांसद एवं कांग्रेस के नगर पंचायत पर्यवेक्षक कालीचरण मुंडा उपस्थित रहे। इस दौरान नव-नियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, नगर पंचायत अध्यक्ष गुलाम गौस तथा 19 वार्ड अध्यक्षों को सांसद कालीचरण मुंडा द्वारा अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया और शुभकामनाएं दी गईं।

बैठक में सांसद मुंडा ने सभी वार्ड अध्यक्षों से जल्द से जल्द वार्ड कमिटी गठन कर रिपोर्ट जिला कमेटी को सौंपने का आग्रह किया, ताकि नगर पंचायत चुनाव से पहले संगठनात्मक ढांचा सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने कहा कि एक मजबूत संगठन ही आगामी चुनावों में सफलता की कुंजी है। साथ ही उन्होंने जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों को प्रखंड स्तर पर शीघ्र ही जिम्मेदारियां सौंपे जाने की घोषणा की। सांसद मुंडा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में सांसद प्रतिनिधि पीटर मुंडू, नईमुद्दीन खां, गुलाम गौस, रविकांत मिश्रा, तैयब अंसारी, गोपाल भगत, सामडोम तोपनो, विक्रम नाग, शमशाद अंसारी, परवेज आलम, फिरोज आलम, इंदु अन्ना हसा, कर्मदयाल प्रजापति, दिलीप होरो मौजूद रहे। बैठक में नगर पंचायत चुनाव की रणनीति और संगठन सशक्तिकरण पर विस्तृत चर्चा हुई।

आदिवासी जनआक्रोश महारैली को लेकर बैठक

तमाड़ (आजाद सिपाही)। संपूर्ण आदिवासी समाज समन्वय समिति, पांच परगना क्षेत्र का आदिवासी जनआक्रोश महारैली, बुंडू को लेकर बैठक हुई. बैठक में आगामी दिनांक 31 अक्टूबर को जनआक्रोश रैली और जुलूस को लेकर हुई। बैठक में मंच संचालन कमिटी की रुपरेखा पर चर्चा व निर्णय लिया गया। इस महारैली में होने वाले तमाम बिंदु समस्या पर समन्वय स्थापित करने ट्रैफिक विधि व्यवस्था, गाड़ियों की पार्किंग जैसे बिंदु पर चर्चा हुई। बैठक में पंचानन सिंह मुंडा, सिदाम सिंह मुंडा, डॉ लखिंद्र मुंडा, सबरन सिंह मुंडा, सोमा पातर, भुवनेश्वर मुंडा, लक्ष्मण सिंह मुंडा, कन्हाई लाल मुंडा, लखीराम मुंडा, मुन्नालाल मुंडा, घनेश्याम सिंह मुंडा, करम सिंह मुंडा व अन्य उपस्थित थे। ज्ञातव्य है संपूर्ण आदिवासी समाज समन्वय समिति ने 3 अक्टूबर को आदिवासी जनआक्रोश महारैली बुंडू में करने का निर्णय लिया हुआ। सभा स्थल एदेलहातु बुंडू रखी गयी है

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in
09

श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ छठ महापर्व का समापन

हजारों व्रतधारियों ने सूर्य को दिया अर्घ्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। प्रखंड में लोक आस्था का चारदिनी छठ महोत्सव का महापर्व छठ पूजा धार्मिक श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ समाप्त हो गया। मंगलवार की सुबह इलाके के हजारों व्रतियों ने उदयीमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर मन्नतें मांगी। महाराजा तालाब में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। यहां करीब 10 हजार से भी अधिक लोगों की भीड़ उमड़ी। स्व युवराज गोपाल शरण नाथ शाहदेव की स्मृति में संचालित श्री साईं स्वयं सेवी संस्था, छोटानागपुर फन कैशल पार्क प्रबंधन एवं रातू छठ पूजा समिति ने नियंत्रण कक्ष स्थापित कर व्रतियों की मदद की। इनके द्वारा छठ पूजा सामग्री का भी वितरण किया गया।

कई सामाजिक संगठनों व राजनीतिक दलों ने भी व्रतधारियों का सहयोग किया। महाराजा तालाब के अलावा हुरहुरी, बाजपुर, काटू, चटकपुर, नवा सोसो, कमड़े, पिर्रा के तालाबों एवं जलाशयों में भी छठव्रतियों की भीड़ उमड़ी। वहां पेयजल एवं चिकित्सा का भी प्रबंध किया गया था। इस दौरान पुलिस प्रशासन क्षेत्र में पूरी तरह चौकस रही। सुरक्षा की कमान थानेदार राम नारायण सिंह ने संभाली।

आस्था का उल्लास,भक्ति के रंग में रंगे जलाशय

आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर/चान्हो। लोक आस्था, भक्ति और श्रद्धा के प्रतीक चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन आज उदयीमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ हुआ। पूरे क्षेत्र में इन चार दिनों तक छठी मैया की भक्ति और उत्साह का माहौल छाया रहा। बाजारों में फल, फूल और पूजा सामग्री की दुकानों पर भारी भीड़ रही।महाखरना के प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला उपवास रखा। रविवार की संध्या में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया, वहीं सोमवार प्रातः 4 बजे से ही श्रद्धालु छठ घाटों की ओर उमड़ने लगे। सूर्योदय के साथ ही भगवान भास्कर की आराधना प्रारंभ हुई। व्रतियों ने छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और जीवन में खुशहाली की कामना की।

छठ घाटों पर लाइटिंग, साउंड सिस्टम, चेंजिंग रूम और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी। क्षेत्र के प्रसिद्ध बीआरखो धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इसके अलावा मांडर तालाब, ब्राम्बे तालाब, कंदरी तालाब, कंजिया, बेतलगी, चोरया, गणेशपुर, दक्षिणी कोईल नदी, ओपा सोस, रघुनाथपुर, लुंडरी, हेसमी सहित कई अन्य जलाशयों पर भी श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की। भव्य लाइटिंग से सजे घाटों पर माहौल पूरी तरह भक्तिमय रहा। हर ओर छठ गीतों की गूंज और दीपों की रोशनी से वातावरण पवित्र हो उठा। शांतिपूर्ण और श्रद्धामय माहौल में छठ महापर्व का समापन संपन्न हुआ।

स्व सुभाष मुंडा की प्रतिमा हुई क्षतिग्रस्त, सड़क पर उतरे ग्रामीण

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। नगड़ी के दलादिली चौक में स्व सुभाष मुंडा की प्रतिमा एक वाहन के धक्के से गीर कर क्षतिग्रस्त हो जाने से आक्रोशित ग्रामीणों ने दलादिली चौक को जाम कर दिया। घटना मंगलवार को शाम छः बजे की है जब एक गैस की टंकी लदे पीक अप वैन के चालक ने लापरवाही से गाड़ी बैक करते हुए दलादिली चौक पर बने स्व सुभाष मुंडा की प्रतिमा को धक्का मार दिया। जिससे सुभाष मुंडा की प्रतिमा गीर कर टूट गई। प्रतिमा को धक्का मारने के बाद चालक गाड़ी वहीं छोड़ कर फरार हो गया। घटना के बाद आसपास के सैकड़ों ग्रामीण वहां पहुंचे और विरोध प्रदर्शन करते हुए दलादिली चौक के पास रिंग रोड को जाम कर दिया। सड़क जाम करने से रिंग रोड पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। सूचना मिलने पर नगड़ी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार और दलादिली टीओपी प्रभारी पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और ग्रामीणो को समक्षाने का प्रयास किया। मौके पर ग्रामीण वाहन के मालिक और चालक को गिरफ्तार करने और अविलंब सुभाष मुंडा की नई प्रतिमा लगाने की मांग कर रहे थे। इस पर नगड़ी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने ग्रामीणों को बुधवार (कल) से ही नई प्रतिमा लगाने का काम शुरू करने का आश्वासन दिया गया। साथ ही पीक अप वैन के चालक को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया तब जाकर एक घंटे बाद शाम सात बजे ग्रामीणों ने सड़क जाम हटाया। मौके पर दलादिली टीओपी पुलिस द्वारा धक्का मारने वाले वाहन को भी जब्त कर लिया गया। पुलिस द्वारा वाहन के मालिक और चालक का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

ज्ञात हो कि स्व सुभाष मुंडा की दो वर्ष पूर्व अपराधियों ने गोली मारकर दलादिली चौक के पास ही हत्या कर दी थी। वे सीपीआई एम के नेता और क्षेत्र के एक प्रमुख युवा समाजसेवी थे। वे क्षेत्र में काफी लोकप्रिय भी थे। ग्रामीणो ने उनकी याद में उनकी प्रतिमा दलादिली चौक पर लगायी थी।

रिंकू सिंह ने सफाई कर्मियों और छठ घाट के सदस्यों को किया सम्मानित

नामकुम (आजाद सिपाही)। छठ पूजा आयोजन समिति तेतरी टोली नामकुम के अध्यक्ष रिंकू सिंह ने छठ घाटों की सफाई करने वाले रांची नगर निगम के सफाई कर्मियों और छठ घाट के सदस्यों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान उन्होंने छठ महापर्व को स्वच्छ और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए उनके प्रयासों की सराहना के रुप में दिया गया। इस अवसर पर रिंकू सिंह ने कहा कि पूरे रांची में छठ महापर्व अन्यंत श्रद्धा, अनुशासन और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ है। हजारों श्रद्धालुओ ने स्वर्णरेखा नदी के तट पर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और यह पूरी व्यवस्था रांची नगर निमग और छठ घाट के सदस्यों के सहयोग से सुचारु रुप से संपन्न हुई। कहा कि इस वर्ष छठ पूजा आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा छठ पूजा का आयोजन भव्य और सौहार्दपूर्ण रहा। जब हजारों लोग स्वर्णरेखा नदी के तट पर पूजा-अर्चना के लिए आते है तो यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि घाट को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखे। उन्होंने सभी घाटों पर छठ घाटों के सदस्यों से अपने-अपने घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाने की अपील की, ताकि पूजा के बाद नदी में प्रदूषण न फैले। इधर शिव शक्ति मंगलम छठ पूजा समिति पंडित सदन, जोरार नामकुम की ओर से फार्म डेम सिपाही नदी के छठ घाट पर पूजा समिति के अध्यक्ष पिंटू सिंह के नेतृत्व में गंगा आरती का आयोजन किया गया। जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

नगड़ी में धार्मिक अनुष्ठान के बीच छठ संपन्न

पिस्कानगड़ी। (आजाद सिपाही)। चार दिवसीय लोक अस्था का महापर्व छठ मंगलवार को उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ नगड़ी प्रखंड में धार्मिक अनुष्ठान के बीच भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हो गया। प्रखंड के दर्जनों गांवों में छठ महापर्व धूमधाम से आयोजित किया गया पूरे प्रखंड में इस वर्ष आठ सौ से अधिक लोगों ने छठ अनुष्ठान किया। सोमवार को सुबह चार बजे से स्थानीय छठ घाट पहुंचे जहां जलाशय में डुबकी लगाने के बाद सभी व्रतियों ने श्राद्धपूर्वक उदीयमान भगवान आदित्य जी महाराज को अर्घ्य दिया। इसके पश्चात व्रती महिलाओं ने भगवान सूर्य का पूजन अर्चन किया इसके बाद व्रतियों ने सभी लोगों को छठ का प्रसाद वितरण किया जलाशय में पुजा अर्चन कर सभी छठ व्रतियों ने स्थानीय मंदिर में पूजा अर्चन किया इसके साथ ही छठ महापर्व संपन्न हो गया । इधर स्थानीय समाजिक संस्थाओं ने जिसमें संकल्प सेवा समिति, हरि ओम छठ पूजा समिति, छठ पूजा समिति सेमर साहेर ,नारो छठ घाट पूजा समिति,छठ पूजा समिति एडचोरो सहित कई धार्मिक संस्थाओं ने छठ व्रतियों के लिए पूजा सामग्री, हवन सामग्री, लकड़ी दुध डब सहित कई सामग्री का वितरण किया।

इटकी प्रखंड के बनिया टोली में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिया अर्घ्य

इटकी (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के सभी गांवों और कसबो में नेम, निष्ठा एवं पवित्रता का से युक्त सूर्य उपासना का चार दिवशीय महापर्व छठ मंगलवार को शांति एवं भक्ति में वातावरण में संपन्न हो गया। इटकी के बनिया टोली तालाव स्थित केसरी तालाब व बाहरी पोखर स्थित सूर्य मंदिर तालाब में श्रद्धालुओं ने भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने छठ व्रत किया। छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य भगवान को व उगते हुए सूर्य भगवान को अरग दिया। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के कई गांव में छठ महापर्व गांव के तालाब व नदी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसमें मोरो, मल्टी, कुरगी, कुंदी, रानी खटंगा संहिता कइ गांव शामिल है। रविवार को खरना तथा सोमवार को पहले अरग तथा मंगलवार के सुबह में अर्ग दिया गया। सोमवार को बनिया टोली में झारखंड सरकार के पशू पालन व कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भाग लिया तो वहीं दूसरे दिन सुबह में भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने आकर अपना आस्था समर्पित किया। सूर्य मंदिर तालाब पर पूजन हवन कर सूर्य उपासना का महापर्व संपन्न हो गया। इस संपन्न कराने में दर्जनों समाज सेवी, स्वयंसेवी संगठनों ने जमकर साफ सफाई व अन्य कार्य किया, जिससे कि छठ व्रतियों के साथ श्रद्धालुओं को कोइ सुविधा न हो इसके लिये तत्पर रहा।

महत्वपूर्ण खबरें

ईंटाचिल्द्री की मुखिया को मातृ शोक

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ईंटाचिल्द्री पंचायत की मुखिया अनिता बाड़ा व पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा की सास 70 वर्षीय बंधनी उरांव का सोमवार की रात लगभग 12 बजे आकस्मिक निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थी। इनके निधन से गांव में मातमी सन्नटा पसर गया। वे अपने पीछे पुत्र दालू उरांव, सोमरा उरांव, मंगरू खाखा,दासू उरांव व पुत्री अनीता बड़ा, अनुसुइया खाखा एवं पोता पोती सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए। मंगलवार की दोपहर ईंटा उरांव मसना में सरना रीति रिवाज के साथ उन्हें मिट्टी दिया गया। इधर इनके निधन से प्रखंड क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। मौके पर सांसद प्रतिनिधि जुगेश उरांव मुखिया लक्ष्मी कोया पूर्व मुखिया सुनील कच्छप उपमुखिया तंजीर हुसैन,लाल कमलेश,लाल नागेंद्र, कलिंद्र सिंह, रशीद मीर,नईमुद्दीन मिरदाहा आदि मौजूद थे।

झाकुविप के जिलाध्यक्ष बने रामनाथ महतो

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के चिलदाग ग्राम निवासी रामनाथ महतो को झारखंड कुर्मी विकास परिषद रांची का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर सोमवार को गोंदलीपोखर चौक में स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उन्हें पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सुरेंद्र कुमार महतो, अजय कुमार महतो, सुनील महतो, राजेंद्र महतो, सुरेश महतो, संतोष महतो, जगन्नाथ महतो, कुर्मी महासभा के जिलाध्यक्ष ज्योतिष महतो, राजेश महतो, जगमोहन महतो, अर्जुन महतो, वीरेंद्र महतो, सुप्रेश महतो आदि मौजूद थे।

रातू कमड़े में दुकान के बाहर खड़ी बाइक की चोरी

रातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के तिलता स्थित कमड़े के पास दुकान के बाहर खड़ी बाइक की चोरी कर चोर फरार हो गये। घटना 25 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है। घटना के बाद चाणक्य पूरी कॉलोनी निवासी भुक्तभोगी रंथु कुमार ने बाईक की काफी खोजबीन किये परंतु बाईक का कुछ पता नही चल पाया। जानकारी ले मुताबिक रंथु कुमार में रोजाना की तरह अपनी दुकान श्रीजल सिंगर स्टोर के बाहर अपनी बाईक जेएच01 इएन- 5358 को खड़ा कर दुकान के अंदर चला गया। रात 9 बजे जब वह बाइक के पास आया तो बाइक गायब था। मामले को लेकर ने रंथु ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज करायी है।

कुआं में डूबने से ओजम बेदिया की मौत

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के नवागढ़ पंचायत के ओबर हड़राबेड़ा निवासी ओजम बेदिया उम्र 60 वर्ष का कुआं में डूबने से मौत हो गयू। जनकारी के अनुसार बुधवार शाम 4 बजे धान कीफसल देखने के लिए खेत तरफ गया था। जब घर वापस नहीं आया, तो परिवार के सदस्यों ने खोजबीन की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। सुबह कुआं में शव देखा पाया गया। इसकी जानकारी सिकिदिरी थाना प्रभारी को दी गयी। सिकिदिरी पुलिस घटन स्थल पर पहुच कर शव को अपने कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स हॉस्पिटल भेज दिया।

अंग्रेजी के प्रो केशव प्रसाद ने टीएस इलियट का किया अनुवाद

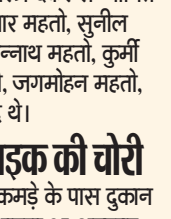

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। भारतीय समाज में 60 साल के बाद व्यक्ति रिटायर्ड हो जाता है। लेकिन अंग्रेजी के प्रोफेसर केशव प्रसाद 93 वर्ष में भी साहित्य और सृजन के प्रति दिवानगी रखते है। रांची विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्रोफेसर होने के बाद भी उनकी अभिरूचि हिंदी साहित्य रही है। उन्होंने दो कविता संग्रह ₹क्योंकि आशंका सार्थक है₹ तथा ₹पिरामिड और परछाईं₹ लिखी है। उनका सबसे बड़ा काम टीएस इलियट के चर्चित काव्य संग्रह द वेस्ट लैंड एवं अन्य कविताओं का हिंदी में रूपांतरण किया है। इसके अलावा उन्होंने अंग्रेजी में एक किताब ग्राहम ग्रीन, दी हियूमन प्रीडिकामेंट लिखी है। राजधानी की प्रख्यात हिंदी लेखिका डॉ ऋता शुक्ल ने उनके समग्र साहित्य को केशव प्रसाद एक संचयन में संकलित किया है। यह किताब अनुज्ञा प्रकाशन? संस्थान से प्रकाशित हुआ है। डॉ केशव प्रसाद वयोवृद्ध होने के बाद भी लेखन में रुचि रखते हैं।

एनएच-39 पथ ब्रांबे में हुई सड़क दुर्घटना, एक की मौत, दूसरा गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के ब्राम्बे स्थित आ खा जा रेस्टोरेंट के समीप मंगलवार दोपहर लगभग 1:30 बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में उनमें से एक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, ब्राम्बे निवासी शाहिद अंसारी एवं बुढ़मू बारी पतरा निवासी सलीम अंसारी स्कूटी से ब्राम्बे से मुड़मा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रांची से मांडर की दिशा में आ रही तेज रफ्तार मारुति डिजायर (संख्या JH01 ए9386) ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना मांडर थाना को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को गंभीर अवस्था में मांडर रेफरल अस्पताल भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें ब्राम्बे स्थित शिरडी साई अस्पताल रेफर किया गया। सलीम अंसारी की हालत अत्यंत नाजुक होने पर उन्हें जिला परिषद प्रतिनिधि रबुल अंसारी द्वारा रांची मेडिका अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। बताया गया कि मृतक सलीम अंसारी, रबुल अंसारी के फुफेरा एकलौते दामाद थे। वे अपने पीछे पत्नी और तीन छोटी-छोटी बेटियां छोड़ गए हैं। इस घटना को लेकर जिला परिषद प्रतिनिधि रबुल अंसारी ने आरोप लगाया कि ह्लशिरडी साई अस्पताल की लापरवाही ने मेरे आदमी की जान ले ली। समय पर उचित इलाज और व्यवस्था रहती तो सलीम की जान बच सकती थी।ह्व उन्होंने रेफरल अस्पताल और निजी अस्पताल दोनों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। वहीं, घायल शाहिद अंसारी का पैर टूट गया है। उसे रातू काठीटांड़ स्थित हर्षित अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। मांडर पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है>

पिठोरिया के नया तालाब छठ घाट में भव्य छठ आयोजन

पिठोरिया। (आजाद सिपाही)। छठ महापर्व के पावन अवसर पर नव युवा जागृति क्लब, स्वर्णकार मुहल्ला छठ पूजा समिति, पिठोरिया की ओर से नया तालाब छठ घाट पर इस वर्ष भव्य आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष मुकेश प्रसाद वर्मा ने बताया कि पिछले 33 वर्षों से क्लब के द्वारा पूजा का आयोजन किया जाता है। इस बार पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश कुमार के सहयोग से सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गयी। संस्थापक धनुषधारी प्रसाद, राजन प्रसाद, अध्यक्ष मुकेश प्रसाद वर्मा, सदस्य परमानंद गुप्ता, रंजीत प्रसाद, ज्योतिष प्रसाद, रंजीत वर्मा, श्रवण सोनी, संजीत प्रसाद, सचिन प्रसाद, चंदन सोनी, अमन सोनी, प्रतीक सोनी, आनंद जायसवाल, विजय लहकर, निशांत जायसवाल, रंजन जायसवाल, अभिषेक जायसवाल, विजय जायसवाल, राहुल जायसवाल, राजू सोनी, चंदन गोसाई, शक्ति जायसवाल, शिव जायसवाल, पंकज साहू, नितेश ठाकुर, सत्यम सोनी, गोल्डी सोनी, निखिल सोनी, प्रिंस जायसवाल, हरशु जायसवाल, नितिन गोसाई, अंशु जायसवाल, आदर्श वर्मा, कार्तिक सोनी, प्रियांशु सोनी, तनिष्क सोनी, आर्यन गुप्ता, अंश गुप्ता, अनुप गोप और आकाश सोनी की भूमिका सराहनीय रही।

ग्रामीणों ने बैटरी चोर को पुलिस को सौंपा

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के दलादिली रिंग रोड के पास खड़े ट्रक का बैटरी चोरी कर भाग रहे दो चोरों को ट्रक के चालक व ग्रामीणों ने पीछा कर दबोच लिया। घटना रविवार की रात की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक कुडू लोहरदगा निवासी चालक मुशरफ अंसारी 10 चक्का ट्रक जेएच19बी-3819 को रिंग रोड दलादिली के पास खड़ा कर समीप के ही चौधरी होटल गया था। कुछ देर बाद जब चालक लौटा तो दो युवको को गाड़ी से बैटरी चोरी कर स्कूटी में लोड करते हुए देखा। चालक जब तक कुछ समझ पाता दोनों चोर स्कूटी में बैटरी लोड कर फरार हो गये। चालक के द्वारा हल्ला करने पर ग्रामीणों ने भागते चोरों का पीछा। इस पर दोनों चोर स्कूटी समेत एक गड्ढे में गिर गये।

ग्रामीणो ने दोनों चोरों को स्कूटी समेत दबोच लिया और धुनाई कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पहुंची पुलीस ने एमरौन बैट्री तथा एक्टीवा स्कूटी जेएच 01जीए-7620 को जब्त कर लिया वही दोनों चोरों को भी गिरफ्तार कर थाना ले आयी। चोरों की पहचान पंडरा ओपी आइटीआइ बस स्टैंड बजरा निवासी सुनिल वर्मा का पुत्र श्रेयांश कुमार और फ्रेंड्स कॉलोनी में रहने वाले भगवान प्रसाद का पुत्र मंदीप कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो बालक बालिका टीम राजस्थान के लिए हुई रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो एसोसिएशन के तत्वावधान में बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय, सेक्टर-2,धुर्वा रांची में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के उपरांत चयनित खिलाड़ियों का पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के आधार पर जुनियर एवं सबजुनियर झारखंड बालक-बालिका खो-खो टीम का चयन किया गया। चयनित झारखंड टीम तृतीय जुनियर एवं सबजुनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु मंगलवार को हटिया रेलवे-स्टेशन से जयपुर (राजस्थान) के लिए रवाना हुई। यह प्रतियोगिता 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक आयोजित है। टीम की घोषणा झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो एसोसिएशन के महासचिव विवेक कुमार ने किया। झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ अजय झा, संघ के सदस्य नितेश कुमार साहू, प्रसिद्ध समाजसेवी सह खेल प्रेमी दीपक मरांडी, विराट कच्छप, रिया कुमारी, सूरज कुमार पांडेय, निखिल कुमार, विकास कुमार, अभिषेक कुमार सहित संघ के अन्य पदाधिकारियों ने हरी झंडी दिखा कर उन्हें रवाना किया। इससे पहले सभी खिलाड़ियों को हाइव हाउस होम कंपनी के संचालक हेमंत मरांडी, दीपक मरांडी एवं विराट कच्छप की ओर से जर्सी-पेंट देकर सम्मानित किया गया।

रातू झखराटांड़ के एक बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना

डेढ़ लाख नकद समेत 5 लाख के जेवरात उड़ाये

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के झखरा टांड में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुये घर के दरवाजे में लगे ताले को तोड़कर अलमीरा में रखे डेढ़ लाख नकद व 3.50 लाख के जेवरात की चोरी कर फरार हो गये। घटना रविवार की देर रात की बताई जा रही है। भुक्तभोगी संदीप साहू छठ पर्व मनाने अपने पूरे परिवार के साथ बहन के घर कांके होचर गये थे। सोमवार की सुबह पड़ोसी ने घर मे लगे ताले को टूटा हुआ देखा तो इसकी सूचना संदीप को दी। घर आने पर संदीप ने अलमीरा का ताला टूटा हुआ पाया । वही अलीमरा में रखा डेढ़ लाख रुपया नकद समेग सोने चांदी के जेवरात गायब थे। चोर घर के पिछले दरवाजे में लगे ताले को तोड़कर घर के अंदर घुसे थे। चोरों ने घर मे लगें एलसीडी को भी खोलने की भी कोशिश की परन्तु सफल नही हो सके। इसके अलावा घर मे रखे सामानो को भी अस्त व्यस्त कर दिया। मामले को लेकर संदीप साहू ने रातु थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस घटना की जांच में जुट गयी है।

विभिन्न घाटों पर छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। लोक आस्था का महापर्व गुमला जिले में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सोमवार की शाम 5 बजे सिसई रोड स्थित छठ तालाब मुरली बगीचा वन तालाब खटवा नदी अरमई तालाब नागफेनी नदी व विभिन्न जलाशयों में छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। पैरों के मध्य नजर जिला प्रशासन की ओर से सभी छठ घाट हो वह जिला सहयोग में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये थे तालाबों में गोताखोरों को तैनात किया गया था साथी पुलिस सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर पूरे शहर में गस्ती कर रही थी। इस बीच लोगों की भारी भीड़ देखी गयी भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने को लेकर शहर के सभी प्रमुख मार्गो में पुलिस बल तैनात किये गये थे। सभी पूजा स्थानों पर लाइटिंग की व्यवस्था की गयी है। पूरा शहर छठ मैया के गानों से भक्तिमय हो गया। अरमई तालाब में भी लोगों की भारी भीड़ देखी गई जहां तालाब के बगल में स्थित मंदिर में जो व्रती माताओं ने सामूहिक रूप से पूजा किया। शहर के सिसई रोड स्थित छठ तालाब में भगवान सूर्य की प्रतिमा बनाई गई है। तालाब के बीच में बना प्रतिमा लोगों को आकर्षित कर रहा है। मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ पर्व समाप्त हो जायेगा।

शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में छठ महापर्व संपन्न

चैनपुर(आजाद सिपाही)। श्रद्धा और कठिन तपस्या का प्रतीक लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा मंगलवार की सुबह उदीयमान भगवान भास्कर को अंतिम अर्घ्य (अर्घ) प्रदान करने के साथ ही शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो गया। इस अवसर पर चैनपुर के सफी नदी छठ घाट पर श्रद्धालुओं का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा, जो पर्व के प्रति अटूट आस्था को दशार्ता है। छठ पर्व, जो कि चार दिनों तक चलता है पवित्रता, संयम और कठोर व्रत के लिए जाना जाता है। इस दौरान व्रती लगातार 36 घंटे से अधिक समय तक निर्जला व्रत रखते हैं। पहले दिन (नहाय-खाय) व्रतियों ने पवित्र स्नान कर सात्विक भोजन ग्रहण किया और पर्व की शुरूआत की। दूसरे दिन (खरना) दिन भर उपवास रखकर शाम को गुड़ और चावल की खीर का प्रसाद ग्रहण किया गया, जिसके बाद से व्रतियों का कठिन निर्जला उपवास शुरू हो गया। तीसरे दिन (अस्तगामी सूर्य को अर्घ्य) सोमवार की शाम को सफी नदी घाट पर अस्ताचलगामी सूर्यदेव को पहला अर्घ्य दिया गया। इस दौरान सफी नदी छठ घाट पर हजारों की भीड़ जुटी जिसने भक्ति और दिव्यता का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। चौथे दिन यानि मंगलवार की भोर में जब चारों ओर अभी भी हल्की ठंड और अंधेरा था, व्रती अपने परिवार और पारंपरिक गीतों के साथ घाट पर पहुंचे। सूर्योदय होते ही उन्होंने जल में खड़े होकर छठी मईया और भगवान भास्कर को अंतिम अर्घ्य दिया और विधिवत व्रत का पारण (समापन) किया। भक्तिमय माहौल में डूबा पूरा क्षेत्र चार दिनों तक पूरा चैनपुर क्षेत्र छठ महापर्व के रंगों में रंगा रहा। हर तरफ पारंपरिक छठ गीतों की गूंज सुनाई दे रही थी जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और अध्यात्म से ओत-प्रोत कर दिया था। छठ व्रतियों के घर और घाट तक के रास्तों को विशेष रूप से साफ-सजाया गया था। इस दौरान छोटा नागपुरिया तेली उत्थान समाज के द्वारा छठ घाट पर लाइट, टेंट व छठ वर्तियों के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई थी। पर्व के दौरान छठ घाट पर आई भीड़ को देखते हुए, स्थानीय समाजसेवियों ने ठंड और सुबह के समय को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं और व्रतियों के लिए घाट पर गर्म चाय की व्यवस्था की गई थी जिससे लोगों को काफी सुविधा मिली। इस दौरान छठ घाट पर उमड़ी भारी भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए पुलिस बल मुस्तैद रहा। चैनपुर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार अपने दल-बल के साथ घाट पर मौजूद रहे और शांति व्यवस्था बनाए रखने के कार्य में जुटे रहे।

अर्घ्य अर्पित करने के लिए उमड़ी भीड़

घाघरा(आजाद सिपाही)। प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों पर मंगलवार की सुबह छठव्रतियों ने विधि-विधान से उदयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। श्रद्धा और आस्था के इस महापर्व पर घाटों पर भक्तिमय माहौल देखने को मिला। अर्घ्य के उपरांत छठव्रतियों ने भगवान सूर्य और छठ मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के पश्चात श्रद्धालुओं ने सत्यनारायण भगवान की कथा सुनी और हवन कर पुण्य अर्जित किया। घाघरा मुख्यालय के छठ घाटों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही। महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाकर माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। इस अवसर पर घाघरा लंगोटिया दोस्त ग्रुप के सदस्यों की ओर से छठ घाट पर श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क चाय स्टॉल लगाया गया, जिससे आने-जाने वाले लोगों को काफी सुविधा हुई। वहीं प्रशासन और पूजा समिति की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस जवानों ने घाटों पर निगरानी रखी ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इस प्रकार श्रद्धा, सुरक्षा और सेवा की भावना के साथ घाघरा प्रखंड में छठ महापर्व का समापन श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ।

छठ महापर्व की धूम, विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब

(आजाद सिपाही)। लोक आस्था और सूयोर्पासना का महापर्व छठ पूजा सिसई प्रखंड में भक्ति, पवित्रता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सोमवार को सिसई प्रखंड अंतर्गत नागफेनी स्थित कोयल नदी तट पर हजारों की संख्या में छठव्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों ने पारंपरिक तरीके से जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और भगवान सूर्य और छठी मैया से परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही कुदरा तालाब तथा बसिया रोड स्थित पारस नदी तट पर भी सैकड़ों की संख्या में छठव्रतियों ने पूजा-अर्चना की। घाटों पर आज मंगलवार सुबह से ही पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने गीत-भजन गाते हुए पूरे श्रद्धापूर्वक छठ विधि-विधान का पालन किया। बच्चों और युवाओं में भी उत्साह देखने को मिला। छठ घाटों की साफ-सफाई एवं सुरक्षा के लिए स्थानीय ग्रामीणों, स्वयंसेवकों और प्रशासन की ओर से विशेष प्रबंध किए गए थे। कई स्थानों पर घाटों की सजावट की गई थी और रोशनी की भी व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालुओं को पूजा करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान आसपास के बाजारों में भी रौनक देखने को मिली। पूजा सामग्री, सूप-दौरा, फल-फूल और

प्रसाद के सामान की खरीदारी को लेकर दिनभर चहल-पहल रही। छठ गीतों की मधुर धुनें पूरे माहौल को भक्तिमय बनाती रहीं। मंगलवार को सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ पर्व का समापन हुआ। स्थानीय लोगों ने कहा कि छठ पर्व हमारे समाज में आस्था, अनुशासन, शुद्धता और सामूहिकता का संदेश देता है। यह पर्व सदियों से हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। अंत में व्रतियों और श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य एवं छठी मैया से वर्षभर परिवार की रक्षा, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की।

गुमला में शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में छठ महापर्व संपन्न

बिशुनपुर में छठ पूजा हर्षोल्लास के साथ संपन्न

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड में सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा पूरे श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सोमवार को व्रतियों ने चलअस्त गामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया, वहीं मंगलवार की सुबह उदित होते सूर्य देव को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ व्रत का समापन हुआ। इस मौके पर प्रखंड के प्रमुख छठ घाट शिवालय तालाब सेरका, बनारी कोयल नदी, बानालात नदी, जोरी नदी, बड़का दोहर सहित अन्य जलाशयों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजे टोकरी और डाला लिए घाटों पर पहुंचीं। पूरा वातावरण छठ मइया के जयकारों से गूंज उठा। प्रशासन द्वारा घाटों पर सुरक्षा, साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था की विशेष व्यवस्था की गयी थी। स्थानीय युवाओं और समाजसेवियों ने भी आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। छठ पूजा के दौरान लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और गांव-गांव में धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल छाया रहा। इस प्रकार बिशुनपुर प्रखंड में छठ पर्व श्रद्धा, आस्था और भक्ति के संग एकता का संदेश देते हुए सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

श्रद्धालुओं ने घाट पर भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा छठ पूजा को लेकर तालाब को काफी आकर्षक तरीके से सजाया गया था। अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए कामडारा का बड़ा तालाब के चारों ओर व पोकला स्थित बरदा नाला के समीप जन सैलाब उमड़ पड़ा। छठ घाट में साउंड सिस्टम से छठ की पारंपरिक गीत बज रहे थे। जिसमें लोग भक्ति के रस में सराबोर होते रहे ।उधर छठव्रती कल आप में प्रवेश कर अस्ताचलगामी सूर्य देव की आराधना उपासना में लगे रहे और फिर अर्घ्य दिया। मंगलवार को उदीयमान भगवान दीनानाथ को उगने से पहले घंटों पानी में प्रवेश कर सूर्य देव का उगने का प्रतीक्षा कर आराधना करते रहे। सूर्य के उदय होने के साथ ही शंख,घंट के आवाज के मध्य व्रतियों और श्रद्धालुओं ने अर्घ्य अर्पित किया। पटाखों की आवाज से तालाब परिसर गुंजायमान रहा। छठ घाट में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी शशि प्रकाश दल बल के साथ अलर्ट रहे। उसके अलावे दुर्गा पूजा समिति व बजरंग दल के सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा। छठ पर्व पर कामडारा व पोकला में खास उत्साह का माहौल देखा गया

दो गुटों में मारपीट, दो घायल, दो गिरफ्तार

दो ट्रैक्टर अवैध साइज पत्थर गिरफ्तार, दो फरार

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। बसिया थाना अंतर्गत किंदिरकेला के पतुरा गांव में दो गुटों में जमकर मारपीट हो गयी। जिसमें दो लोग घायल हो गये हैं। मारपीट करने के आरोप में महताब खान, शीतल इंदवार, सनाउल्लाह खान, धीरज गुड़िया के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है। वहीं साका खान उर्फ सागर खान गंभीर रूप से घायल है। साका खान ने बताया कि वह और दो लोग कहीं जा रहे थे वहीं महताब खान, शीतल इंदवार, सनाउल्लाह खान, धीरज गुड़िया अचानक आये और कहा कि तुम लोग मेरी गाड़ी में

ठोकर मार दिए हो उसको बनवाने के लिए 20 हजार रुपये दो। पैसे देने से इनकार करने पर इन चारों ने दोनों पर वार कर दिया। दोनों अपनी जान बचाने के लिए एक दुकान में घुसे। वहां भी पहुंच कर दोनों के साथ मारपीट की गई। इस मार पीट से नाराज ग्रामीण काफी आक्रोशित हुए।

अवैध उत्खनन पर रोक लगाने की मांग : ग्रामीण बताया कि मारपीट करने वालों के अवैध पत्थर उत्खनन का कारोबार चलता है। अवैध उत्खनन करने वाले के द्वारा जब मारपीट की गयी तो ग्रामीणों ने पत्थर से लदे दो ट्रैक्टर को पकड़ लिया और बसिया थाना प्रभारी को बुलाकर उनके हवाले कर दिया। साथ ही ग्रामीणों ने कहा कि अवैध उत्खनन पर रोक लगायी जाये और अवैध उत्खनन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाये।

चार आरोपियों में दो गिफ्तार दो फरार : थाना प्रभारी ने बताया कि मारपीट करने वालों में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार लोगों में महताब खान, शीतल इंदवार के नाम शामिल हैं। वहीं सनाउल्लाह खान और धीरज गुड़िया फरार बताये जा रहे हैं। लेकिन अभी तक उक्त जब्त पत्थर और उक्त ट्रैक्टर पर केस दर्ज करने की कोई सूचना नहीं है। अंचल अधिकारी से संपर्क करने पर उनका मोबाइल स्विच ऑफ था।

जंगली हाथी ने तोड़ी चहारदीवारी

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सरईडीह गांव में जंगली हाथी ने बीरबल भगत के घर की चारदीवारी तोड़ दी। इस संबंध में पीड़ित बीरबल भगत ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की मध्यरात्रि में हाथी ने उनके घर की चारदीवारी को नुकसान पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने शोर मचाया, जिसके बाद हाथी वहां से भाग गया। ग्रामीणों ने हाथी का पीछा करते हुए उसे तूसगांव स्थित पतरा इलाके तक खदेड़ दिया। समाचार लिखे जाने तक हाथी पतरा में ही मौजूद था। वहीं पीड़ित बीरबल भगत ने वन विभाग के अधिकारियों से मुआवजा देने की मांग की

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की हुई मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। रायडीह थाना क्षेत्र के छतरपुर मांझा टोली निवासी 40 वर्षीय शिवा प्रसाद साहू की मौत अज्ञात वाहन के टक्कर से हो गयी। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार की देर रात 11:30 बजे व्यक्ति शौच करने अपने घर के बाहर सड़क की ओर निकला था। इसी बीच अज्ञात वाहन उसे टक्कर मारते हुए घटनास्थल से फरार हो गया। घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। सुबह जब परिजन और आसपास के लोगों ने सड़क पर शव देखा तो इसकी सूचना रायडीह पुलिस को दी। रायडीह पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के छोटे भाई सुरेश प्रसाद साहू ने रायडीह थाना में अज्ञात वाहन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी दर्ज होते ही पुलिस आगे की जांच पड़ताल में जुट गयी है।

सड़क दुर्घटना में युवक की हुई मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। रांची नेशनल हाईवे स्थित नागफेनी के समीप सोमवार की रात अज्ञात वाहन की टक्कर से पुसो थाना क्षेत्र अंतर्गत दर्री गांव निवासी 18 वर्षीय अखिलेश भगत की मौत हो गयी। मंगलवार की दोपहर 12 बजे सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक युवक सोमवार को बाइक से गुमला आया था। रात में वापस अपने गांव लौट रहा था तभी एक अज्ञात वाहन टक्कर मारते हुए घटनास्थल से फरार हो गया। परिजन उसे रेफरल अस्पताल सिसई से ले गये जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी। मृतक के दादा नरेश भगत ने सिसई थाना में अज्ञात वाहन के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गयी है।

वर्ष 2023-24 में बना सामुदायिक शौचालय पड़ा है बंद, राहगीर परेशान

डुमरी (आजाद सिपाही)। सरकारी पैसे के दुरूपयोग होने का एक बड़ा नमूना है डुमरी बस स्टैंड में बना शौचालय। लाखों रुपये की लागत से निर्मित इस सामुदायिक सुलभ शौचालय को बनाया गया। बनाने के बाद तामझाम से उद्घाटन हुआ और फिर जरूरतमंदों को मुंह चिढ़ाने के लिए शौचालय के दरवाजे पर ताला लगा दिया गया। यह शौचालय वर्षों से आज तक बंद पड़ा है। हालांकि इस शौचालय की जरूरत बस स्टैंड में काफी शिद्दत से है लेकिन शौचालय होने के बावजूद इस पर ताला लटका रहना यह सरकारी राशि का दुरुपयोग है। यह शौचालय जिला परिषद कार्य एजेंसी के द्वारा निर्मित किया गया है। जिसमें 15वीं वित्त आयोग की राशि खर्च की गयी है। वर्ष 2023-24 में बना यह शौचालय अभी तक जरूरतमंदों के काम में नहीं लाया जा रहा है। डुमरी बस स्टैंड में शौचालय और हैंड वॉश निर्माण यूनिट के नाम से इस योजना को पारित किया गया है। वर्तमान में इस शौचालय की देखरेख कौन कर रहा है और इसमें लगे ताले की चाबी किसके पास है इसकी कोई आधिकारिक जानकारी बस स्टैंड के लोगों को नहीं है। प्रतिदिन डुमरी बस स्टैंड में 25 से 30 बसों का आवागमन होता है, और एक अनुमान के अनुसार 150 से 200 यात्री रोज डुमरी से आते जाते हैं। शौचालय नहीं होने के कारण स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बसों से आने-जाने वाले यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी शौच के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुरुष तो किसी तरह खुले में शौच कर लेते हैं, लेकिन महिलाओं के लिए स्थिति बेहद दयनीय रहती है। अक्सर महिलाएं सार्वजनिक स्थानों पर असुविधा और असुरक्षा के कारण घंटों तक शौच के लिए प्रतीक्षा करने को मजबूर होती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि शौचालय को अतिशीघ्र चालू कराया जाए। उनका कहना है कि जब सरकार खुले में शौचमुक्त भारत का दावा करती है, तो ऐसे शौचालयों का बंद रहना योजना की मंशा पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय समाजसेवियों का कहना है कि यदि प्रशासन और पंचायत मिलकर इस सुलभ शौचालय का रखरखाव सुनिश्चित करें, तो यह आम जनता के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

सरना धर्म महासम्मेलन और प्रार्थना सभा की तैयारी पूरी, आज होगा भव्य आयोजन

मुख्य अतिथि होंगे मंत्री चमरा लिंडा, सरना धर्मावलंबियों में दिखा उत्साह

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। स्व. कार्तिक उरांव की जयंती के अवसर पर इस वर्ष भी सरना धर्म महासम्मेलन सह प्रार्थना सभा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 29 अक्टूबर 2025, दिन बुधवार को सरना झंडा पूजा स्थल (के.ओ. कॉलेज के पास) गुमला में आयोजित होगा। आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। इस अवसर पर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष श्रृंखला होगी। सुबह 8 बजे पूजा और झंडा स्थापना, 8:30 बजे कार्तिक उरांव महाविद्यालय परिसर में स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण और 11 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत होगी। कार्यक्रम का उद्घाटन पुग्गू

के पहान-पूजार विजय मुंडा, सुकरु पुजार, बसंत पहान और झोरा पहान करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा उपस्थित रहेंगे। महासम्मेलन का उद्देश्य सरना धर्म के मूल तत्वों और आदिवासी समाज की एकता को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में सरना भजन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया है, जिसमें केवल मांदर और झांझ का उपयोग मान्य होगा। सामूहिक भजन गाये जायेंगे और गीत कुड़ुख या मुंडारी भाषा में होने चाहिए। विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गये हैं – प्रथम पुरस्कार 1,00,001, द्वितीय 51,000, तृतीय 26,000 और अन्य विजेताओं को क्रमशः 10,000 तक के पुरस्कार दिये जायेंगे। इसके अलावा आदिवासी वीर योद्धाओं बुद्ध भगत, तेलंगा खड़िया, जतरा टाना भगत और कार्तिक उरांव के जीवन पर आधारित नाटिका प्रतियोगिता भी होगी, जिसमें प्रथम पुरस्कार 25,000, द्वितीय 15,000 और तृतीय 10,000 रखा गया है। सरना धर्म प्रार्थना सभा जिला समिति गुमला के अध्यक्ष छोटेया उरांव ने बताया कि धर्म ही समाज की आत्मा है। धर्म से समाज में एकजुटता, प्रेम और अनुशासन आता है। सरना धर्म के सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार के लिए यह सम्मेलन महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं में अपनी संस्कृति और परंपरा के प्रति सम्मान की भावना और भी प्रबल होगी। वहीं उपाध्यक्ष आह्लाद उरांव ने कहा कि सरना धर्म समाज को नशामुक्त, शिक्षित और संगठित बनाने की दिशा में कार्य करता है। भजन और नाटिका प्रतियोगिता के माध्यम से हम नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं और गुमला सहित आसपास के जिलों के लोग इसमें भाग लेंगे। कार्यक्रम का समापन 30 अक्टूबर की सुबह 7 बजे प्रार्थना सभा के साथ किया जायेगा। आयोजन को लेकर सरना धर्मावलंबियों में उत्साह का माहौल है।

सड़क दुर्घटना में दो बच्चे सहित छह घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के गुमला करमटोली रोड स्थित श्री कृष्णा छात्रावास के पास तेज रफ्तार बाइक सवार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दिया। घटना में ऑटो में सवार दो बच्चे सहित पांच लोग घायल हो गये जबकि बाइक चालक भी सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घायलों में कोल्दा निवासी 28 वर्षीय आलम लकड़ा, डुमरी निवासी 40 वर्षीय ब्लमदीना कुजूर,ऊपर डुमरी निवासी 32 वर्षीय मंजू लकड़ा, ऊपर डुमरी निवासी 2 वर्षीय एलीना कुजूर और 4 वर्षीय अमोदी लकड़ा शामिल है जबकि लांजी निवासी 19 वर्षीय बाइक सवार कारण मुंडा भी सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घटना की सूचना पर गुमला थाना के एस आइ सुजीत कुमार घटना स्थल पहुंचकर सभी घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां सभी घायलों का इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मंगलवार की सुबह 11 बजे एक ऑटो में सवार होकर कुछ लोग साप्ताहिक बाजार करने गुमला पहुंचे और ऑटो से उतरने लगे। तभी तेज रफ्तार बाइक सवार जो करम टोली की ओर जा रहा था ऑटो को टक्कर मार दिया।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in
11

बोरागढ़ में दो घरों से लाखों की चोरी

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/ जोड़ापोखर। बोरागढ़ ओपी क्षेत्र से महज 100 गज की दूरी पर स्थित स्टाफ कॉलोनी में मंगलवार तड़के चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। चोरों ने ताला तोड़कर दोनों घरों की अलमारियों से लाखों रुपये की संपत्ति चुरा ली और फरार हो गये। इस घटना की करतूत कॉलोनी में लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गयी है। पीड़ितों ने बोरागढ़ ओपी पुलिस को इसकी सूचना दी है। बोरागढ़ स्टाफ कॉलोनी निवासी प्रबीन सिंह ने बताया कि छठ पूजा के कारण मंगलवार सुबह पूरा परिवार तालाब गया था। सुबह करीब 5 बजे पूजा का सामान लेने घर लौटने पर देखा कि दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और घर बिखरा पड़ा है। अलमारी से सोने की चेन, सोने की कान की बाली, चांदी की पायल सहित अन्य कीमती सामान चोरी हो गया, जिसकी अनुमानित कीमत 2 से 2.5 लाख रुपये है।

इसी तरह, पड़ोस में रहने वाले अमरजीत सिंह के घर में भी चोरों ने ताला तोड़कर अलमारी से सोने की चेन, मंगलसूत्र, सोने की कान की बाली और चांदी की पायल चुरा ली। इस चोरी से करीब 2 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

घटना के बाद कॉलोनी में हड़कंप मच गया है। बोरागढ़ स्टाफ कॉलोनी को सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि यहां झरिया विधायक के परिजन भी रहते हैं। दोनों पीड़ित परिवारों ने पुलिस से चोरों का पता लगाने और चोरी का खुलासा करने की मांग की है।

बोरागढ़ ओपी प्रभारी निरंजन कुमार ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और जल्द ही चोरी का खुलासा कर लिया जायेगा।

चास में आइआरबी जवान की गोली मारकर हत्या

मुख्य हत्यारोपी फरार, दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। चास थाना क्षेत्र के आदर्श कॉलोनी स्थित गाय घाट के समीप सोमवार को सांध्य अर्घ्य के बाद रात करीब 9 बजे मामूली विवाद में आइआरबी जवान अजय यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। अजय के पेट में तीन गोलियां लगी। मृतक यदुवंश नगर निवासी लक्ष्मी नारायण यादव के पुत्र थे और उनकी पदस्थापना गिरिडीह जिले में थी। छठ के अवसर पर छुट्टी लेकर अजय अपने घर आये थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना देर शाम करीब नौ बजे की है। बताया जा रहा है कि अजय यादव उर्फ सोनू और बलराम तिवारी के बीच किसी बात को लेकर तू-तू, मैं-मैं हो गयी थी। विवाद के कुछ देर बाद बलराम तिवारी अपने कुछ साथियों के साथ गाय घाट स्थित शिव मंदिर के पास पहुंचा। सोनू अपने दोस्तों के साथ वहीं खड़े थे। इससे पहले कि सोनू कुछ समझ पाते, बलराम तिवारी ने पिस्टल निकाल कर उनपर तीन से चार राउंड फायरिंग कर दी। फायरिंग में सोनू को तीन गोलियां पेट में लगीं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बोकारो जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही चास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से कई साक्ष्य एकत्र किए हैं। पूछताछ के लिए दो लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। हत्या की खबर फैलते ही इलाके में तनाव का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग बीजीएच पहुंचे। चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह और चास थाना प्रभारी सुषमा कुमारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मुख्य आरोपी बलराम तिवारी और उसके सहयोगियों की तलाश में छापेमारी जारी है। जानकारी के अनुसार मुख्य आरोपी बलराम तिवारी का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। वह कई बार जेल जा चुका है। उसपर पूर्व में भी पुलिस जवान के उपर जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज हैं।

वहीं, मंगलवार के सुबह होते ही लोगों ने चास के बाईपास रोड़ को घंटों जाम कर दिया। मृतक के परिजनों के साथ साथ झामुमो नेता मंटू यादव, शक्ति सेना प्रमुख प्रदीप बर्मन आदि ने जिला प्रशासन से न्याय और आरोपी को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने की मांग रखी। पुलिस के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम को हटाया। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने दुख जाहिर करते हुए कहा कि एक जवान की हत्या हुई है, दोषी को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जायेगा।

डिगवाडीह में मामूली विवाद में युवक ने कट्टा लहराया

आजाद सिपाही संवाददाता

जोड़ापोखर/ झरिया। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के डिगवाडीह 10 नंबर में बुधवार की शाम दो युवक कंबल खरीदने के दौरान पैसा को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने कट्टा हाथ में लेकर लहराया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जांच में पता चला है कि कंबल खरीदने के बाद ऑनलाइन पेमेंट को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस जांच कर रही है कि कट्टा असल है या एयरगन।

इस मामले में जोड़ापोखर थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने जल्द मामले का खुलासा करने की बात कही है।

सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/ सिंदरी। सहरपुरा मार्केट में विधायक चंद्रदेव महतो ने छठ घाटों का भ्रमण किया। इस अवसर पर बाजार क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्वागत समारोह के उपरांत विधायक श्री महतो छठ पर्व के अवसर पर विभिन्न छठ घाटों का दौरा करने पहुंचे। उन्होंने सहरपुरा से लेकर सिंदरी क्षेत्र तक के सभी प्रमुख घाटों का भ्रमण किया और वहां उपस्थित छठ व्रतियों से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मौके पर विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था का महान पर्व है, जो समाज में स्वच्छता, श्रद्धा और एकता का संदेश देता है। उन्होंने सभी व्रतियों एवं क्षेत्रवासियों को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सूर्य देव को अर्घ्य देने के लिए सुबह से ही घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की रही भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व 'छठ' मंगलवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। छठ व्रतियों ने विभिन्न घाटों पर उगते सूर्य की उपासना की। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास भी खत्म हुआ। सूर्य देव को अर्घ्य देने के लिए व्रती एवं श्रद्धालु सुबह चार बजे से ही बड़ी संख्या में छठ घाटों पर पहुंचने लगे। भक्ति पूर्ण वातावरण में व्रती सूप दउरा लेकर नदी, तालाबों के पवित्र जल में अर्घ्य के लिए उतरे और जल में डुबकी लगाकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। साथ ही, अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और जीवन में ऊर्जा की कामना की। इस दौरान छठ के लोकगीतों से शहर का माहौल भक्तिमय बना रहा। जिला प्रशासन की ओर से विधि- व्यवस्था, जनसुरक्षा व यातायात की सुगमता को लेकर व्यापक इंतजाम किए गये थे।

छठ पर्व के बाद यात्रियों की वापसी के लिए चलायी जा रहीं विशेष ट्रेनें

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। छठ पर्व सम्पन्न होने के उपरांत मंगलवार से बिहार क्षेत्र से श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की वापसी प्रारंभ हो गई है। छठ पूजा सम्पन्न होने के बाद बिहार से भारी संख्या में यात्री अपने-अपने कार्यस्थलों की ओर लौट रहे हैं। यात्रियों की इस अत्यधिक भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे द्वारा उनकी यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं आरामदायक बनाने हेतु विशेष तैयारिया की गई हैं। आद्रा मंडल से होकर भुवनेश्वर, चारलापल्ली, गोंदिया, इतवारी, अजमेर, झांसी, दुर्ग आदि प्रमुख गंतव्यों के लिए अनेक विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में 28 अक्टूबर को आद्रा मंडल के बोकारो स्टेशन से होकर भुवनेश्वर, अजमेर, संतरागाछी, कामाख्या एवं तिरुपति की ओर जाने वाली कई पूजा स्पेशल ट्रेनें गुजरेंगी। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु स्टेशन परिसरों में हेल्प डेस्क, सूचना केंद्र स्थापित किए गये हैं। भीड़ नियंत्रण एवं टिकट जांच की सुचारु व्यवस्था के लिए अतिरिक्त टीटीई स्टाफ की तैनाती की गयी है। साथ ही, यात्रियों की सुरक्षा हेतु आरपीएफ/ जीआरपी की विशेष तैनाती एवं बैरिकेडिंग व्यवस्था भी की गयी है। स्टेशन परिसरों में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं अन्य यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बीएसएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। इस वर्ष 27 अक्टूबर से 02 नवंबर तक की अवधि सतर्कता जागरूकता सप्ताह के रूप में मनाई जा रही है। इस पृष्ठभूमि में बीएसएल के इस्पात भवन में 27 अक्टूबर को अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उदघाटन किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सीआर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीष सेनगुप्ता, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनुप कुमार दत्त, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ बीबी करुणामय, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ, ज्ञानेश झा सहित मुख्य महाप्रबंधकगण एवं वरीय अधिशासी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारम्भ पर सरदार वल्लभभाई पटेल को बीएसएल के वरीय अधिकारीयों के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित किया गया। तदोपरांत कार्यक्रम में उपस्थित सभी को अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी। मुख्य महा प्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ ज्ञानेश झा ने उपस्थित समूह को 'सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी' विषय पर सतर्कता विभाग के तत्वावधान में पूर्व में आयोजित तथा होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। उद्घाटन समारोह के दौरान भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, इस्पात मंत्री और सीवीसी के संदेश को पढ़ा गया।

अधिशासी निदेशक राजश्री बनर्जी ने अपने संबोधन में सभी को व्यावसायिक शिष्टाचार, कामकाज में नैतिकता और सत्यनिष्ठा के मूल्यों को अपनाने का सन्देश दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं समापन पर धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती चित्रा पराशर, वरीय प्रबंधक (सतर्कता) ने किया।

जीतपुर पुलिया में गिरने से युवक की मौत

झरिया (आजाद सिपाही)। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के नोनिकडीह बस्ती निवासी राजेंद्र महतो के 35 वर्षीय पुत्र दैनिक मजदूर आंनद महतो की मौत जीतपुर पुलिया में गिरने से हो गई। घटना सोमवार की है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। बताया जाता है कि मृत आंनद शराब का सेवन करता था। जीतपुर जाने के क्रम में पुलिया पार करने के दौरान माड़ी गोदाम के समीप स्थित पुलिया में गिर गया। आसपास के लोगो ने उसे बाहर निकाल कर जामाडोबा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया। उसका दाह संस्कार दामोदर घाट पर किया गया। पत्नी रीना देवी, पुत्र रोशन कुमार, पवन कुमार, नीलेश कुमार, भाई साजन महतो, बिनोद महतो, गंगाधर महतो का रो-रो कर बुरा हाल है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए हजारों लोग घाटों पर पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा/ मधुबन। बाघमारा की धरती आज भक्ति की सुनहरी चादर ओढ़े खड़ी थी। चारों ओर दीपों की झिलमिलाहट, रंग-बिरंगी लाइटों की रौनक, और श्रद्धालुओं की भीड़ – मानो पूरा नगर किसी दिव्य लोक में परिवर्तित हो गया हो। संध्या की लालिमा में जब डूबते सूर्य को व्रतियों ने अर्घ्य अर्पित किया, तो जल की हर लहर पर आस्था का प्रतिबिंब झिलमिलाने लगा। हर हाथ जोड़े, हर आँख नम्र – सूर्य देव के समक्ष समर्पण और कृतज्ञता की अद्भुत झलक थी। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर आस्था और श्रद्धा का अद्भुत नजारा देखने को मिला। डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचे थे। और अपने परिवार व समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। लाइटों से सजे घाट ऐसे लग रहे थे जैसे धरती ने स्वयं को दुल्हन की भाँति श्रृंगारित कर लिया हो। हवा में घुला गंगाजल, फल-फूलों की सुगंध, और छठ माता की जय के गूंजते स्वर – हर ध्वनि, हर दृश्य भक्ति का सजीव प्रमाण था। बाघमारा क्षेत्र की शाम एवं सुबह आज केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आस्था का उत्सव, प्रेम का प्रकाश और श्रद्धा का संगीत बन गयी। जहाँ दीपों ने सजावट की, वहीं मनों ने समर्पण का दीप जला दिया। इस तरह सोमवार को तमाम छठ घाटों में उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते ही आस्था, श्रद्धा और पवित्रता का महापर्व छठ संपन्न हुआ। नदी तटों पर गूंजे छठ मइया के गीत, भक्ति और समर्पण से सराबोर श्रद्धालुओं ने सूर्य देव से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। आस्था का अद्भुत संगम बना छठ का अंतिम अर्घ्य। प्रशासन और स्थानीय समितियों द्वारा घाटों की सुरक्षा, स्वच्छता और रोशनी की विशेष व्यवस्था की गयी थी।

टू टैंक गार्डन स्थित छठ घाट पर डीसी ने दिया अर्घ्य

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 03 स्थित टू टैंक गार्डन में मंगलवार सुबह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। प्रभात की पहली किरणों के साथ उन्होंने जिले की सुख-समृद्धि, शांति और समरसता के लिए प्रार्थना की। उपायुक्त ने कहा कि सूर्य हमें न केवल प्रकाश देता है, बल्कि परिश्रम, अनुशासन और निरंतरता का भी संदेश देता है। जिस तरह सूर्य हर दिन बिना थके उगता है, उसी भावना से हमें भी अपने जिले की प्रगति के लिए कार्य करना है।

डीसी ने ब्लड बैंकों/ सेंटरों का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। डीसी अजय नाथ झा ने मंगलवार को जिले में संचालित विभिन्न ब्लड बैंकों (सदर अस्पताल, रेड क्रास बोकारो, बोकारो जनरल अस्पताल एवं केएम मेमोरियल अस्पताल) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रक्त संग्रहण की प्रक्रिया, भंडारण क्षमता, रख-रखाव व्यवस्था, रक्त वितरण प्रणाली एवं सुरक्षा मानकों का अवलोकन किया। संबंधित अधिकारियों से रक्त की गुणवत्ता जांच के मानकों, कोल्ड चेन व्यवस्था, रिकॉर्ड प्रबंधन तथा ब्लड डोनर रजिस्ट्रेशन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। इसी क्रम में रेड क्रास में अव्यवस्था देख तत्काल प्रभाव से डा. मैथिली को रेड क्रास का प्रभारी प्रतिनियुक्त किया। निरीक्षण के उपरांत गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. ए. बी. प्रसाद, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डा. एन पी सिंह, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, विभिन्न अस्पतालों के प्रतिनिधि, रेड क्रॉस के सचिव एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। डीसी ने निर्देश दिया कि सभी ब्लड बैंक अपने कार्य में निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि अगले 5 दिनों में जिले के सभी ब्लड बैंकों का ऑडिट कराया जाए । उन्होंने रेड क्रॉस सोसाइटी, बोकारो को रक्त संग्रहण और वितरण प्रक्रिया को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम एवं आधुनिक बनाने का निर्देश दिया। कहा कि रेड क्रॉस ब्लड बैंक/ सेंटर एवं सदर अस्पताल में एनएटी मशीन का शीघ्र अधिष्ठापन किया जाए। इस मशीन के माध्यम से रक्त की जांच और अधिक सटीक एवं सुरक्षित हो सकेगी। जब तक एनएटी मशीन का अधिष्ठापन नहीं होता, तब तक केवल ईएलआइएसए पद्धति से ही रक्त की जांच की जाए, ताकि रक्त की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित रह सके। साथ ही, उन्होंने कहा कि प्रोफेशनल डोनरों की पहचान कर उनकी सूची भी तैयार कर ब्लड बैंकों/ सेंटरों को रखने को कहा।

झरिया के ऐतिहासिक राजा तालाब समेत विभिन्न घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। मंगलवार की अहले सुबह जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्यदेव की लालिमा दिखाई दी, वैसे ही झरिया के ऐतिहासिक राजा तालाब सहित विभिन्न तालाबों व छठ घाटों पर खड़ी व्रती महिलाओं के चेहरे भक्ति और संतोष से दमक उठे। छठ महापर्व के अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ व्रती महिलाओं ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। जल में खड़ी महिलाओं ने परंपरा अनुसार भगवान सूर्य को दूध, जल और प्रसाद चढ़ाया। छठ घाटों पर छठ मैया के गीत और जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से ही घाटों पर उमड़ पड़ी थी। महिलाएं साड़ी में सजी-धजी, सिर पर पूजा की टोकरी लिए जब घाटों की ओर बढ़ीं, तो दृश्य अत्यंत मनमोहक था। सूर्योदय के साथ ही व्रती महिलाओं ने अर्घ्य देकर अपने चार दिवसीय व्रत का समापन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने माता छठ का प्रसाद ग्रहण किया और परिवार तथा समाज के कल्याण की कामना की। घाटों पर प्रसाद वितरण, बच्चों की हंसी और श्रद्धा के गीतों से माहौल भक्तिमय बन गया। इस दौरान ओल्ड सार्वजनिक छठ सेवा समिति ओर समाजसेवियों और स्वयंसेवी संगठनों ने श्रद्धालुओं को चाय, नाश्ता और जल वितरित कर सराहनीय सेवा कार्य किया। जगह-जगह नगर निकायों द्वारा सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा की बेहतरीन व्यवस्था की गयी थी।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में 25 नवंबर को पीएम मोदी शिखर पर करेंगे ध्वजारोहण

सेना ने किया राम मंदिर में ध्वजारोहण का ट्रायल, दिसंबर तक पूरी तरह से खुल जायेगा परिसर

आजाद सिपाही संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर में 25 नवंबर को श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति नहीं होगी। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि 25 नवंबर के कार्यक्रम के दौरान सिर्फ आमंत्रित लोगों को दर्शन का मौका मिलेगा। इसमें लगभग आठ हजार लोगों को आमंत्रित किया जायेगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के समय मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति नहीं होगी। सिर्फ आमंत्रित लोगों को ही भगवान के दर्शन का अवसर मिलेगा और लगभग 8,000 आमंत्रित लोगों के लिए व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि अगले दिन से श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी जायेगी। नृपेंद्र मिश्र ने कहा, ₹क्या श्रद्धालु सभी क्षेत्रों में बिना सुरक्षा जांच के स्वतंत्र रूप से आ-जा सकेंगे, इस पर ट्रस्ट विचार कर रहा है। मेरा निरंतर प्रयास है कि यहां बनने वाली हर चीज श्रद्धालुओं को समर्पित हो। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा पूरा प्रयास होगा कि इस साल के आखिर तक राम जन्मभूमि परिसर में सभी मंदिर खोल दिये जायें, वाटिकाएं खुल जायें और कुबेर टीला तक भी श्रद्धालु पहुंच सकें।

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि यह जरूरी है कि कुछ जगह पर सीमित संख्या में ही जाया जा सकता है। जैसे कुबेर टीला में श्रद्धालु सीमित संख्या में ही जा सकते हैं। मंदिर के प्रथम तल पर भी सीमित संख्या होगी। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट पूरी तरह से हर जिम्मेदारी से काम में जुटा हुआ है। हमारी कोशिश है कि जल्दी से जल्दी काम पूरा करके श्रद्धालुओं के समक्ष जा सकें कि जो निर्माण कार्य हमें विश्वास के साथ दिया है, वह पूरा हो गया है। बता दें कि अयोध्या में 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराया जायेगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिस्सा लेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने एक दिन पहले जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी 25 नवंबर को मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक में मंगलवार को ध्वजारोहण समारोह की तैयारी पर चर्चा की गयी। बैठक से पहले निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि ध्वजारोहण के लिए लगातार ट्रायल चल रहा है और आगे भी जारी रहेगा। सेना की टीम ट्रायल में लगी हुई है। सेना ने कुछ जरूरी राय दी है, जिसको क्रियान्वित किया जायेगा। ट्रस्ट इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा। ध्वजारोहण के दौरान किसी भी तरीके की चूक न हो यह सुनिश्चित किया जा रहा है। पैराशूट का कपड़ा काफी मजबूत होता है, इसलिए इसी कपड़े से ध्वज के निर्माण की राय आयी है। सेना की टीम दो दिनों में रिपोर्ट बनाकर उन्हें सौंपेगी, जिसे वे पीएम मोदी को भेजेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा पूरा प्रयास होगा कि इस साल के आखिर तक राम जन्मभूमि परिसर में सभी मंदिर खोल दिए जाएं, वाटिकाएं खुल जायें और कुबेर टीला तक भी श्रद्धालु पहुंच सकें। यह जरूरी है कि कुछ जगहों पर सीमित संख्या में ही जाया जा सकता है। जैसे कुबेर टीला में सभी मंदिर के प्रथम तल पर भी सीमित संख्या होगी। ट्रस्ट पूरी तरह से हर जिम्मेदारी से काम में जुटा हुआ है। हमारी कोशिश है कि जल्द से जल्द काम पूरा कर-के श्रद्धालुओं के समक्ष जा सकें कि जो निर्माण कार्य हमें विश्वास के साथ दिया है, वह पूरा हो गया है।

25 नवंबर को केवल मेहमानों को मिलेगा रामलला का दर्शन

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि 25 नवंबर के समारोह के दौरान सिर्फ आमंत्रित मेहमानों को दर्शन का मौका मिलेगा। इसमें लगभग आठ हजार लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम के समय मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति नहीं होगी। अगले दिन से श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी जाएगी। मिश्र ने कहा, क्या श्रद्धालु सभी क्षेत्रों में बिना सुरक्षा जांच के स्वतंत्र रूप से आ-जा सकेंगे, इस पर ट्रस्ट विचार कर रहा है। मेरा निरंतर प्रयास है कि यहां बनने वाली हर चीज श्रद्धालुओं को समर्पित हो।

परकोटा का निर्माण पूरा, म्यूरल का काम भी अंतिम चरण में

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि परिसर के चारों ओर बन रहे 800 मीटर लंबे परकोटा का निर्माण का पूरा हो चुका है। रैंप बन कर तैयार हो गया है। इस दौरान चार से छह नये स्थान निकले हैं, जहां पर कांस्य के रामकथा आधारित म्यूरल लगाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रेलिंग का काम भी चल रहा है। पांच नवंबर तक यह सभी काम भी पूरे हो जायेंगे।

उत्तरप्रदेश में 46 आइएएस अधिकारियों के तबादले

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। यूपी में 46 अफसरों का तबादला किया गया है। इसमें आइएएस कृतिका ज्योत्सना को बस्ती का डीएम, वाराणसी के सीडीओ हिमांशु नागपाल को वाराणसी का नगर आयुक्त बनाया गया है। वाराणसी की एडीएम वंदिता श्रीवास्तव को कुशीनगर का सीडीओ बनाया गया है। रामपुर के सीडीओ नंद किशोर कलाल को गाजियाबाद का उपाध्यक्ष बनाया गया है। मिजार्पुर के आइएएस बाल कृष्ण त्रिपाठी को सचिवालय सामान्य प्रशासन बनाया गया है। उनकी जगह राजेश कुमार की नियुक्ति की गयी है।

सीतापुर के डीएम बने विशेष सचिव आबकारी : सीतापुर के जिलाधिकारी अभिषेक आनंद को विशेष सचिव आबकारी बनाया गया है। वहीं, सिद्धार्थ नगर के डीएम राजा गणपति आर को डीएम सीतापुर बनाया गया है। कौशांबी और बलरामपुर के भी जिलाधिकारी बदल गये हैं। दूसरी ओर राजेश कुमार को मिजार्पुर का नया मंडलायुक्त नियुक्त किया गया है। अन्य तबादलों में प्रखर सिंह को वाराणसी का मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बनाया गया है।

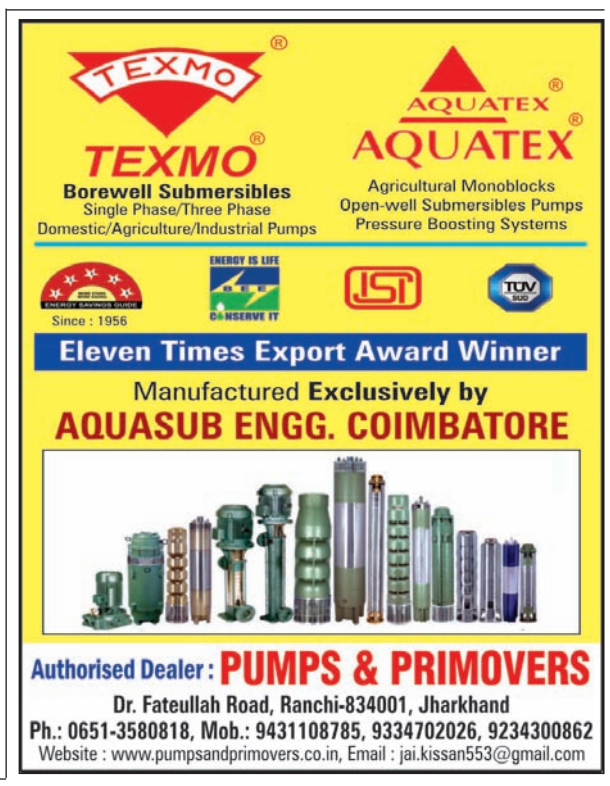

सोना 3,034 और चांदी 3,135 रुपये सस्ती

8 दिन में गोल्ड की कीमत 11,541 और चांदी की 27,334 रुपये कम हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में 28 अक्टूबर को भारी गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोने की कीमत 3,034 रुपये घट कर 1,18,043 पर आ गयी है। इससे पहले इसके दाम 1,21,077 रुपये प्रति 10 ग्राम थे। वहीं, चांदी 3,135 रुपये गिरकर ?1,41,896 प्रति किलोग्राम हो गयी। सोमवार को इसकी कीमत 1,45,031 प्रति किलोग्राम थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआइ सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

8 दिन में 11,541 रुपये सस्ता हुआ था सोना

सोने की कीमत पिछले 8 दिनों में 11,541 रुपये घटकर मंगलवार को 1,18,043 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गयी है। 19 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,29,584 रुपये के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गयी थी। वहीं चांदी 1,69,230 रुपये प्रति किलो से गिर कर 1,41,896 रुपये पर आ गयी है। ये 27,334 रुपये सस्ती हुई है।

सोना-चांदी के दाम में गिरावट के 3 कारण

भारत में सीजनल खरीदी का खत्म होना : दिवाली जैसे फेस्टिवल के बाद इंडिया में सोने-चांदी की खरीदारी का सिलसिला थम गया। इससे सोना-चांदी की डिमांड में कमी आई है। सोना-चांदी को 'सेफ-हेवन' माना जाता है, यानी मुश्किल वक्त में लोग इन्हें खरीदते हैं। ग्लोबल टेंशन के कम होने से इसमें गिरावट आयी है। रैली के बाद निवेशक प्रॉफिट बुक कर रहे हैं। टेक्निकल इंडिकेटर्स जैसे रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआइ) दिखा रहे थे कि कीमतें ओवरबॉट (कीमतें ज्यादा बढ़ जाना) जोन में पहुंच चुकी थीं। इसलिए ट्रेंड फॉलोअर्स और डीलर्स ने बिकवाली शुरू कर दी है।

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर बस में अचानक लगी आग

- एअर इंडिया का विमान नजदीक खड़ा था, किसी के घायल होने की खबर नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर मंगलवार दोपहर एअर इंडिया के विमान से कुछ मीटर दूर खड़ी एक बस में अचानक आग लग गयी। यह बस एअर इंडिया रअळर एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की थी, जो कई एयरलाइंस के लिए ग्राउंड सर्विस देती है। आग लगने के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि इस घटना में कोई घायल हुआ या नहीं। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें बस पूरी तरह आग की लपटों में घिरी दिखायी दे रही है। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। घटना के बाद दिल्ली एयरपोर्ट मैनेजमेंट ने बयान जारी किया है। उन्होंने बताया- दोपहर करीब 12 बजे एक ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी की बस में अचानक आग लग गई। एयरपोर्ट की फायर फाइटिंग टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया। उस समय बस खड़ी हुई थी और उसमें कोई यात्री मौजूद नहीं था। सभी उड़ानों का संचालन सामान्य है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और रूसी कंपनी के बीच बड़ा समझौता

भारत में रूसी तकनीक से बनेगा सुखोई पैसेंजर प्लेन एसजे-100

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत की एविएशन इंडस्ट्री के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और रूस की यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन (पीजेएससी-यूएसी) ने सोमवार को मॉस्को में समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत दोनों देश मिलकर सुखोई एसजे-100 पैसेंजर एयरक्राफ्ट का निर्माण भारत में करेंगे। यह पहली बार होगा, जब भारत में किसी फुल पैसेंजर एयरक्राफ्ट का प्रोडक्शन किया जाएगा। इससे पहले ऐसा प्रोजेक्ट 1961 में शुरू हुए AVRO HS-748 विमान के साथ हुआ था, जो 1988 में बंद हो गया था।

एचएएल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह जानकारी देते हुए लिखा : एचएएल और रूस की पीजेएससी-यूएसी कंपनी ने 27 अक्टूबर 2025 को मॉस्को में एसजे-100 सिविल कम्यूटर एयरक्राफ्ट के निर्माण के लिए समझौता किया है। यह समझौता भारत के नागरिक उड्डयन इतिहास में एक नये अध्याय की शुरुआत है और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में अहम कदम है।

एसजे-100 का प्रोडक्शन भारत में शुरू होना न सिर्फ 'मेक इन इंडिया' को नयी उड़ान देगा, बल्कि देश को सिविल एविएशन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित होगा।

घरेलू यात्रियों के लिए बनेगा 'मेड इन इंडिया' प्लेन : इस समझौते के तहत एचएएल को भारत के घरेलू बाजार के लिए एसजे-100 बनाने का अधिकार मिलेगा। इसका मकसद सरकार की उड़ान योजना के तहत छोटी दूरी की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करना है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगले 10 साल में भारत को इस कैटेगरी के करीब 550 छोटे जेट विमान की जरूरत होगी, जिनमें से 200 क्षेत्रीय रूट्स के लिए और बाकी 350 भारतीय महासागर क्षेत्र एवं अंतरराष्ट्रीय टूरिस्ट रूट्स के लिए होंगे।

सुखोई एस-100 की खासियत

एसजे-100 एक ट्विन-इंजन, नैरो-बॉडी वाला शॉर्ट-हॉल जेट है, जो अभी 16 से ज्यादा एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ उड़ान भर रहा है। अब तक दुनिया भर में 200 से अधिक एसजे-100 विमान बनाये जा चुके हैं। 103 यात्री की क्षमता, फ्लाइट रेंज 3,530 किलोमीटर, इंजन- ट्विन जेट इंजन, कंट्रोल सिस्टम- डिजिटल फ्लाई-बाय-वायर तकनीक, कॉकपिट- अत्याधुनिक कंट्रोल साइड स्टिक के साथ, सुविधा- विशाल ओवरहेड बिन्स, आरामदायक इंटीरियर, मुख्यधारा के जेट जैसी कम्फर्ट लेवल, सिक्योरिटी- एडवांस्ड एरोडायनामिक्स और आधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**